THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 248 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष पूर्णिमा 2082 गुरुवार, 4 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'15 मिनट में बात खत्म कीजिए'

दिल्ली दंगा मामले में आरोपियों के वकील को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 दिल्ली दंगा मामले की सुनवाई के दौरान बुधवार को एक महत्वपूर्ण निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि इस मामले में बहस काफी लंबी हो चुकी है, इसलिए अब समय सीमा तय की जा रही है। अदालत ने आरोपियों के वकीलों से कहा कि वे अपनी मौखिक दलीलें 15 मिनट में सीमित रखें। इस दौरान न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजरिया की पीठ ने यह भी कहा कि आरोपियों की दलीलों पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू की तरफ से की जाने वाली सफाई या जवाब 30 मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिए। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर के लिए तय की है। >14

संचार साथी एप की अनिवार्यता हटी

कहा-इसकी स्वीकार्यता बढ़ रही

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। संचार साथी एप कर केंद्र सरकार का बड़ा बयान सामने आया है। सरकार ने फोन में इस एप के प्री-इंस्टॉलेशन को जरूरी नहीं बताया है। दूरसंचार मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट जारी कर इस एप की प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता को हटाने की जानकारी दी है।

मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा, 'सभी नागरिकों को साइबर सुरक्षा का लाभ देने के उद्देश्य से सरकार ने सभी स्मार्टफोन्स में संचार साथी एप को प्री-इंस्टॉल करना अनिवार्य किया था। यह एप पूरी तरह सुरक्षित है और इसका मकसद सिर्फ नागरिकों को साइबर दुनिया के अपराधियों से बचाना है... संचार साथी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, सरकार ने मोबाइल निर्माताओं के लिए अनिवार्य प्री-इंस्टॉलेशन को हटाने का फैसला लिया है।'

एपल ने जताई थी असहमति

बता दें कि केंद्र सरकार के इस कदम को एपल के फैसले से भी जोड़कर देखा जा रहा है। 28 नवंबर को सरकार से आदेश मिलने के बाद स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एपल ने इसका पालन करने से इंकार कर दिया था। कंपनी ने कहा था कि यह कदम आईफोन यूजर्स के निजी डेटा को खतरे में डाल सकता है। एपल ने रॉयटर्स के हवाले से कहा था कि कंपनी अपनी चिंताएं सरकार के सामने रखेगी।

सरकार ने कहा-जन भागीदारी बढ़ाना था उद्देश्य

मंत्रायल के मुताबिक यह एप 'जन भागीदारी' को बढ़ावा देता है, क्योंकि नागरिक किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की रिपोर्ट कर सकते हैं और खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस एप का कोई अन्य उद्देश्य नहीं है और यदि उपयोगकर्ता चाहें तो वे इसे कभी भी अनइंस्टॉल कर सकते हैं।

एप पर बढ़ रहा था राजनीतिक घमासान

बता दें कि स्मार्टफोन में एप के प्री-इंस्टॉलेशन को 90 दिनों के भीतर अनिवार्य बनाने के आदेश के बाद विपक्ष ने संसद में कड़ा विरोध दर्ज कराया था। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने दूरसंचार विभाग के निर्देश पर कड़ी प्रतिक्रिया दर्ज कराते हुए इसे तानाशाही करार दिया था। विपक्ष के कई नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार फ्रॉड को रोकने के नाम पर नागरिकों की जासूसी करना चाहती है। वहीं, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी आरोप लगाते हुए कहा था कि मोदी सरकार का फोन में संचार सारथी एप इंस्टॉल करने का आदेश लोगों की निजता और आजादी पर खुला हमला है।

हालांकि, विपक्ष के सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि 'संचार साथी' एप के जरिए जासूसी बिल्कुल भी संभव नहीं है। यह एप लोगों की सुरक्षा और मदद के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस एप से लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। बता दें नोटिफिकेशन के मुताबिक पहले सरकार ने कहा था कि एप फोन में अनिवार्य होगा और इसे डिलीट नहीं किया जा सकेगा। हालांकि, विवाद बढ़ने पर दूरसंचार मंत्रीने ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया को बताया था कि जरूरत न होने पर एप को फोन से डिलीट किया जा सकता है। >14

मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर, 3 जवान बलिदान

जगदलपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा और बीजापुर सीमा से लगे भैरमगढ़ क्षेत्र के केशकुतुल के जंगलों में सुबह से नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो रही है। एनकाउंटर में 12 माओवादियों को जवानों ने ढेर कर दिया है। वहीं एनकाउंटर में तीन जवान भी बलिदान हो गये। बताया जा रहा है कि आज सुबह दंतेवाड़ा से टीम निकली थी जहां बीजापुर की सीमा भैरमगढ़ के केशकुतुल में जवानों और नक्सलियों के बीच में मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है।

बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई के बीच बटालियन के बारसे देवा, पापाराव, केसा समेत तमाम नक्सलियों के आत्मसमर्पण के लिए बनाए गए अनुकूल माहौल के बाद एक बार फिर से सुकमा बीजापुर दंतेवाड़ा जैसे जिलों में जॉइंट ऑपरेशन को तेज कर दिया गया है। बीते दिनों देवा समेत पापाराव, केसा, चैतू के आत्मसमर्पण की चर्चा तेज थी जिसके बाद चैतू अपने 10 साथियों के साथ जगदलपुर में आत्मसमर्पण कर दिया था।

तेलंगाना राइज़िंग-2047 ग्लोबल समिट

सीएम ने पीएम मोदी को दिया निमंत्रण

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 8 और 9 दिसंबर को भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित तेलंगाना राइज़िंग ग्लोबल समिट में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का मल्लू और राज्य के सांसदों के साथ, मुख्यमंत्री ने बुधवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उन्हें समिट का आमंत्रण पत्र एवं लोगो भेंट किया। बैठक के दौरान रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री को बताया कि इस ग्लोबल समिट का मुख्य उद्देश्य वैश्विक निवेश आकर्षित करना और राज्य की अर्थव्यवस्था को प्रत्येक क्षेत्र में मजबूती देकर आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2047 तक 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो केंद्र सरकार की विकसित भारत 2047 की दृष्टि के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राइज़िंग 2047 विज़न डॉक्यूमेंट सभी क्षेत्रों के विकास लक्ष्यों और भविष्य की योजनाओं के विश्लेषण के लिए तैयार किया गया है। यह दस्तावेज़ नीति आयोग के सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ विमर्श के बाद बनाया गया है और इसे समिट में जारी किया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री से राज्य में चल रहे विकास कार्यों के लिए केंद्र की पर्याप्त सहायता देने और सभी लंबित परियोजनाओं को मंज़ूरी देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से हैदराबाद मेट्रो रेल के द्वितीय चरण की लंबित मंज़ूरी पर ध्यान आकर्षित किया। >14

पीएम ने सांसदों को दिया 'मोदी मंत्र'

> जीतना है तो ममता सरकार को काउंटर करें

कोलकाता, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों को साफ संदेश देते हुए कहा है कि वे तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखें और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में जीत सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री ने सांसदों को राज्य की स्थिति पर आक्रामक रुख अपनाने और लोकतंत्र को बचाने के नाम पर जनता के बीच और मजबूती से उतरने को कहा।

नई दिल्ली में बुधवार को पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। बैठक में मालदा उत्तर से भाजपा सांसद खगन मुर्मू भी मौजूद रहे, जिन पर अक्टूबर में भीड़ ने हमला किया था। प्रधानमंत्री ने उनकी कुशलक्षेम पूछी और बाकी सांसदों से कहा कि उन्हें राज्य की तृणमूल सरकार का मजबूती से मुकाबला करना होगा ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाया जा सके। भाजपा नेताओं के अनुसार, मोदी ने साफ कहा कि चुनाव जीतना है और जीतेंगे।

पीएम ने लड़ाई जारी रखने को कहा

बैठक के बाद पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बताया कि प्रधानमंत्री ने पार्टी नेताओं को कहा कि राज्य सरकार की नाकामियों को उजागर किया जाए और जनता के बीच लगातार पहुंच बनाकर रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पार्टी को पूरी ताकत झोंकने के निर्देश दिए हैं ताकि अगले साल टीएमसी सरकार को सत्ता से बाहर किया जा सके। मजूमदार ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र बचाने की इस लड़ाई को और तेज करेगी।

काम और समर्पण की सराहना

दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिस्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं के समर्पण और जनता के बीच उनकी सक्रियता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी ने कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा के साथ जनसंपर्क अभियान चलाने और प्रत्येक नागरिक तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया है। बिस्ता के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता मुश्किल समय में लोगों के साथ खड़े रहे हैं और यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है। भाजपा पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में पूरी तरह जुट चुकी है।

'मांस ही नहीं दूध, चीनी, तेल, सीमेंट को भी दिया जा रहा है हलाल सर्टिफिकेट'

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बुधवार को राज्यसभा में भाजपा सांसद डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने हलाल सर्टिफिकेशन और उससे जुड़ी समस्याओं का विषय उठाया। डॉ. मेधा ने कहा कि हलाल एक धर्म विशेष व आस्था से जुड़ी संकल्पना है। यह केवल मांस खाद्य से जुड़ी संकल्पना है। बावजूद इसके प्लास्टिक, सीमेंट, दूध, चीनी व तेल जैसी सामान्य चीजों को भी हलाल सर्टिफिकेट दिया जा रहा है। उनका कहना था कि मीट का हलाल सर्टिफिकेट सरकार द्वारा दिया जाना चाहिए, किसी धार्मिक संस्था द्वारा नहीं।

उन्होंने कहा कि हमारा संविधान सबको अपनी-अपनी आस्था का पालन करने का अधिकार देता है। उन्होंने इसके अलावा गैर-मांस पदार्थों को भी हलाल सर्टिफिकेशन दिए जाने का मुद्दा सदन में उठाया।

एमपी, यूपी समेत 5 राज्यों के एयरपोर्ट पर उड़ानें प्रभावित

70 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल, कहीं तकनीकी वजह तो कहीं क्रू की कमी

नई दिल्ली/हैदराबाद, 3 नवंबर (एजेंसियां)। देश के 5 राज्यों के पांच एयरपोर्ट पर बुधवार को कहीं तकनीकी तो कहीं क्रू मेंबर्स की कमी से 70 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुईं। इंडिगो एयरलाइन ने बताया कि क्रू मेंबर्स और ऑपरेशन से जुड़ी दिक्कतों की वजह से इंदौर में 11, हैदराबाद में 13, बेंगलुरु में 42 फ्लाइट कैंसिल हुईं या देरी से उड़ीं। दिल्ली में भी उड़ानों पर असर हुआ है।

यहां चेक इन सिस्टम फेल होना बताया गया, जिसके बाद उसे मैन्युअल कर दिया गया। वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्रियों को बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ने दुनियाभर में बड़ी सर्विस आउटेज की रिपोर्ट दी है। इससे एयरपोर्ट पर आईटी सर्विस पर असर पड़ा है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने इस खबर को झूठ बताया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में 200 से उड़ानें प्रभावित होने का दावा है। अब यह भी स्पष्ट नहीं है कि ये सभी फ्लाइट्स इंडिगो एयरलाइन की हैं या कोई दूसरी एयरलाइन की। दिल्ली एयरपोर्ट पर सुबह से चेक इन सिस्टम में दिक्कत आ रही है। चार एयरलाइंस-इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस पर इसका असर पड़ा है। सभी एयरलाइंस ने मैनुअल चेक इन और बोर्डिंग प्रोसेस लागू कर दिए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सुबह 7.40 बजे एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारी ऑन-ग्राउंड टीमें सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम कर रही हैं, ताकि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

हैदराबाद राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट

हैदराबाद एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स की भारी भीड़ हो गई। चेक इन सिस्टम में देरी की वजह से फ्लाइट छूट रही हैं। इंडिगो के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि टेक्नोलॉजी में समस्या, एयरपोर्ट पर भीड़ और ऑपरेशनल जरूरतों जैसी कई वजह से हमारी कई फ्लाइट्स में देरी हुई है और कुछ कैंसिलेशन भी हुई हैं। हमारी टीमें यह पक्का करने के लिए पूरी मेहनत कर रही हैं कि ऑपरेशन जल्द से जल्द नॉर्मल हो जाएं।

बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट

चेक इन सिस्टम में देरी की वजह से चार फ्लाइट लेट हो गईं। ऑपरेशनल वजहों से इंडिगो की कई सर्विस कैंसिल कर दी गईं। कुल 42 फ्लाइट कैंसिल हुईं हैं, जिनमें 22 आने वाली और 20 जाने वाली फ्लाइट शामिल थीं।

अधिकारियों ने यात्रियों के लिए जरूरी जानकारी और सलाह भी जारी की है। इसके तहत बताया गया है कि एयरपोर्ट पर जल्दी पहुंचें। मैन्युअल चेक-इन में 25-40 मिनट अतिरिक्त लग रहे हैं। बैगेज ड्रॉप और सिक्योरिटी चेक में भी देरी से हो रहे हैं। एप/वेबसाइट पर लाइव स्टेटस। कई एयरलाइंस एसएमएस व ईमेल नहीं भेज पा रहीं, इसलिए खुद चेक करें।

फ्लाइट कैंसिल होने पर फुल रिफंड मिलने का विकल्प है। अगली उपलब्ध फ्लाइट की रीबुकिंग। कुछ एयरलाइंस 'वाउचर' ऑप्शन भी दे रही हैं। कनेक्टिंग फ्लाइट वाले यात्री जान लें कि ओवरलैप या मिस्ड कनेक्शन की संभावना बढ़ी है। एयरलाइन कस्टमर सपोर्ट से 'री-रूटिंग' का विकल्प पूछ सकते हैं। बता दें कि दिल्ली एयरपोर्ट पर पिछले महीने ही साइबर अटैक हुआ था।

'खुला विश्वासघात'

जाति जनगणना पर राहुल गांधी ने मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने संसद में जाति जनगणना को लेकर किए गए अपने एक सवाल पर मिले जवाब को आधार बनाते हुए मोदी सरकार को घेरा। उन्होंने जाति जनगणना को सीधे तौर पर विश्वासघात करार दे दिया।

राहुल ने एक्स पर अपने पोस्ट में संसद से मिले जवाब की प्रति साझा करते हुए लिखा, संसद में मैंने सरकार से जाति जनगणना पर सवाल पूछा-उनका जवाब चौंकाने वाला है। न ठोस रूपरेखा, न समयबद्ध योजना, न संसद में चर्चा, और न ही जनता से संवाद। दूसरे राज्यों की सफल जाति जनगणनाओं की रणनीति से सीखने की कोई इच्छा भी नहीं। मोदी सरकार की यह जाति जनगणना देश के बहुजनों के साथ खुला विश्वासघात है। दूसरे चरण के तहत 2027 में पूरे देश की जनगणना कराई जाएगी।

'नेहरू सरकारी पैसों से बनवाना चाहते थे बाबरी मस्जिद'

राजनाथ के दावे पर विपक्ष बोला-कहां लिखा, दस्तावेज दिखाओ

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान को लेकर आज कई विपक्षी पार्टी के नेताओं ने कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू बाबरी मस्जिद को सरकारी पैसों से बनवाना चाहते थे। विपक्ष का आरोप है कि ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। राजनाथ सिंह ने गुजरात के वडोदरा के पास 'एकता मार्च' के दौरान कहा था, 'पंडित जवाहरलाल नेहरू बाबरी मस्जिद को सरकारी पैसे से बनवाना चाहते थे, लेकिन अगर किसी ने इसका विरोध किया तो वो सरदार वल्लभभाई पटेल थे।'

कांग्रेस नेताओं ने साधा निशाना

इस बयान पर विपक्ष की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, 'ये सब असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए है। रोज नए मुद्दे खड़े किए जाते हैं ताकि जनता की असली समस्याओं पर बात ही न हो।' वहीं मनीष तिवारी ने कहा, 'रक्षा मंत्री को इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने के बजाय देश की रणनीतिक चुनौतियों पर ध्यान देना चाहिए।'

इमरान मसूद ने कहा, 'अगर ऐसा कोई तथ्य है तो उसे दस्तावेज के साथ रखें। सिर्फ बोल देने से कोई मान नहीं लेगा।' उन्होंने कहा कि 'एक ऐतिहासिक दस्तावेज तो ऐसा भी है जिसमें सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई की थी, और सब कुछ नेहरू के नेतृत्व में हुआ था।' तारिक अनवर ने कहा. 'भाजपा की सरकार का काम ही पुरानी बातें और विवाद उठाना रह गया है। नेहरू अब नहीं हैं, इसलिए उन पर आरोप लगाना आसान है।'

अन्य विपक्षी पार्टियों की प्रतिक्रिया

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि 'रक्षा मंत्री इतने वरिष्ठ नेता हैं, उन्हें देश की सेना और सैनिकों से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।' टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा, 'या तो राजनाथ सिंह सबूत पेश करें या माफी मांगकर इस्तीफा दें। इस तरह के बयान शोभा नहीं देते।' शरद पवार गुट की सांसद फौजिया खान ने इस पर कहा कि, 'मस्जिद के लिए पैसा ईमानदारी से जुटना चाहिए, सरकारी पैसे से मस्जिद बनाने की बात ही गलत है।'

'भारत को नॉर्थ कोरिया जैसे फासीवादी मुल्क में बदला जा रहा'

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दूरसंचार विभाग ने भारत में बने नए या इंपोर्ट किए गए सभी मोबाइल फोन में संचार साथी ऐप को पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य कर दिया है। विपक्षी दल लगातार सरकार पर इस ऐप के जरिये जासूसी करने का आरोप लगा रहे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि हिंदुस्तान को एक जासूसी तंत्र में बदला जा रहा है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा, सरकार ने यह कहा है कि हर मोबाइल निर्माता और इंपोर्टर को संचार साथी ऐप को पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य कर दिया है।

'डीपफेक और फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतरा, सरकार बनाएगी कड़े नियम'

लोकसभा में बोले वैष्णव

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सूचना एवं प्रसारण, आईटी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को फर्जी खबरें और एआई से बने डीपफेक वीडियो को लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा बताया। लोकसभा में बोलते हुए वैष्णव ने कहा कि फर्जी खबरें और एआई से बने डीपफेक वीडियो लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी गलत और भ्रामक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। मंत्री ने बताया कि सरकार फेक न्यूज और एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो पर रोक लगाने के लिए नए नियम तैयार कर रही है और इस पूरे सिस्टम को मजबूत बनाने पर काम कर रही है।

वैष्णव ने फेक न्यूज को बहुत ही गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि फेक न्यूज बहुत गंभीर मुद्दा है। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। फेक न्यूज और डीपफेक पर सख्त कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने बताया कि जो लोग और समूह फर्जी खबरें फैलाते हैं, वे भारतीय कानूनों का पालन नहीं करते, इसलिए उन पर कार्रवाई जरूरी है।

निशिकांत दुबे की सिफारिशों की सराहना की

वैष्णव ने संसदीय स्थायी समिति (जिसके अध्यक्ष निशिकांत दुबे हैं) की सिफारिशों की सराहना की। साथ ही कहा कि समिति ने कई अच्छे सुझाव दिए हैं, जिनके आधार पर सरकार नए नियम बना रही है। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज से निपटने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना भी जरूरी है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी पर सरकार का रुख

ऑनलाइन बेटिंग और मनी गेम्स पर सवाल का जवाब देते हुए, मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने उन्हें रोकने के लिए कड़ा कानून बनाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ऐसे गलत कामों के खिलाफ सख्त कदम उठाने से कभी पीछे नहीं हटती। साथ ही कुछ टीवी चैनलों द्वारा झूठी खबरें दिखाने के आरोप पर मंत्री ने कहा कि सरकार और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया ऐसी शिकायतों की जांच करते हैं और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाती है।

'भाजपा से हिंदुत्व सीखने की जरूरत नहीं'

एसआईआर के विरोध में आयोजित एक रैली में बोलीं सीएम ममता

कोलकाता, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा में आयोजित एंटी-एसआईआर रैली में कहा कि हमें भाजपा से हिंदुत्व सीखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बंगाल और भारत के लोग अपनी परंपराओं और धर्म का सम्मान करते हैं और किसी पार्टी से सीखने की जरूरत नहीं है। इस दौरान सीएम ममता बनर्जी ने यह आरोप भी लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) को लागू करने के पीछे हैं।

सीएम बनर्जी ने रैली में कहा कि यह कदम राजनीतिक रूप से प्रेरित है और मतदाताओं को अस्थिर करने के लिए उठाया गया। उन्होंने आगे कहा कि अमित शाह किसी भी कीमत पर बंगाल पर कब्जा करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें इसका मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। सीएम ममता ने आगे भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा।

राजौरी में वाहन के रेलिंग से टकराने से 2 लोगों की मौत

राजौरी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। इस एक्सीडेंट में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 घायल हो गए। यह हादसा वाहन के रेलिंग से टकराने से हुआ, ये 5 लोग गाड़ी में बैठे थे और हादसे की चपेट में आ गए। ये हादसा राजौरी के चिंगस के इलाके में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि एक स्विफ्ट कार, जम्मू से राजौरी की तरफ जा रही थी, तभी सुबह लगभग साढ़े 4 बजे चिंगस के पास एक रेलिंग से टकरा गई। उन्होंने बताया कि टक्कर में 2 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 3 अन्य घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए जीएचएमसी राजौरी ले जाया गया। मृतकों की पहचान वारीपट्टन के रहने वाले 53 साल के नायक सिंह और सैला सुरनकोट के निवासी मोहम्मद याकूब के रूप में हुई है। याकूब की उम्र 45 साल थी। उनकी जान चली जाने से उनके परिवारों में मातम है।

एसआईआर पर अगली सुनवाई आज

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन यानी एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान एसआईआर की वैधता और पारदर्शिता पर कई सवाल उठे। इस मामले में अगली सुनवाई अब 4 दिसंबर को होगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाला बागची के सामने अपनी दलीलें पेश कीं।

सिंघवी ने चुनाव आयोग की शक्तियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि ईसीआई को नियम बनाने का कोई अधिकार ही नहीं है। उसका काम नागरिकता टेस्ट करना नहीं है और यह प्रक्रिया आरपी एक्ट (रोपा) के दायरे से बाहर है। सिंघवी ने कहा कि चुनाव आयोग का पावर संविधान लेवल तक सीमित है, न कि पूरे राज्य या देश स्तर पर। ईसी ने नागरिकता की जांच करने का

अधिकार खुद पर थोप लिया है। सिंघवी ने कहा कि वास्तव में कानून यह है कि जब तक मैंने विदेशी नागरिकता प्राप्त नहीं कर ली है, मुझे भारतीय नागरिक माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी नागरिक को बिना सूचना दिए 'गेस्ट लिस्ट' में डाल दिया जाता है। माइग्रेशन को लेकर सिंघवी ने कहा कि माइग्रेशन एक ह्यूमन कैरेक्टरिस्टिक कैरेक्टरिस्ट है। इसे एसआईआर के लिए जेनेरिक ग्राउंड पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

आप अपनी बात तक ही सीमित रहें- प्रशांत भूषण से सीजेआई

प्रशांत भूषण ने एसआईआर प्रक्रिया को अपारदर्शी बताते हुए दलील दी, लेकिन सीजेआई ने उन्हें व्यापक टिप्पणियों से रोक दिया। प्रशांत भूषण ने कहा कि एसआईआर इतनी जल्दी और इतने बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है कि फील्ड लेवल पर भारी दबाव बन गया है। उन्होंने कहा कि कई बीएलओ आत्महत्या कर रहे हैं। इसमें कोई पारदर्शिता नहीं हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि कृपया आप अपनी बात तक ही सीमित रहें।

केरल एसआईआर मामले पर क्या बोला एससी?

केरल एसआईआर मामले पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि फॉर्म भरने की तारीख 13 दिसंबर से आगे बढ़ाई जा सकती है। केरल में स्थानीय निकाय चुनावों से प्रभावित लोगों को इसमें भाग लेने का अवसर मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार को निर्देश दिया कि वह चुनाव आयोग को एक अनुरोध प्रस्तुत करे, जिसमें विस्तार के कारण बताए जाएं। इसके साथ ही साथ ही कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह दो दिनों के भीतर इन आवेदनों पर निर्णय ले और अपनी स्थिति स्पष्ट करे। बीएलओ की मौत पर मुआवजे की मांग की गई। एक वकील ने कहा कि आयोग की ओर से कोई मुआवजा नहीं मुहैया कराया जाता। सीजेआई ने कहा कि हम इस पर बाद में सुनेंगे।

कांग्रेस ने पीएम मोदी का एआई वीडियो शेयर किया

बीजेपी बोली- नामदार कांग्रेस कामदार पीएम बर्दाश्त नहीं कर पा रही

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक एआई वीडियो साझा किया है। छह सेकंड के वीडियो में पीएम मोदी को वैश्विक मंच पर चायवाले के तौर पर दर्शाया गया है। उनके एक हाथ में चाय की केतली है और दूसरे हाथ में ग्लास हैं। भाजपा ने इस वीडियो को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- नामदार कांग्रेस ओबीसी समुदाय से आने वाले कामदार प्रधानमंत्री को बर्दाश्त नहीं कर पा रही। पूनावाला ने लिखा- पीएम मोदी एक गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं। कांग्रेस ने पहले भी उनकी पृष्ठभूमि का मजाक उड़ाया था। उन्होंने पीएम को 150 बार गालियां दीं। उन्होंने बिहार में उनकी मां को गालियां दीं। जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी।

एमसी को नोटिस, मस्जिद के ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश

शिमला, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में बहुचर्चित संजौली मस्जिद के अवैध ढांचे को गिराने के फैसले के खिलाफ वक्फ बोर्ड की ओर से हाईकोर्ट में दायर याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई न्यायाधीश अजय मोहन ने की। अदालत ने मामले में नगर निगम को नोटिस जारी किया है और यथास्थिति बनाए रखने के आदेश जारी किए।

अदालत ने ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर यथास्थिति बनाए रखने, जबकि ऊपरी मंजिलों को खुद तोड़ने के आदेश को बरकरार रखा है। मामले की अगली सुनवाई अब मार्च में होगी।

वक्फ बोर्ड ने शिमला नगर निगम आयुक्त और जिला अदालत के फैसले को चुनौती दी है। पहले यह मामला शुक्रवार को सूचीबद्ध किया गया। वहीं नगर निगम की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि यह याचिका सुनने योग्य नहीं है, क्योंकि यह कानून के प्रावधानों के तहत दायर नहीं की गई है। इसकी मेंटेनेबिलिटी पर सुनवाई होनी थी। 30 अक्तबूर को जिला अदालत ने शिमला नगर निगम आयुक्त के 3 मई 2025 के उन आदेशों को सही ठहराया था, जिसमें निगम आयुक्त ने पूरी मस्जिद को अवैध बताते हुए पूरा ढांचा हटाने के आदेश दिए थे।

मगर इन आदेशों को वक्फ बोर्ड और मस्जिद कमेटी ने जिला अदालत में चुनौती दी। जिला अदालत ने सुनवाई के दौरान निगम आयुक्त के आदेशों को सही ठहराया और 30 दिसंबर तक अवैध ढांचे को गिराने के निर्देश दिए।

बांग्लादेश से भारत आ सकेगी गर्भवती महिला और उसका बच्चा

सुप्रीम कोर्ट ने मानवीय आधार पर दी मंजूरी

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मानवीय आधार पर बांग्लादेश की एक गर्भवती महिला और उसकी आठ वर्षीय बेटी को भारत में प्रवेश की इजाजत दे दी है। बताया गया है कि इस महिला को कुछ महीने पहले सीमा पार करा बांग्लादेश भेज दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट की चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार को बच्चे की देखभाल का निर्देश दिया और बीरभूम जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को गर्भवती महिला सुनाली खातून को हरसंभव चिकित्सीय सहायता देने को कहा। बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील को रिकॉर्ड पर लिया कि केंद्र सरकार का सक्षम प्राधिकरण मानवीय आधार पर महिला और उसके बच्चे को देश में प्रवेश देने पर सहमत है और उन्हें निगरानी में रखा जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सुनाली और उसकी बेटी को दिल्ली वापस लाया जाएगा।

27 जून को उन्हें यहीं से बांग्लादेश निर्वासिय किया गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और संजय हेगड़े ने याचिकाकर्ता की तरफ से पेश होते हुए अदालत से कहा कि सुनाली के पति समेत अन्य लोग भी बांग्लादेश में फंसे हुए हैं, जिन्हें भारत लाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए एसजी मेहता को केंद्र से इसके लिए आगे के निर्देश लेने चाहिए। हालांकि, सॉलिसिटर जनरल ने मेहता ने इस दावे का विरोध किया कि बांग्लादेश में फंसे सभी लोग भारतीय नागरिक हैं।

उनका कहना था कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और सिर्फ मानवीय आधार पर ही महिला और उसकी बेटी को भारत में प्रवेश दिया जा रहा है। महिला के पिता ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र के सेक्टर 26 में दिहाड़ी मजदूरी करने वाला ये परिवार दो दशकों से यहीं रह रहा था। 18 जून को पुलिस ने उन्हें बांग्लादेशी होने के संदेह में उठा लिया और 27 जून को सीमापार भेज दिया।

अब कीचड़ भरे नाले में मिले भारी संख्या में वोटर आईडी कार्ड, बंगाल में मच गया बवाल

कोलकाता, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में नदिया जिले के नवद्वीप में एक नाले से करीब 50 वोटर आईडी कार्ड बरामद किए गए। इस घटना ने पूरे राज्य में राजनीतिक भूचाल ला दिया है। राज्य में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किए जाने के बीच नाले से इतनी बड़ी संख्या में वोटर आईडी कार्ड मिलने से सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दल भाजपा के नेताओं के बीच राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गया तथा दोनों ने एक-दूसरे पर षड्यंत्र का आरोप लगाया।

एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि नवद्वीप में प्रतापनगर अस्पताल रोड के पास एक नाले से लगभग 50 मतदाता पहचान पत्र बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि सत्यापन के बाद, इन पहचान पत्रों में दर्ज नाम नवद्वीप नगरपालिका के वार्ड संख्या चार के कुछ निवासियों के नामों से मेल खाते पाए गए। लेकिन इन लोगों ने बताया कि उनके पास अपने-अपने मतदाता पहचान पत्र हैं। इन पहचान पत्रों की सत्यता और ये नाले में कैसे पहुंचे, इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

मतदाता पहचान पत्रों की बरामदगी के बाद भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि इससे चल रही एसआईआर प्रक्रिया के दौरान संभावित अनियमितताओं के उनके पहले के दावों की पुष्टि होती है। हालांकि, तृणमूल नेताओं ने आरोपों को खारिज करते हुए इस घटना को "भाजपा की साजिश" करार दिया और निर्वाचन आयोग से जांच की मांग की।

39 परिवारों को 2-2 लाख : एसआईआर से पश्चिम बंगाल में कितनी मौतें, बीएलओ कितने प्रभावित?

कोलकाता, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। देशभर के 12 राज्यों में इस समय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर का काम चल रहा है। इसको लेकर विपक्ष की तरफ से कई बार विरोध भी किया गया। यहां तक की संसद में भी हंगामा देखने को मिल रहा है। एसआईआर के काम में लगे कर्मचारियों की मौत के मामले भी सामने आए हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई की गई थी।

कोर्ट ने चुनाव आयोग से इस संबंध में जवाब भी मांगा था। पश्चिम बंगाल को लेकर दावा किया गया कि यहां अब तक 39 लोग एसआईआर के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कथित डर के कारण जान गंवाने वालों को ममता सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने ऐलान किया कि मरने वालों के परिजनों

को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सरकार ने बताया कि एसआइआर के दौरान बीमार पड़ने वाले 13 अन्य लोगों के परिवारों को भी एक-एक लाख रुपये प्रदान किये जायेंगे। इन 13 में तीन बीएलओ भी शामिल हैं, जिन्हें कथित तौर पर अत्यधिक कार्यभार का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री ने सरकारी आकलन का हवाला देते हुए कहा कि चार नवंबर को एसआइआर की शुरुआत से जनता के एक वर्ग में व्यापक पैमाने पर भय उत्पन्न हुआ है। इसके कारण कई लोगों ने आत्महत्या की है। सीएम ने दावा किया कि अब ऐसे 39 मामले सामने आ चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी जबरदस्ती का निर्देश न दें, जिससे आम लोगों को परेशानी हो। फिर भी, अगर आप ऐसा करते हैं, तो राज्य सरकार यथासंभव आम लोगों की मदद करेगी। हम सिर्फ लोगों, लोकतंत्र और भारतीय संविधान के प्रति जवाबदेह हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार एसआईआर का विरोध कर रही हैं। ममता बनर्जी ने पिछले दिनों इसके खिलाफ रैली भी निकाली थी। इस दौरान ममता ने कहा था कि क्या बीजेपी शासित राज्यों में एसआईआर कराने का मतलब यह है कि केंद्र मानता है कि वहां घुसपैठिए होते हैं।

बेकाबू ट्रक बाइक और बस से टकराया, कार के उड़े चिथड़े चार की मौत

करनाल, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर घरौंडा के नजदीक बुधवार को सुबह दिल्ली की ओर जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर फांदकर दूसरी तरफ चला गया। ट्रक सामने से करनाल की तरफ से आ रही पंजाब रोडवेज की बस, कार और बाइक से टकराया। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। अनियंत्रित ट्रक दूसरी लेन में वाहनों से टकराता हुआ ग्रिल तोड़कर सर्विस लेन पर जा पहुंचा। इस हादसे में ट्रक चालक भी गंभीर है। सूचना मिलते ही पुलिस और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची। हादसा सुबह करीब पौने आठ बजे हुआ। हादसे में घायल चार लोगों में से दो को घरौंडा और दो को करनाल पहुंचाया गया, जिन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बाइक सवार कोहंड निवासी संजीव और घरौंडा निवासी विशाल, कार सवार अलीगढ़ निवासी दो अन्य युवकों की मौत हो गई।

डीयू के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी

खाली कराया कैंपस; पुलिस का तलाशी अभियान

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस द्वारा मौके पर की गई सघन तलाशी में किसी भी प्रकार का कोई संदिग्ध उपकरण या वस्तु नहीं मिली। दिल्ली पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली रामजस कॉलेज और देशबंधु कॉलेज को आज ईमेल से बम की धमकी मिली थी। बम स्क्वाड और दिल्ली पुलिस मौके पर हैं। फिलहाल, अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

20 नवंबर को भी दिल्ली के कई स्कूलों को मिली थी धमकी

दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित संस्कृति स्कूल समेत कई स्कूलों बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद हड़कंप मच गया था। स्कूल प्रशासन ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी थी, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंचे थे। स्कूल परिसर, भवनों, कक्षाओं और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया था।

चार कोर्ट और दो स्कूलों को बम से उड़ाने की भी मिल चुकी है धमकी

इससे पहले 18 नवंबर मंगलवार को दिल्ली के चार कोर्ट और दो स्कूलों को बम की धमकी मिली। के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। धमकी के बाद साकेत, द्वारका, पटियाला हाउस और रोहिणी स्थित अदालतों को तुरंत खाली करा लिया गया था और गहन तलाशी अभियान चलाया गया था। लेकिन कुछ संदिग्ध नहीं मिला था।

मंत्रालय से महात्मा फुले डॉक्यूमेंट्री की फाइल गायब! अज्ञात आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन और कार्य पर बनने वाली डॉक्यूमेंट्री फिल्म की सरकारी फाइल रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। मामला गंभीर होने पर मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। डीजीआईपीआर के वरिष्ठ सहायक निदेशक सागर नमदेव कांबले ने ये शिकायत दर्ज करवाई है।

कैसे पता चला फाइल गायब है?

सागर कांबले, जो 1 सितंबर से डीजीआईपीआर के समाचार विभाग में मंत्रालय में तैनात हैं, 28 अक्टूबर को एक नियमित जांच के दौरान इस फाइल की पड़ताल कर रहे थे। इसी

दौरान उन्हें पता चला कि महात्मा फुले डॉक्यूमेंट्री के प्रस्ताव से जुड़ी मूल फाइल की जगह केवल उसकी फोटोकॉपी रखी हुई है। ये देखकर उन्होंने तुरंत सहकर्मियों से पूछा कि मूल दस्तावेज कहां हैं। सहकर्मियों ने बताया कि वे तो काफी समय से सिर्फ इसी फोटोकॉपी के आधार पर काम कर रहे थे। जो भी नया अपडेट आता, उसी फोटोकॉपी में जोड़ दिया जाता था। यह सुनकर कांबले ने पूरे विभाग में खोजबीन शुरू करवाई, लेकिन मूल फाइल कहीं नहीं मिली।

2017 से 2020 तक का रिकॉर्ड भी गायब

जांच आगे बढ़ने पर नई बात सामने आई। वरिष्ठ लिपिक अश्विनी गोसावी ने बताया कि सिर्फ यह फ़ाइल ही नहीं, बल्कि 1 जनवरी 2017 से 31 मार्च 2020 तक का पूरा रिकॉर्ड भी गायब है। यह जानकारी सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया। 14 नवंबर को डीजीआईपीआर ने सागर कांबले को आधिकारिक रूप से शिकायत दर्ज कराने का आदेश दिया, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट करवाई।

अज्ञात लोगों पर एफआईआर अब पुलिस जांच में

मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि किसी ने जानबूझकर मूल सरकारी फाइल को नष्ट किया या गायब किया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतने संवेदनशील और महत्वपूर्ण दस्तावेज मंत्रालय से आखिर कैसे और कब गायब हुए। मामला सरकारी प्रक्रिया की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। जांच अधिकारी संबंधित कर्मचारियों से पूछताछ कर रहे हैं और मंत्रालय के रिकॉर्ड सिस्टम की भी समीक्षा की जा रही है।

महात्मा ज्योतिबा फुले पर बनी डॉक्यूमेंट्री से जुड़ा यह प्रस्ताव सामाजिक न्याय, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और समाज सुधार जैसे विषयों से संबंधित है। यह फ़ाइल न सिर्फ प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण थी बल्कि महाराष्ट्र सरकार की एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक परियोजना का हिस्सा भी थी। इसलिए इसका गायब होना अधिकारियों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

मध्य प्रदेश में दो वर्षों में 329 पुलिसकर्मियों पर दर्ज हुई एफआइआर

भोपाल, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था संभालने वाली पुलिस पर ही पिछले दो वर्षों में गंभीर आरोपों की बाढ़ आई है। राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में कुल 329 पुलिसकर्मियों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में एफआइआर दर्ज की गई हैं। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने कांग्रेस विधायक बाला बच्चन द्वारा पूछे गए सवाल के लिखित उत्तर में दी। सरकार का कहना है कि पुलिस विभाग के भीतर अनुशासन बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और दोषी पाए जाने वाले कर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा में पेश किए गए ये आंकड़े इस बात का संकेत हैं कि राज्य में पुलिस व्यवस्था को सुधारने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अब और अधिक सतर्कता बरती जाएगी। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, इन मामलों में शामिल पुलिसकर्मियों पर लूट, अत्याचार, छेड़छाड़, उत्पीड़न, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

पिता बना हैवान! सोते वक्त 14 साल की बेटी का ब्लेड से काटा गला, इस वजह से हुआ था आगबबूला

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, यहां एक शख्स ने अपनी 14 साल की बेटी का सोते समय ब्लेड से गला काट दिया। यह घटना रात दहिसर के कोकणी पाड़ा में हुई। इस दौरान उसे बचाने गई पत्नी पर भी आरोपी ने ब्लेड से हमला किया। आरोपी की पहचान 36 साल के हनुमंत सोनवाल के रूप में हुई है और उसके खिलाफ दहिसर पुलिस ने मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक, बेटी पर हमला करने वाले हनुमंत सोनवाल को शराब की लत है और वह पत्नी राजश्री के चरित्र पर शक करता था और उसे पीटता था। उसने बांद्रा कोर्ट में तलाक का केस दायर किया है। राजश्री नालासोपारा के वकील से तलाक के केस की जानकारी लेकर घर आने के बाद हनुमंत ने उससे पूछा कि वह इतनी देर कहां थी, जिससे उसे परेशानी हुई और उसने पत्नी और बेटी को मारने की धमकी दी। इसके बाद उनके बीच कुछ बहस हुई।

भावनगर के कॉम्प्लेक्स में भीषण आग, अंदर 4 अस्पताल मौजूद, चादर में लपेट कर बच्चों को निकाला गया'

भावनगर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के भावनगर के समीप कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। जिस कॉम्प्लेक्स में आग लगी है, उसमें 10–15 अस्पताल स्थित हैं। आग लगते ही अस्पतालों में भर्ती मरीजों को तुरंत रिस्क्यू किया गया। सूत्रों के मुताबिक, 15 से 20 बच्चों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया। अस्पताल में भर्ती बच्चों और अन्य मरीजों को कांच तोड़कर बाहर निकालना पड़ा। सभी मरीजों को तत्काल सर टी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है और राहत की बात यह है कि किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि अस्पताल में करीब 20 बच्चे

भर्ती थे। आग लगी देख फायर डिपार्टमेंट को तुरंत सूचित किया गया, लेकिन लोगों ने उनके आने का इंतजार नहीं किया। स्थानीय लोगों ने तुरंत खिड़की पर सीढ़ी लगाकर, बच्चों को चादर में लपेट कर एक-एक कर बाहर निकालना शुरू कर दिया। इन लोगों की सतर्कता और सूझबूझ से बच्चों की जान बचाई जा सकी। जानकारी के अनुसार, जिस बिल्डिंग में आग लगी है वह भावनगर का 'समीप कॉमप्लेक्स' है। इसमें कई ऑफिस, बच्चों के अस्पताल समेत कई हॉस्पिटल बने हैं। इमारत में आग लगते ही धुएं का का जबरदस्त गुबार उठने लगा। आग की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की टीमें सतर्क हो गईं और तुरंत मौके पर पहुंचीं। लोगों और प्रशासन की सूझबूझ से इमारत में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। करीब एक घंटे की मेहनत-मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अब सवाल उठता है कि इतनी भीड़भाड़ा वाले कॉम्प्लेक्स में बच्चों का अस्पताल होना और एक ही बिल्डिंग में कई अस्पताल होना, यह कहां तक सही है? आग बिल्डिंग के बेसमेंट में लगी थी। इस बेसमेंट का इस्तेमाल पार्किंग के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन इसका यूज किसी और चीज के लिए हो रहा है। अभी यह पता लगाया जा रहा है कि आग की वजह क्या थी। यह किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है कि इतनी विकराल आग में किसी की जान को नुकसान नहीं हुआ है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 4 दिसंबर, 2025 3

युविचार

यदि परिस्थिति पर आपकी पकड़ मजबूत है तो, जहर उगलने वाले भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकते!

10 वर्षों में 20 लाख घरों का निर्माण करेगी : मुख्यमंत्री

रेवंत रेड्डी ने 40 हजार नौकरियों की घोषणा की

हुस्नाबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हुस्नाबाद में आयोजित जनसभा में घोषणा की कि आगामी 30 महीनों (2 साल 6 महीने) में 40 हजार सरकारी पद भरे जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उनकी सरकार सत्ता में आने के पहले वर्ष में 60,000 पदों पर नियुक्तियां पहले ही कर चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन दो कारणों से महत्वपूर्ण है। पहला, तेलंगाना के शहीद श्रीकंठा चारी ने राज्य की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, और दूसरा, जनता ने राज्य में 'तानाशाही' बीआरएस सरकार को हटाया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार शहीद की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है। पूर्व बीआरएस सरकार पर हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेश्वरम परियोजना, जिसकी लागत 1 लाख करोड़ रुपए थी, सिर्फ 3 वर्षों में ही ध्वस्त हो गई। उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए कई प्रोजेक्ट्स की स्थायित्व की तुलना की और कहा कि पूर्व सरकार ने हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने केवल गजवेल, सिरसिला और सिद्दीपेट के विकास पर ध्यान दिया। हुस्नाबाद में गरीबों के लिए डबल बेडरूम मकान भी नहीं बनाए गए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किसानों के लिए भी बड़ी घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों के 2 लाख रुपए तक के ऋण माफ किए और उनकी वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए 1.40 लाख करोड़ रुपए खर्च किए। महिलाओं के लिए फ्री आरटीसी यात्रा पर 8,000 करोड़ रुपए खर्च किए गए और 200 यूनिट मुफ्त बिजली लगभग 50 लाख परिवारों को उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आने वाले 10 वर्षों में 20 लाख घरों का निर्माण करेगी और जनता से अपील की कि वे ऐसे सरपंच चुनें जो मंत्री और विधायकों के साथ मिलकर अपने गांवों का विकास करें।

एसीबी ने उप-पंजीयक को रिश्वत लेते दबोचा

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को साई कुमार, जूनियर असिस्टेंट और प्रभारी उप-पंजीयक, एसआरओ तांडूर को 16,500 रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। आरोप है कि यह रिश्वत चार पहले से पंजीकृत दस्तावेज़ सौंपने और सात नए दस्तावेज़ पंजीकृत करने के लिए मांगी गई थी। अधिकारियों के अनुसार, रिश्वत की राशि डी. सत्तकुमार, बालाजी एसोसिएट्स के दस्तावेज़ लेखक, के माध्यम से एकत्र की गई और डी. अशोक, सहायक दस्तावेज़ लेखक, द्वारा प्राप्त की गई। एसीबी ने पूरी राशि से जब्त कर ली। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रधान विशेष न्यायाधीश, एसपीई व एसीबी मामलों, नाम्पल्ली के सामने पेश किया गया। शिकायतकर्ता की पहचान सुरक्षा कारणों से गोपनीय रखी गई है।

हिंदू धर्म में कुत्ते का बहुत सम्मान

संसद परिसर में कुत्ता लाने के सवाल पर घिरीं सांसद रेणुका चौधरी ने कहा

अमरावती, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी के संसद परिसर में कुत्ता लेकर पहुंचने के मामले पर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस सांसद के इस कदम के खिलाफ सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों की ओर से विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की मांग की जा रही है। इस बारे में बुधवार को पूछे गए सवाल पर रेणुका चौधरी ने 'दो बार भौं-भौं' बोलकर जवाब दिया। हालांकि रेणुका चौधरी ने संसद परिसर में आवारा कुत्ता लाने के अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्होंने कोई नियम नहीं तोड़ा है और कहा कि हिंदू धर्म में कुत्ते का बहुत सम्मान है। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर आरोप लगाया कि वे सिर्फ हिंदू होने का दिखावा करते हैं और अपने ही रीति-रिवाजों को नहीं समझते। इसके बावजूद कांग्रेस सांसद के इस तरह के कमेंट के बाद सोशल मीडिया पर मीम की बाढ़ आ गई है। ऐसे में लोग रेणुका चौधरी के बारे में जानने और उनका नेटवर्थ कितना है? यह भी जानना चाहते हैं।

रेणुका चौधरी के राज्यसभा सदस्य के लिए जमा किए एफिडेविट के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति लगभग 178 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके अलावा उनकी कुल देनदारियां लगभग 16 करोड़ रुपये से अधिक हैं। इनके नाम पर पांच करोड़ से अधिक का डिपोजिट है। इसके अलावा कई कंपनियों में बॉन्ड, डिबेंचर और शेयर के नाम पर कुल 56 करोड़ की दौलत है। साथ ही एनएसएस, डाक बचत आदि में कुल पांच करोड़ का निवेश किया गया है। इनके पास एक करोड़ से अधिक मूल्य के गहने हैं। हालांकि इनके पास खुद की गाड़ी नहीं है।

रेणुका चौधरी का राजनीतिक सफर?

रेणुका चौधरी ने औद्योगिक मनोविज्ञान में एमए की डिग्री हासिल की है। रेणुका चौधरी का राजनीतिक सफर तेलुगु देशम पार्टी से शुरू हुआ था। वह लगातार दो बार राज्यसभा सदस्य रहीं और 1986 से 1998 तक तेलुगु देशम संसदीय दल की चीफ व्हिप के पद पर रहीं। 1997 से 1998 तक उन्होंने एचडी देवेगौड़ा की सरकार में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री के रूप में भी कार्य किया। 1998 में उन्होंने तेलुगु देशम पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का फैसला किया।

रेणुका चौधरी ने तेरहवीं और चौदहवीं लोकसभा में खम्मम सीट का लगातार दो बार प्रतिनिधित्व किया। समाज सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय रहने वाली रेणुका चौधरी 1999 में पहली बार लोकसभा के लिए चुनी गईं। 2004 में वे दूसरी बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुईं। वे महिलाओं और बच्चों से जुड़ी समस्याओं पर लेखन कार्य भी करती हैं।

रेणुका चौधरी का जन्म 13 अगस्त 1954 को विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में हुआ था। उनके पिता वायु सेना प्रमुख के.एस. राव थे और उनकी मां का नाम वसुंधरा राव था। उन्होंने 07 अक्टूबर 1973 को एस. चौधरी से शादी की। उनके दो बेटियां हैं।

एलबी नगर पुलिस के सब-इंस्पेक्टर संजय सावंत का नींद में निधन

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर पुलिस स्टेशन में तैनात सब-इंस्पेक्टर संजय सावंत की बुधवार तड़के नींद में ही मौत हो गई। 58 वर्षीय सावंत को थाने की बैरक में एक चारपाई पर बेहोश पाया गया। उन्हें तुरंत कामिनेनी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल पहुँचने से पहले ही उनकी मृत्यु हो चुकी थी। प्रारंभिक जांच और चिकित्सा राय के अनुसार, मृत्यु का कारण हृदयाघात हो सकता है। संजय सावंत पिछले दो वर्षों से एलबी नगर पुलिस स्टेशन में सेवा दे रहे थे। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल का दौरा कर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उनके सहयोगियों और कर्मचारियों में इस घटना से गहरा शोक का माहौल है।

एईआरए की 33वां वार्षिक सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान संघ (एईआरए) का 33वाँ वार्षिक सम्मेलन बुधवार को एनएएआरएम , हैदराबाद में संपन्न हुआ। सम्मेलन का विषय था: एग्रीबिजनेस में नवाचार, महिला सशक्तिकरण और जलवायु-प्रतिरोधी कृषि । उपसंहार भाषण देते हुए डॉ. एस. महेंद्र देव, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष, ने कृषि पर दबाव कम करने के लिए "श्रम-प्रधान विनिर्माण और सेवाओं" का विस्तार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने भारतीय कृषि और किसान आय को प्रभावित करने वाले पाँच प्रमुख कारक वैश्विक भू-राजनीति और व्यापार शुल्क, बदलते उपभोग पैटर्न, प्रौद्योगिकी, जिसमें डिजिटल समाधान शामिल हैं, पोषण संबंधी चुनौतियाँ , स्थिरता और जलवायु परिवर्तन होना बताया। इस अवसर पर डॉ. देव ने छोटे किसानों, कृषि मूल्य श्रृंखला में महिलाओं की भागीदारी, और खाद्य प्रणालियों के टिकाऊपन में गैर-कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष जोर दिया। तीन दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य विषयों पर मौखिक और पोस्टर सत्र, दो संगोष्ठी, विकसित भारत की ओर एग्रीबिजनेस दृष्टिकोण पर पैनल चर्चा, कृषि मूल्य श्रृंखला को बदलने पर नीति संवाद, डॉ. जी.के. चड्ढा मेमोरियल लेक्चर, और जर्नल आर्टिकल लेखन पर कार्यशाला आयोजित की गई।

रिश्वत लेते हुए सर्वेक्षक और प्रशिक्षु गिरफ्तार

मेदक, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने वेल्दुर्थी मंडल मुख्यालय में बुधवार को एक सर्वेक्षक और उसके प्रशिक्षु को 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ा। यह रिश्वत एक किसान से ली जानी थी, जो अपनी एक एकड़ और 10 गुंटा ज़मीन के सर्वे के लिए सर्वेक्षक के पास आया था। जानकारी के अनुसार, सर्वेक्षक श्रीनिवासुलु ने किसान से रकम देने को कहा। जब किसान पैसे देने में असमर्थ रहा, तो उसने एसीबी अधिकारियों से शिकायत की। इसके बाद, एसीबी ने बुधवार को स्थानीय पेट्रोल पंप पर प्रशिक्षु सर्वेक्षक शरत कुमार गौड़ को पैसे लेते हुए पकड़ लिया। पकड़े गए दोनों आरोपियों को हैदराबाद स्थित एसीबी अदालत में पेश किया गया है और उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

तेलंगाना और दिल्ली में ड्रग कार्टेल के "खच्चर खातों' का खुलासा

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर धोखाधड़ी के बाद अब ड्रग कार्टेल अवैध धन को एक खाते से दूसरे खाते तक स्थानांतरित करने के लिए "खच्चर खाते' का उपयोग कर रहे हैं। तेलंगाना और दिल्ली पुलिस की हालिया जांच में 59 से अधिक ऐसे खाते सामने आए, जिनके माध्यम से ड्रग मनी का लेन-देन किया जा रहा था। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो के अधिकारियों के अनुसार, खच्चर खाते कमीशन पर खोले जाते हैं और ये साइबर धोखाधड़ी और ड्रग्स के अवैध धन को सफेद करने का प्रमुख तरीका बन गए हैं। देशभर में सालाना लाखों खच्चर खाते ब्लॉक किए जाते हैं, लेकिन गिरोह नए खाते खोलते हैं और उन्हें धोखेबाजों या ड्रग माफियाओं को बेचते या किराए पर देते हैं।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जून में पांच राज्यों में तलाशी ली और लगभग 8.5 लाख खच्चर खातों की पहचान की। जांच में पता चला कि कुछ बैंक अधिकारी, एजेंट और बिचौलिए इन खातों को खोलने में मदद करते हैं और कमीशन लेते हैं। ये खाते अक्सर उचित केवाईसी और जोखिम मूल्यांकन के बिना खोले जाते हैं। साइबर क्राइम अधिकारी बताते हैं कि धोखाधड़ी की रकम म्यूल खातों में जमा होने के बाद इसे तुरंत दूसरे खातों में स्थानांतरित किया जाता है या क्रिप्टोकरेंसी में बदला जाता है। खाते अक्सर एक-दो दिन के लिए ही सक्रिय रहते हैं और धन को बल्क भुगतान, चेक, एटीएम या यूपीआई के जरिए स्थानांतरित किया जाता है। तेलंगाना पुलिस की ईगल फोर्स ने दिल्ली में हालिया छापेमारी में 22 लोगों की पहचान की, जिन्होंने 59 बैंक खाते ड्रग कार्टेल्स के लिए उपलब्ध कराए। अधिकतर खच्चर खाताधारक उत्तर-पूर्व भारत से हैं। अधिकारी कहते हैं कि लोग आसानी से पैसे कमाने के लालच में अपने खाते एजेंटों को दे देते हैं, जबकि कुछ गरीब या अनपढ़ लोगों को बहकाकर उनके खाते इस्तेमाल किए जाते हैं।

आज से राष्ट्रीय नवाचार शिखर सम्मेलन - इन्फ़्यूज़ 2025 आयोजित

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएमआर के राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) में 4 और 5 दिसंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय नवाचार शिखर सम्मेलन - इन्फ़्यूज़ 2025 आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य पोषण और खाद्य क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना और शोधकर्ताओं, स्टार्ट-अप्स व प्रौद्योगिकी डेवलपर्स के बीच सहयोग स्थापित करना है।

देशभर से प्राप्त 149 प्रविष्टियों में से 33 आशाजनक नवाचारों को चुना गया है। ये नवाचार चार मुख्य क्षेत्रों में हैं: स्वस्थ आहार के लिए खाद्य प्रौद्योगिकी, पोषक तत्व आकलन उपकरण और प्लेटफ़ॉर्म, ए आ ई / ए म ए ल - सं चा लि त वैयक्तिकृत पोषण अनुप्रयोग, और पोर्टेबल पॉइंट-ऑफ-केयर (पीओसी) उपकरण जैसे हीमोग्लोबिन, आयरन और विटामिन डी की डायग्नोस्टिक्स। चयनित नवप्रवर्तक अपने प्रोटोटाइप, अवधारणाओं और बाजार-तैयार तकनीकों का प्रदर्शन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, उद्योग भागीदारों और निवेशकों के सामने करेंगे। एनआईएन की निदेशक डॉ. भारती कुलकर्णी ने कहा कि शिखर सम्मेलन का उद्देश्य नवाचार को कार्यान्वयन के साथ जोड़ना और वित्त पोषण, सहयोग तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य में विस्तार के अवसर प्रदान करना है।

CLASSIFIEDS

COMMERCIAL PROPERTY FOR SALE

FOR SALE/LEASE/RENT: Near Marriott Hotel.Lower Tank Bund. Commercial Five floor complex 15000sft East Face with Cellar Parking suitable for Hotel, Hostel, Hospitals,Banquets, Conference Halls.Contact:7569604150.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तेलंगाना राइज़िंग ग्लोबल समिट के लिए रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्रियों को दिया निमंत्रण

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को संसद में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर आगामी तेलंगाना रायज़िंग ग्लोबल समिट में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

यह समिट 8 और 9 दिसंबर को हैदराबाद स्थित भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाली है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का और सांसदों के साथ केंद्रीय आईटी एवं रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिले और उन्हें वैश्विक समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने समिट में जारी किए जाने वाले विजन डॉक्यूमेंट के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद रेवंत रेड्डी और उनकी टीम ने संसद में अलग-अलग रूप से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर उन्हें भी तेलंगाना राइज़िंग ग्लोबल समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

बीजेपी सांसद ने सीएम पर हिंदू देवताओं का अपमान करने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी सांसद डी. के. अरुणा ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि उन्होंने हिंदू देवताओं का अपमान किया और उन हिंदू मतदाताओं का विश्वास तोड़ा जिन्होंने उन्हें सत्ता में लाया। अरुणा ने उनके बयानों को अहंकारी और शर्मनाक करार देते हुए कहा कि चुनावों से पहले खुद को भक्त हिंदू के रूप में पेश करने वाले मुख्यमंत्री अब हिंदू भावनाओं को आहत कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास हिंदू द्वेष का रहा है और इसके उदाहरण के रूप में पार्टी नेता सैम पित्रोड़ा के पूर्व बयानों का हवाला दिया। अरुणा ने कहा कि रेवंत रेड्डी के शराबियों के लिए एक देवता और मांसाहारियों के लिए एक देवता वाले बयान अपमानजनक हैं और सनातन धर्म का मज़ाक उड़ाने के समान हैं। सांसद ने हिंदू समुदाय से सक्रिय प्रतिक्रिया देने का आह्वान किया और कहा कि मुख्यमंत्री के इन बयानों के लिए कांग्रेस को कीमत चुकानी होगी ।

देसी बम विस्फोट पर पुलिस की चेतावनी

कोत्तागुडेम, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने बुधवार को जनता से अपील की कि कोत्तागुडेम रेलवे स्टेशन पर हुए देसी बम विस्फोट के बारे में झूठी खबरें फैलाने से बचें।

पुलिस के अनुसार, रेलवे ट्रैक पर रखा प्याज के आकार का देसी बम एक आवारा कुत्ते ने काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह बम रेलवे स्टेशन के पास कूड़े के ढेर से जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए लाया गया था। पुलिस ने बताया कि घटना का कोई अन्य पहलू नहीं है और मामले की जांच जारी है। एसपी ने कहा कि जनता सोशल मीडिया पर इस मामले में अफवाह फैलाने से बचें। पुलिस ने बम कचरे में फेंकने वाले व्यक्तियों की तलाश शुरू कर दी है।

कविता ने एसईसी से मुख्यमंत्री के जिले का दौरा रोकने की मांग की

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की संस्थापक अध्यक्ष के. कविता ने बुधवार को राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) में शिकायत दर्ज कराते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री आगामी ग्राम पंचायत चुनावों के लिए सार्वजनिक धन का इस्तेमाल कर रहे हैं। कविता ने राज्य निर्वाचन आयुक्त रानी कुमुदिनी से मुलाकात कर इस बात के प्रमाण सौंपे कि मुख्यमंत्री के वर्तमान जिला दौरे चुनावी प्रचार के समान हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके संगठन ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से ही इन दौरों का विरोध किया है। कविता ने मुख्यमंत्री पर यह भी आरोप लगाया कि वे शहरी क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित कर अपने दल के लिए सरपंच चुनावों में वोट मांग रहे हैं और कहा कि एसईसी को या तो उनके दौरे सीमित करने चाहिए या पूरी तरह रोक देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आयोग ने पहले ही आश्वासन दिया था कि सरकार को मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट (एमसीसी) का पालन करने का निर्देश दिया जाएगा। कविता ने बताया कि मुख्यमंत्री के हालिया कई बयान एमसीसी का उल्लंघन करते हैं और उनकी प्रतिलिपियाँ आयोग को सौंप दी गई हैं। उन्होंने कहा कि जबकि इस बार नगरपालिकाओं को कोड से छूट दी गई है, लेकिन जिला स्तर की गतिविधियाँ रोकना आवश्यक है ताकि मुक्त और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें।

आरमूर में 400 पेड़ काटे जाने पर हंगामा

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले के आरमूर में विज्ञापन बोर्ड लगाने के लिए तीन किलोमीटर लंबे डिवाइडर पर लगे 400 से अधिक पेड़ काट दिए गए। ये पेड़ हरित हरम कार्यक्रम के तहत करीब दस साल पहले लगाए गए थे और अब पूरी तरह बड़े होकर सड़क पर छाया और सुरक्षा प्रदान कर रहे थे। अचानक हुई इस कटाई से लोग नाराज़ हैं और इसे पर्यावरण के लिए बड़ा नुकसान बताया जा रहा है।

बीआरएस नेता और पूर्व विधायक ए जीवन रेड्डी ने नगर निगम अधिकारियों पर बिना अनुमति के इतने बड़े स्तर पर पेड़ काटने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पेड़ सिर्फ होर्डिंग लगाने के लिए हटाए गए, जो गलत है। उन्होंने तुरंत मीडियन पर हरियाली बहाल करने की माँग की है। रेड्डी ने अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया और कहा कि यह कार्रवाई रातोंरात और बिना जनता की राय लिए की गई। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता पोद्दुतुरी विनय कुमार रेड्डी ने अपने करीबी ठेकेदार को फायदा पहुंचाने के लिए यह कदम उठवाया। उन्होंने जिला प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर दोषियों पर केस दर्ज करने की मांग की।

तेलंगाना में छह उद्योगों को पीसीबी ने बंद किया

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) ने लापरवाही बरतने वाले छह उद्योगों को बंद करने के आदेश दिए हैं। पीसीबी ने नवंबर माह में 49 उद्योगों की समीक्षा की और निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन पाए जाने पर यह कार्रवाई की।

बंद किए गए उद्योग नलगोंडा, संगारेड्डी, यादाद्री भुवनगिरी, सिद्दीपेट, राजन्ना सिरसिला और रंगारेड्डी जिलों में स्थित हैं। इनमें श्री वेंगाम्बा माइनिंग कंपनी, टीईडब्ल्यू ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड, सहस्र एनविरो (पी) लिमिटेड, आशीर्वाद धातु उद्योग, गजुला उमाकांत फैब्रिक डाइंग यूनिट और स्वर्णा प्लास्टिक शामिल हैं। पीसीबी ने बताया कि इन उद्योगों ने बोर्ड की वैध सहमति या निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया। राज्य में कुल 12,264 उद्योग हैं, जिन्हें प्रदूषण की गंभीरता के आधार पर चार श्रेणियों में बांटा गया है। जनवरी 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच पीसीबी ने 2,620 नई कंपनियों को स्थापना की मंजूरी दी और 3,521 इकाइयों को संचालन की सहमति (सीएफओ) जारी की। इसी दौरान, 305 उद्योगों को बंद किया गया और 1,234 इकाइयों को विभिन्न उल्लंघनों के लिए नोटिस जारी किए गए।

घटकेसर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के नीचे की आत्महत्या

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात घाटकेसर रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना रात लगभग 11.30 बजे हुई, जब घाटकेसर निवासी और पेशे से ड्राइवर पारेडुला भिक्षापति ने रेलवे ट्रैक पर अपना सिर रख दिया। परिवार के अनुसार, भिक्षापति कुछ समय से बेरोज़गार थे और आर्थिक तंगी के कारण शराब पीने लगे थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि भिक्षापति वित्तीय समस्याओं से परेशान थे और संभवतः हताश होकर यह कदम उठाया।

रेलवे पुलिस (आरपीएफ) मामले की जांच कर रही है और घटनास्थल से संबंधित सभी बिंदुओं की पड़ताल की जा रही है।

करोड़ों का बिजनेस छोड़ क्यों यूपी का ये इंजीनियर बनने जा रहा जैन मुनि

बागपत, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बागपत से आज एक ऐसी खबर सामने आई है, जो जीवन के असली अर्थ और वैराग्य की अनोखी मिसाल पेश करती है। करोड़ों का कपड़ों का कारोबार, आधुनिक जीवन की सारी सुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य... यह सब पीछे छोड़कर बागपत के 30 वर्षीय हर्षित जैन ने संयम और साधना का मार्ग अपना लिया है। कोरोना काल में संसार की नश्वरता को नजदीक से महसूस करने के बाद हर्षित ने दीक्षा लेकर मुनि बनने का निर्णय लिया। बागपत के बामनौली जैन मंदिर में हुए भव्य तिलक समारोह में हर्षित के साथ दो अन्य युवाओं ने भी मोह-माया त्यागकर अध्यात्म की राह पकड़ ली। दोघट कस्बे के रहने वाले 30 वर्षीय हर्षित जैन ने करोड़ों रुपये का कपड़ों का व्यापार छोड़कर संयम और आध्यात्मिक जीवन का मार्ग अपना लिया है।

देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती पर

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

समाधि स्थल पर मौजूद लोगों ने कुछ समय मौन रखकर भारत के प्रथम राष्ट्रपति को नमन किया

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, विधायक श्याम रजक, विधायक अश्वमेध देवी और विधान पार्षद कुमुद वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जयंती समारोह में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने आरती पूजन के साथ बिहार गीत और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी।

पटना, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रथम राष्ट्रपति और देशरत्न डॉ। राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को राजधानी पटना में राजकीय समारोह आयोजित किया गया। समारोह में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजेंद्र चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर दोनों शीर्ष नेताओं ने डॉ। प्रसाद के राष्ट्रनिर्माण में किए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें भारतीय इतिहास का महानायक बताया।

माल्यार्पण के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने स्वदेशी कंबल आश्रम की चरखा कात रही महिलाओं के बीच साड़ी वितरण किया। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। राजकीय कार्यक्रम के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजेंद्र घाट स्थित समाधि स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने देशरत्न डॉ। राजेंद्र प्रसाद की समाधि पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम का वातावरण देशभक्ति और सम्मान की भावना से परिपूर्ण रहा

देशरत्न डॉ। राजेंद्र प्रसाद न केवल स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी योद्धा थे, बल्कि भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने राष्ट्र की आधारशिला को मजबूती प्रदान की। जयंती के अवसर पर नेताओं और उपस्थित जनों ने उनकी सादगी, समर्पण और राष्ट्र के प्रति अटूट सेवा भावना को याद किया।

बनारस में सेक्स रैकेट

विकास प्राधिकरण के फ्लैट में सिविल ड्रेस में भेजे गए थे सिपाही, हुआ खुलासा

बनारस, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बनारस में एक सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ है। पुलिस ने पांच लड़कियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही लड़के भी पकड़े गए हैं। पुलिस के अनुसार स्पा सेंटर के नाम पर सेक्स रैकेट चल रहा था। मामला सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस का दौर जारी है। सेक्स रैकेट की सरगना का संबंध बीजेपी, कांग्रेस और सपा सभी से है। जिसकी फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

जिसमें पार्टी के टॉप लीडर के साथ महिला की फोटो शेयर की जा रही है। एसीपी इशांत सोनी ने बताया कि स्टूडियो का बोर्ड लगाकर सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। विकास प्राधिकरण के फ्लैट में सिविल ड्रेस में एक के बाद एक दो सिपाहियों को भेजा गया था। इसके बाद यह रैकेट पकड़ा गया है।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में विकास प्राधिकरण के एक फ्लैट से सेक्स रैकेट का संचालन हो रहा है। इसकी जानकारी मिलने पर थाना पुलिस और एसओजी की टीम को सक्रिय किया गया। एसीपी इशांत सोनी ने बताया कि स्टूडियो के नाम का बोर्ड लगाकर सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। जिसकी जानकारी मिलने पर एक सिपाही को ग्राहक बनाकर भेजा गया। थोड़ी देर बाद दूसरे सिपाही को भी उसी बिल्डिंग में भेजा गया। सेक्स रैकेट की पुष्टि होने पर पुलिस और एसओजी की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की और मौके से पांच लड़कियों को गिरफ्तार किया गया है।

रैकेट की महिला संचालिका क्षेत्र की बड़ी नेता

जांच में स्टूडियो संचालक का भी नाम सामने आया है। जिसके माध्यम से लड़कियां बुलाई जाती थीं और ग्राहकों तक भेजने का काम भी किया जाता था। छानबीन में पुलिस को स्टूडियो से डीडीआर, पे-एप स्कैनर, नगदी और मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं।

भारत-नेपाल सीमा से 100 से ज्यादा लड़कियां लापता

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

मुजफ्फरपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छह माह के अंदर राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों से 100 से ज्यादा लड़कियों के लापता होने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। मामले में मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एसके झा ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर जानकारी दी है। पत्र की एक प्रति पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को भी दी गई है। साथ ही राष्ट्रीय और राज्य महिला आयोग को भी मामले से अवगत कराया है। अधिवक्ता ने बताया कि अपने देश के अलावा नेपाल, चीन, ब्राजील, सऊदी अरब में करोड़ों में 'बेटियां' बेची जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करों का नेटवर्क सक्रिय

मोतिहारी से सटे भारत-नेपाल बार्डर वाले क्षेत्रों में इस प्रकार की घटना को अंजाम देने वाले तस्कर काफ़ी संख्या में सक्रिय हैं। अधिवक्ता ने कहा कि पूरे उत्तर बिहार में अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करों का नेटवर्क काफी सक्रिय हैं, जिसे हर हाल में ध्वस्त करना आवश्यक हैं। नहीं तो आने वाले समय में यह विकराल रूप ले सकता हैं। विगत छह माह में सीमावर्ती क्षेत्र से 100 से अधिक लड़कियां लापता हो चुकी हैं। बार्डर पर सक्रिय अपने देश के अलावा नेपाल, चीन, ब्राजील, सऊदी अरब आदि देशों के मानव तस्करों के सिंडिकेट इन लड़कियों को ऊंचे मूल्य पर बेच कर लाखों-करोड़ों कमा रहे हैं।

बार्डर क्षेत्र के परिवारों के बीच डर

लगातार ऐसी घटनाओं के घटने से बार्डर क्षेत्र के परिवार के बीच डर का माहौल व्याप्त है। विदित हो कि मामले में मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता द्वारा राष्ट्रीय व राज्य मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग याचिका भी दायर की जा चुकी है। मानवाधिकार अधिवक्ता ने कहा कि यह मामला काफी संवेदनशील व मानवता को शर्मसार करने वाला है। साथ यह पुलिस की कार्यशैली और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवालिया निशान है। मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है।

जैसे ही मां गईं बाथरूम वैसे ही भाई ने काट डाला संयोगिता का गला, बहन के लिए बन गया हैवान

अमरोहा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा का अलियापुर गांव, यहां 30 साल का श्योराज और उसकी बहन 32 साल की संयोगिता चारपाई पर बैठे हुए थे और बात कर रहे थे। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इसी दौरान दोनों की मां हुकुम देवी बाथरूम चली गईं।

हुकुम देवी को जरा भी अंदाजा नहीं था कि जब वह बाथरूम से वापस आएगी तब तक उनके घर में रिश्तों में ही खून बह चुका होगा। बता दें कि जैसे ही हुकुम देवी बाथरूम से बाहर आईं, उन्होंने देखा कि उनकी बेटी खून से लथपथ चारपाई पर ही पड़ी हुई है। दरअसल संयोगिता का उसके अपने ही सगे भाई श्योराज ने कत्ल कर दिया था। उसने अपनी ही बहन का बड़ी बेदर्दी के साथ गला काटा था। ये देख मां की चीख निकल गई और पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

बॉलीवुड एक्टर चंद्रचूड़ की अलीगढ़ में करोड़ों की हवेली पर कब्जा

डीएम से मांगा इंसाफ, कांग्रेस विधायक रहे पिता

अलीगढ़, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड हीरो चंद्रचूड़ उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में परिवार से जुड़ी हवेली पर मालिकाना हक का विवाद गहरा गया है। इस प्रॉपर्टी विवाद को लेकर फिल्म अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह को मुंबई से जिलाधिकारी कार्यालय अलीगढ़ आना पड़ा। अलीगढ़ में उनकी करोड़ों की हवेली और अन्य संपत्तियों को लेकर परिवार के अन्य रिश्तेदारों से भारी विवाद चल रहा है।

चंद्रचूड़ ने अपनी मां के साथ सिविल लाइन में डीएम से मुलाकात कर अपनी बात रखी। चंद्रचूड़ ने चाची और अन्य रिश्तेदारों के खिलाफ शिकायत में आरोप लगाया है कि हवेली को बेचने की साजिश की जा रही है। चाची ने अभिनेता के भाई पर मारपीट का केस दर्ज कराया है।चंद्रचूड़ सिंह की ये पुश्तैनी प्रॉपर्टी है। दरअसल, अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह के पिताजी बलदेव सिंह विधायक थे। उनकी मां कृष्णा कुमारी देवी भी राजवंश से थी और उनके पिता ओडिशा के महाराजा थे। अलीगढ़ के रोरावर इलाके के जलालपुर में द हवेली जलालपुर एस्टेट 1855 यानी कल्याण भवन के नाम से उनकी कोठी है। अलीगढ़ में खैर रोड बाईपास के पास इस हवेली की कीमत करोड़ों रुपये में बताई जाती है। चंद्रचूड़ की मां और उनके दो भाई हैं और वो उन्हीं के साथ एसएसपी ऑफिस गए थे।

अभिनेता ने विधवा चाची व अन्य रिश्तेदारों पर जमीन हड़पने की साजिश का आरोप लगाया है। अभिनेता के मुताबिक, उनके पिता को बेहद नाइंसाफी झेलनी पड़ी और उस कोठी में कभी रहने नहीं दिया गया, लिहाजा अब वो कानूनी लड़ाई का सहारा ले रहे हैं।

चंद्रचूड़ सिंह का अलीगढ़ से नाता

चंद्रचूड़ के पिता कैप्टन बलदेव सिंह तीन भाई थे।बलदेव सिंह सबसे बड़े थे, जिनका 2022 में निधन हो गया। दूसरे मंझले भाई पुण्य प्रताप का परिवार विदेश और मुंबई में है।सबसे छोटे भाई गंगा सिंह के बच्चे भी विदेश में हैं। बलदेव सिंह अलीगढ़ के गांव जलालपुर के रहने वाले थे। उन्होंने 1985 में कांग्रेस के टिकट पर अलीगढ़ शहर से विधानसभा चुनाव जीता था।

घर में मृत मिली 75 वर्षीय महिला, बिखरा मिला सारा सामान

लखनऊ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के जानकीपुरम के सेक्टर आई में एक बुजुर्ग महिला अपने घर में मृत पाई गई। घर का सारा सामान बिखरा हुआ था। आशंका है कि लूट के दौरान उसकी हत्या की गई है। मामले की जांच की जा रही है। मौके पर पुलिस व फोरेंसिक टीम के लोग मौजूद हैं। सेक्टर आई के मकान नंबर 129 में 75 वर्षीय नीलिमा श्रीवास्तव रहती थीं। सुबह उनके घर का सामान बिखरा हुआ पाया गया और वो मृत मिलीं। वह घर में अकेली रहती थीं। कई वर्ष पहले उनके पति का निधन हो चुका है। मामले में एडीसीपी नार्थ गोपी नाथ सोनी ने बताया कि नीलिमा श्रीवास्तव अपने घर में अकेले रहती थीं। उनके पति का देहांत हो चुका है। वह सुबह मृत हालत में पाई गईं।

लालू का नया बंगला बना सियासी तूफान

भाजपा बोली घोटाले की गंध, आरजेडी ने किया पलटवार

पटना, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का पटना के महुआबाग में बन रहा नया आवास पिछले 48 घंटों में बिहार की राजनीति का सबसे गर्म मुद्दा बन गया है। सोशल मीडिया से लेकर पार्टी दफ्तरों तक, हर जगह बस एक ही सवाल गूंज रहा है, "लालू का यह बंगला आखिर पैसे कहां से आ रहे हैं?" भाजपा ने इसे लालू परिवार के पुराने घोटालों से जोड़ते हुए जांच की मांग की है। वहीं राजद और कांग्रेस ने भाजपा पर ''दोहरे चरित्र'' और ''राजनीतिक बदले'' का आरोप लगाया है।

भाजपा का हमला- लूट-खसोट से तैयार दूसरा महल?

भाजपा सांसद डॉ। संजय जायसवाल ने सबसे तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महुआबाग में बन रहा शानदार घर ''लालू एंड फैमिली प्राइवेट लिमिटेड'' के घोटालों की कमाई का नतीजा है। उन्होंने तंज कसा कि लालू-राबड़ी का कोई बिजनेस नहीं, लेकिन 'बंगले' दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। जायसवाल ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर इस घर की भी जांच होगी और यदि आय से अधिक संपत्ति का मामला निकलता है, तो ''सख्त कार्रवाई'' तय है। भाजपा ने सोशल मीडिया पर बंगले का फोटो शेयर करते हुए लिखा "समाजवाद नहीं, लूटवाद का नया नमूना"।भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार एक कदम आगे बढ़ गए। उन्होंने कहा कि चारा घोटाला और नौकरी घोटाला के बाद ''हो सकता है ये घर भी जब्त हो जाए''।

जदयू भी हमलावर- सारे घोटालों के केंद्र में लालू परिवार

जदयू संसदीय दल के नेता दिलेश्वर कामत ने भाजपा की लाइन पकड़ते हुए कहा कि बिहार की जनता लालू प्रसाद को ''करप्शन का प्रतीक'' मानती है। उन्होंने चारा घोटाला, अलकतरा घोटाला और रेलवे में नौकरी घोटाला गिनाते हुए कहा कि ऐसा ''समाजवाद'' जनता बहुत पहले समझ चुकी है।

राजद का पलटवार- पहले भाजपा अपने नेता देखें

राजद ने भाजपा के हर आरोप को सिरे से खारिज कर दिया। पार्टी प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि भाजपा के नेता घर-परिवार और संपत्ति पर सवाल उठाने से पहले अपने दाग साफ करें। उन्होंने विशेष रूप से डॉ। संजय जायसवाल को निशाना बनाते हुए कहा कि प्रशांत किशोर पहले ही उनके पेट्रोल पंप और संपत्ति को लेकर गंभीर आरोप लगा चुके हैं। राजद ने यह भी कहा कि लालू परिवार के घर पर सवाल उठाना ''राजनीतिक ध्यान भटकाने'' का तरीका है, ताकि भाजपा अपने नेताओं की विवादित संपत्तियों पर चर्चा से बच सके।

कांग्रेस का तंज- आरोप लगाना आसान,अपनी पार्टी देखें

कांग्रेस नेता असित नाथ तिवारी ने कहा कि भाजपा सिर्फ आरोप लगाने के लिए आरोप गढ़ रही है। उनका कहना था कि जदयू और भाजपा दोनों के कई एमएलए ऐसे हैं जो सिर्फ एक या दो बार विधायक बने, लेकिन उनकी हवेलियों को देखकर कोई भी हैरान रह जाए। उन्होंने कहा कि राजनीति में ''संपत्ति पर सवाल'' उठाना तभी सार्थक है जब सभी दल अपने-अपने घर का हिसाब रखें।

महुआबाग का घर क्यों बना विवाद का केंद्र?

पटना के महुआबाग में लालू प्रसाद का यह नया घर तेजी से निर्माणाधीन है। इसका आकार, डिजाइन और शहर के बीचोंबीच इसकी लोकेशन सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। भाजपा इसे ''आलीशान महल'' बता रही है, जबकि राजद का कहना है कि ''यह सिर्फ एक परिवार का निजी आवास है, कोई घोटाले की संपत्ति नहीं।''

रुतबा तो मरने के बाद भी रहेगा

इंस्टाग्राम पर स्टेटस लगाने के बाद कांस्टेबल ने की आत्महत्या

कानपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पुलिस के एक सिपाही ने इंस्टाग्राम पर स्टेटस लगाने के बाद सुसाइड कर ली। सिपाही ने स्टेटस लगाया, रुतबा तो मरने के बाद भी रहेगा, लोग पैदल चलेंगे और मैं चार कंधों पर। कानपुर पीआरवी डायल 112 में तैनात सिपाही मान महेंद्र ने अपने इंस्टाग्राम स्टेटस पर लिखा, रुतबा तो मरने के बाद भी रहेगा, लोग पैदल चलेंगे और मैं चार कंधों पर, मै मुस्कुराते हुए मरूंगा, जीते जी मुझे खुशी नहीं मिली। स्टेटस लगाने के बाद सिपाही ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सिपाही, थाना कल्याणपुर क्षेत्र के पनकी रोड पर किराए के मकान में परिवार के साथ रहता था। सिपाही की पत्नी बच्चों सहित मायके गई थी। मृतक सिपाही के मकान में ही ऊपर के पोर्शन में एक सब इंस्पेक्टर हितेंद्र भी रहते हैं। उन्होंने जब उतरते समय खिड़की से देखा तो सिपाही का शव पंखे के सहारे फंदे पर झूल रहा था। एसआई हितेंद्र ने तत्काल थाना कल्याणपुर को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस, वेस्ट जोन के अधिकारी और फॉरेंसिंक की टीम मौके पर पहुंची और शव फंदे से उतारा और घटना की जांच में जुट गई। पुलिस ने परिजनों को भी सूचना दे दी है।

घटना पर क्या बोले पुलिस अधिकारी?

डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और उन्होंने बताया कि 26 नवंबर को पत्नी बच्चों के साथ मायके गई थी। परिवार को सूचना दी गई कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। अभी तक आत्महत्या की वजह सामने नहीं आई है। कल्याणपुर पुलिस ने कमरे से सबूत जुटाए हैं। कांस्टेबल मान महेंद्र थाना कल्याणपुर के माधव पुरम पर पूर्व ब्लाक प्रमुख अजय यादव के चार मंजिला मकान में रहते थे। उनके साथ में पत्नी कविता और दो बच्चे तेजस और दीपांशु रहते थे। इसी मकान के सेकंड फ्लोर पर कल्याणपुर थाने के दरोगा हितेंद्र पाल भी रहते हैं। 26 नवंबर को दोनों बच्चों के साथ पत्नी अपने मायके मथुरा गई हुई थी।

2018 में यूपी पुलिस में भर्ती हुए थे मान महेंद्र

कांस्टेबल मान महेंद्र मथुरा से गोवर्धन थाना क्षेत्र के गांव में मढैरा के रहने वाले हैं। उनकी शादी 2015 में हुई थी और वह 2018 बैच के सिपाही थे। 11 जुलाई 2018 को यूपी पुलिस में भर्ती हुए थे। 13 जून 2015 को रावतपुर थाने से डायल 112 में भेजे गए थे, जिसके बाद किदवई नगर की पीआरवी 1246 में तैनात थे।

सिंचाई विभाग में काम करने वाला मेरठ का मोहित एसआईआर में था बीएलओ इतना दबाव पड़ा कि जिंदगी ही दांव पर लगा दी!

मेरठ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एसआईआर की ड्यूटी में लगे बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आ रही हैं। दावा है कि एसआईआर को लेकर बीएलओ पर काम का ज्यादा प्रेशर है, जिसकी वजह से कुछ ने तो अपनी जान तक दे दी है। इसी कड़ी में अब मेरठ से मामला सामने आया है। यहां मोहित नामक एक बीएलओ ने कथित तौर पर जहर खा लिया है।

गंभीर हालत में मोहित को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आरोप है कि बीएलओ मोहित पर आशीष शर्मा नामक सुपरवाइजर लगातार काम का दबाव बना रहा था। इसी से तंग आकर मोहित ने ये बड़ा कदम उठा लिया। मेरठ के गढ़ रोड स्थित मुरलीपुरा गांव निवासी मोहित सिंचाई विभाग में वरिष्ठ सहायक के पद पर तैनात हैं। मोहित की एसआईआर के चलते बीएलओ के पद पर पल्लवपुरम में ड्यूटी लगाई गई है। परिजनों का आरोप है कि काम के दबाव के चलते मोहित ने जहर खा लिया। परिजनों का कहना है कि मोहित एसआईआर के काम में लगे हुए थे,

कफ सिरप कांड को लेकर अखिलेश यादव ने साधा निशाना

'वन डिस्ट्रिक वन माफिया' चला रही सरकार'

लखनऊ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कफ सिरप मामले में योगी सरकार पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश में 'वन डिस्ट्रिक वन माफिया' का प्रोग्राम चला रही है। ये हजारों करोड़ का घोटाला है। सपा अध्यक्ष ने अपनी सरकार के काम गिनाते हुए कहा कि बीजेपी पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था को पीछे ले जा रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह के घर से लौट रहे थे। इस दौरान वो आजमगढ़ के सठियांव में स्थित पूर्व मंत्री चंद्रदेव राम यादव करैली के आवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र हमेशा समाजवादियों को मौका देता रहा है लेकिन, मौजूदा सरकार में विकास कार्य ठप पड़ गए हैं।

अखिलेश यादव ने साधा निशाना

सपा सरकार में सठियांव चीनी मिल रिकॉर्ड समय में बनाई गई थी, जो प्रदेश की सबसे आधुनिक मिलों में एक थी। उसका विस्तार होता तो एथेनॉल, बिजली, फर्टिलाइजर और बायो फर्टिलाइजर के उत्पादन से हजारों लोगों को रोजगार मिलता और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती लेकिन सरकार की उदासीनता के चलते सभी परियोजनाएं ठप हो गईं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने, बुनकरों को सुविधा देने, उद्योग लगाने और सस्ती बिजली मुहैया कराने के उद्देश्य से बनाया था, परंतु जिस क्वालिटी का काम होना चाहिए था वो नहीं हुआ। सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है और ठेकेदारों के माध्यम से घटिया काम करवा रही है।

एसआईआर के नाम पर परेशान करने का आरोप

बीजेपी पर हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार नोटबंदी, जीएसटी और कोविड में जनता को उलझाती रही है। अब एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है। आधार को पहचान के तौर पर स्वीकार न करना सरकार की संदिग्ध नीति दर्शाता है। उन्होंने कहा कि संविधान प्रदाता बाबा साहब डॉ। भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए अधिकारों को भी खतरा पहुंचाया जा रहा है।

कफ सिरप मामले पर भी साधा निशाना

दवाओं और कफ सिरप से जुड़े बड़े भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया पर काम कर रही है। इस नीति के तहत कई बड़े घोटाले सामने आ रहे हैं, जिसमें दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। अखिलेश यादव ने आजम खान, गायत्री प्रजापति और रामाकांत यादव जैसे नेताओं पर झूठे मुकदमे लगाकर परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सारथी ऐप के माध्यम से नॉर्थ कोरिया की तरह सरकार निगरानी के नाम पर लोगों की प्राइवेसी में दखल दे रही है और समाज में तनाव पैदा कर रही है।

ड्रग्स तस्करी में दो युवक गिरफ्तार, 5 लाख रुपए कैश भी बरामद

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक सेल की कांदिवली यूनिट ने बोरीवली इलाके से ड्रग्स तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से ड्रग्स और 5 लाख रुपए कैश बरामद किया गया। क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि एंटी नारकोटिक सेल को सूचना मिली थी कि दो लोग बोरीवली इलाके में ड्रग्स की तस्करी करने के लिए आने वाले हैं। इसके बाद पुलिस ने वहां जाल बिछाया और संदिग्धों का इंतजार करने लगी।

जैसे ही दोनों संदिग्ध पुलिस के पास पहुंचे, उन्हें हिरासत में लेकर तलाशी ली गई। तलाशी में उनके पास से हाई क्वालिटी के ड्रग्स बरामद हुए, जिनकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार किए गए युवक कलम्बोली (पनवेल) के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

'... तो नहीं भरने देंगे उड़ान'

नवी मुंबई एयरपोर्ट के नामकरण पर बवाल, शरद पवार के सांसद ने दी धमकी

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण को लेकर आंदोलन फिर तेज हो गया है। स्थानीय भूमिपुत्रों और नेताओं की मांग है कि हवाई अड्डे का नाम स्वर्गीय लोकनेते दि बा पाटिल के नाम पर रखा जाए। इसी मांग को लेकर सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने केंद्र सरकार को सख्त चेतावनी दी है कि यदि 20 दिसंबर तक नामकरण का फैसला नहीं हुआ तो 22 दिसंबर से बड़े पैमाने पर पदयात्रा आंदोलन शुरू होगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि यदि सरकार ने इस पर निर्णय नहीं लिया तो 25 दिसंबर को हवाई अड्डे से एक भी विमान उड़ान नहीं भरेगा।

नामकरण का प्रस्ताव 3 साल से लंबित

सांसद बाल्या मामा के अनुसार, दि बा पाटिल के नाम पर हवाई अड्डे का नामकरण करने का प्रस्ताव लगभग सवा तीन साल से लंबित है। इस दौरान कई बार आश्वासन दिए गए, लेकिन निर्णय अभी तक नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहले बताया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नामकरण पर सहमति जताई है, फिर भी यह मामला कैबिनेट में नहीं लाया गया। इससे स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

भूमिपुत्रों में भारी नाराजगी

सांसद का कहना है कि स्थानीय भूमिपुत्र काफी समय से इस मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। दि बा पाटिल साहेब ने नवी मुंबई के विकास और किसानों के अधिकारों के लिए बड़ा योगदान दिया था, इसलिए हवाई अड्डे का नाम उन्हें दिए जाने की मांग बिल्कुल उचित है। इस मुद्दे पर भूमिपुत्रों में भारी जनआक्रोश है और आंदोलन लगातार बड़ा रूप ले रहा है। अगर सरकार वादा पूरा नहीं करती तो तीव्र विरोध आंदोलन निश्चित है।

22 दिसंबर से पदयात्रा शुरु

सांसद बाल्या मामा ने बताया कि 22 दिसंबर से मानकोली नाका (भिवंडी) से नवी मुंबई हवाई अड्डे तक पदयात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में कोई वाहन नहीं चलेगा, बल्कि सभी भूमिपुत्र पैदल चलकर अपने समर्थन का प्रदर्शन करेंगे। यह पदयात्रा शांतिपूर्ण तरीके से लेकिन बड़े पैमाने पर होगी, जिससे सरकार तक जनता का संदेश पहुंच सके। इससे पहले 14 सितंबर को सांसद बाल्या मामा के नेतृत्व में भिवंडी से हवाई अड्डे तक बड़ी कार रैली निकाली गई थी। इसके बाद आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी थी कि जब तक नामकरण नहीं होगा, हवाई अड्डे का उद्घाटन नहीं होने दिया जाएगा।

इस चेतावनी के बाद 3 अक्टूबर को मुख्यमंत्री फडणवीस ने भूमिपुत्रों के साथ बैठक कर दो से ढाई महीने में निर्णय लेने का आश्वासन दिया था।

25 दिसंबर को शुरु होनी हैं उड़ानें

अब 25 दिसंबर को नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा उड़ानों के लिए शुरू होने वाला है, लेकिन स्थानीय लोगों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि तब तक नामकरण का फैसला नहीं हुआ तो हवाई अड्डे का संचालन बाधित किया जाएगा। ऐसे में सरकार के लिए इस मांग पर फैसला करना बेहद जरूरी हो गया है।

वहशी दरिंदों ने 7वीं कक्षा की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया

दो गिरफ्तार; पोक्सो के तहत केस

बेलगावी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कनार्टक के बेलगावी से एक यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। दरअसल, इस जिले में सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़की का दो लोगों ने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पिछले महीने हुई इस घटना के सिलसिले में आरोपी मणिकांत दिन्निमणि और इरन्ना संकम्मनवर को गिरफ्तार किया गया।

पीड़िता ने सोमवार शाम को शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद यहां मुरगोड पुलिस स्टेशन में पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। अपनी शिकायत में, लड़की ने आरोप लगाया है कि दिन्निमणि ने उसका यौन उत्पीड़न किया और संकम्मनवर ने उसकी मदद की।

पुलिस के अनुसार, 21 नवंबर को, जब लड़की अपने घर के पास स्थित आटा चक्की से घर लौट रही थी, तो आरोपियों ने कथित तौर पर उसे गन्ने के खेत में खींच लिया और उसके साथ बलात्कार किया।

बेलगावी के पुलिस अधीक्षक भीमाशंकर गुलेड़ के अनुसार, दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। लड़की ने एक महिला अधिकारी की मौजूदगी में अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा, हमने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। हमें इस बात की जांच करनी होगी कि शिकायत देर से क्यों दर्ज की गई। आमतौर पर, ऐसी घटनाओं में, बच्चे सदमे में होते हैं और तुरंत खुलकर बात नहीं कर पाते, या कुछ माता-पिता बच्चों की गरिमा की चिंता के कारण आगे आने में हिचकिचाते हैं। हमने ऐसे ही पैटर्न देखे हैं।

जनसुनवाई में पहुंचीं कर्नाटक राज्यपाल के पोते की पत्नी

ससुराल पर लगाए दहेज प्रताड़ना के आरोप

रतलाम, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रतलाम में एसपी की जनसुनवाई के दौरान एक बड़ा मामला सामने आया, जब कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के पोते देवेंद्र गहलोत की पत्नी दिव्या अपनी शिकायत लेकर पहुंचीं। दिव्या ने ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट और बेटी को जबरन अपने पास रखने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

दिव्या का कहना है कि उसके पति देवेंद्र गहलोत, ससुर जितेंद्र गहलोत, देवर विशाल गहलोत और दादी सास अनीता गहलोत 50 लाख रुपए की मांग कर रहे हैं और रुपए न लाने पर उसे और उसकी 4 साल की बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। दिव्या ने बताया कि उसकी शादी 29 अप्रैल 2018 को रतलाम जिले के ताल में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत हुई थी। लेकिन शादी के बाद पता चला कि उसके पति शराब और अन्य नशे करते हैं और दूसरी महिलाओं से भी संबंध रखते हैं। दिव्या का कहना है कि ससुराल पहुंचते ही स्थितियां बदल गईं। लगातार दहेज की मांग शुरू हो गई और उसके पिता से 50 लाख रुपए लाने का दबाव बनाया जाने लगा।

दिव्या ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति ने कई बार उसके साथ मारपीट की। एक घटना बताते उन्होंने कहा कि मेरे पति ने मुझे छत से नीचे फेंकने की कोशिश की। मैं गैलरी में गिरी। उस रात मुझे अस्पताल भी नहीं ले जाया गया। अगले दिन नागदा से इंदौर के बॉम्बे हॉस्पिटल ले गए। दिव्या के मुताबिक, इन हालात में भी ससुराल वालों ने दहेज की मांग बंद नहीं की और बेटी से मिलने तक रोक दिया।

दिव्या की 4 साल की बेटी है, जिसे ससुराल पक्ष ने अपने पास रखा हुआ है और वह उसे मिलने नहीं देते। दिव्या ने कहा कि नवंबर में वह स्कूल में बेटी से मिलने गई थी, लेकिन पति ने उसे मिलने नहीं दिया और कहा कि अगर मायके से 50 लाख नहीं लाई तो बेटी से मिलने नहीं देंगे।

दिव्या ने बताया कि रतलाम एसपी अमित कुमार ने उसकी शिकायत ली और कहा कि क्योंकि मामला नागदा का है, इसलिए वह उज्जैन रेंज के आईजी और उज्जैन एसपी को शिकायत भेज दें। नागदा उज्जैन जिले में आता है, इसलिए केस वहीं रजिस्टर्ड होगा। रतलाम के एडिशनल एसपी राकेश खाखा ने भी इसकी पुष्टि की।

उन्होंने बताया कि दिव्या की शिकायत जनसुनवाई में आई थी। लेकिन मामला उज्जैन जिले का होने के कारण शिकायत को आगे बढ़ाते हुए उज्जैन भेज दिया गया है। पुलिस वहां आवश्यक कार्रवाई करेगी।

नकली आईएएस अधिकारी के चौंकाने वाले कारनामे!

पद्मश्री का 'ऑफर' देकर नेताओं को लगाया चूना

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर शहरसहित राज्य में सनसनी मचाने वाले फर्जी आईएएस अधिकारी कल्पना भागवत मामले में अत्यंत गंभीर और नए खुलासे सामने आए हैं। फर्जी आईएएस कल्पना भागवत मामले में अब और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। पद्मश्री दिलवाने के नाम पर छत्रपति संभाजीनगर, अमरावती, हिंगोली, अहिल्यानगर के कई नेताओं को फर्जी आईएएस कल्पना भागवत ने ठगा है। साथ ही उनसे पैसे भी ऐंठे गए हैं।

नागपुर के एक नेता को राज्यसभा का ऑफर देकर यह पैसे ऐंठे गए हैं तो आरोपी डिंपी दिल्ली में एक प्रशासनिक अधिकारी के ड्राइवर के रूप में काम करने वाला व्यक्ति है और डिंपी हरजाई कल्पना भागवत को पद्मश्री और राज्यसभा देने की पेशकश कर रहा था। वहीं कल्पना भी लोगों को पद्मश्री और राज्यसभा देने का ऑफर देकर पैसे ऐंठ रही थी। अब तक पुलिस ने कल्पना भागवत के संपर्क में आए 28 लोगों को नोटिस दिया है।

मोरबी में अवैध मस्जिद गिराने के बाद जिले में कड़ी सुरक्षा

पुलिस एसपी बोले- अफवाहों से रहें दूर

मोरबी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के मोरबी में अवैध मस्जिद के एक ढांचे को गिराए जाने के बाद माहौल को शांत बनाए रखने के लिए पुलिस ने जिलेभर में सुरक्षा कड़ी कर दी है। प्रशासन और पुलिस पूरी सतर्कता के साथ हालात पर नजर बनाए हुए हैं ताकि किसी भी तरह की अफवाह या तनाव फैलने न पाए। अवैध मस्जिद हटाए जाने के तुरंत बाद पुलिस ने शहर के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया।

जगह-जगह पुलिस टीमें गश्त कर रही हैं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को समय रहते संभाला जा सके। एसपी ऑफिस से लेकर थानों तक सभी अधिकारी लगातार फील्ड में एक्टिव हैं। स्थानीय लोगों को यह भी आश्वासन दिया गया है कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और किसी भी तरह की गड़बड़ी को सख्ती से रोका जाएगा।

एसपी मुकेश कुमार की अपील 'अफवाहों से दूर रहें'

इस पूरे मामले पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) मुकेश कुमार ने शांति और संयम बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने साफ कहा कि जिले के नागरिक किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। एसपी ने कहा, "मैं मोरबी जिले के सभी निवासियों से अनुरोध करता हूँ कि किसी भी तरह की अफवाहों से दूर रहें। पुलिस हर परिस्थिति से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। यदि कोई समस्या उत्पन्न होती है, तो आप पुलिस कंट्रोल रूम, एसपी, डीवाईएसपी या स्थानीय पीआई से सीधे संपर्क कर सकते हैं।"

स्थानीय प्रशासन भी सक्रिय, अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई

प्रशासन ने सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ा दी है। यदि कोई व्यक्ति गलत जानकारी या भड़काऊ मैसेज फैलाते हुए पकड़ा जाता है, तो उसके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अफसरों के अनुसार, फिलहाल हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और कहीं से किसी तनाव की खबर नहीं है। अधिकारी लगातार क्षेत्र में घूमकर लोगों से बातचीत भी कर रहे हैं ताकि उन्हें भरोसा दिलाया जा सके कि जिले में शांति और व्यवस्था बनी हुई है। फिलहाल मोरबी में स्थिति शांत बताई जा रही है और सुरक्षा व्यवस्था पहले से अधिक मजबूत कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जिले में रहने वाले सभी लोग निश्चिंत रहें, पूरा तंत्र उनकी सुरक्षा के लिए तैनात है।

सांप खा रहा था अधेड़, वन विभाग ने किया गिरफ्तार; 14 दिनों की हुई जेल

जलपाईगुड़ी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। यहां विभाग ने एक अधेड़ व्यक्ति को सांप और पक्षी मारकर खाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। वन विभाग की टीम ने उसे मेखलीगंज अदालत पेश किया। कोर्ट ने उसे 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है।

इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। वन विभाग शिकार रोकने को लेकर लगातार स्थानीय लोगों को चेतावनी दे रहा है। जानकारी के अनुसार, जलपाईगुड़ी जिले के हल्दीबाड़ी में पिछले कुछ दिनों से थोक टमाटर बाजार से सटे इलाके में खानाबदोशों का एक समूह (सात-आठ युवक और एक बूढ़ा) गाय-सांप और विभिन्न प्रकार के पक्षियों आदि का शिकार कर उन्हें खा रहे हैं। इस संबंध में हल्दीबाड़ी वन विभाग की टीम को शिकायत मिली थी। सूचना मिलते ही एडीएफओ बिजन कुमार नाथ ने एक टीम के साथ उस जगह पर छापा मारा।

उन्हें देखकर खानाबदोश युवकों का समूह भाग गया, लेकिन अधेड़ व्यक्ति भाग नहीं सका। वन विभाग की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया और हल्दीबाड़ी वन विभाग के दफ्तर ले आए। आरोपी की पहचान डोमरा महत (55) के रूप में हुई है, जो कि बिहार के किशनगंज का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपी डोमरा महत ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया है। उसने कहा कि हम शिकार कर रहे थे, खाना बना रहे थे और सांप और पक्षी खा रहे थे। पर्यावरण संगठन स्पोर की सदस्य सुमन दास ने कहा कि हम पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं। हम लगातार जागरूकता फैला रहे हैं कि जंगली जानवरों को मारने पर जेल की सजा हो सकती है।

पड़ोसी दुकानदार के बढ़ते बिजनेस से जलता था शख्स

करवा दी करोड़ों की लूट, करीब 79 लाख रुपए का माल बरामद

पुरी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी के चंदनपुर इलाके में एक हैरान कर देने वाली घटना घटी। यहां एक पड़ोसी दुकानदार के दिल में जलन थी और उसी जलन ने करोड़ों की लूट को जन्म दिया। दरअसल ज्वेलरी दुकान चलाने वाला एक दुकानदार, अपने पड़ोसी की तरक्की को बर्दाश्त न कर सका और ईर्ष्या में आकर 78.96 लाख की सुपारी लूट करा बैठा। घटना 20 नवंबर 2025 की सुबह करीब 9 बजकर 15 मिनट की है, जब राधाकांत ज्वेलरी के मालिक संजय कुमार दास के भाई,साले और ड्राइवर सोना, चांदी और नकदी लेकर बैंक और भुवनेश्वर के लिए कुछ कामों के लिए निकले थे। जैसे ही उनकी मारुति कार समाजपुर रेलवे ओवरब्रिज पर पहुंची, पहले से ताक लगाए बैठे अपराधियों ने पिस्तौल दिखाकर कार को रोक लिया और बैग में रखे सोने, चांदी और छह लाख रुपये नकद को लूटकर फरार हो गए। इस घटना को बहुत ही प्लानिंग के साथ अंजाम दिया गया था और इस प्लानिंग की जड़ में वही व्यक्ति था जिसे परिवार अपना करीबी मानता था।

परिवार का करीबी था टुकुना उर्फ टुकु नायक।

वह डोलागोबिंदापुर का रहने वाला है और नीलकंठ ज्वेलरी का मालिक है। टुकु अक्सर संजय दास के घर और दुकान आता-जाता था। शिकायतकर्ता के छोटे भाई से उसकी अच्छी दोस्ती थी। इसी नजदीकी का फायदा उठाते हुए उसने सभी अंदरूनी जानकारी धीरे-धीरे इकट्ठी कर ली। कब माल आता है, कब बैंक जाता है, किस गाड़ी से जाता है, कौन ले जाता है, कितनी मात्रा में सोना और चांदी ट्रांजिट होती है, इन सभी चीजों की जानकारी जुटाई । पड़ोस की दुकान में हमेशा ग्राहकों की भीड़ रहती थी जबकि उसकी दुकान में व्यापार कम हो रहा था। यही जलन धीरे-धीरे नफरत में बदली और नफरत ने उसे अपराध की ओर धकेल दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुरी एसपी प्रतीक सिंह के नेतृत्व में विशेष जांच टीम बनाई गई, जिसने लगातार दो दिनों तक छापेमारी की। जांच के दौरान मिले तकनीकी सबूतों, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय जांच के आधार पर पुलिस ने टुकु नायक, बापी प्रधान, एम। गौथम और सुभ्रजित मोहंती को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 132 ग्राम सोना, 31 किलो चांदी, छह लाख रुपये नकद, पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, स्कोडा कार, बाइक और छह मोबाइल फोन बरामद किए गए। कुल बरामदगी की कीमत लगभग 78.96 लाख रुपये आंकी गई है। सभी आरोपियों ने पूछताछ में अपराध स्वीकार भी कर लिया है।

'मेरा मामा डीएसपी है', चेकिंग के लिए रोकी कार तो महिला ने किया ड्रामा, खूब कटा बवाल

जालंधर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर रेलवे स्टेशन के पास उस समय माहौल गरमा गया, जब ट्रैफिक पुलिस ने नियमित चेकिंग के दौरान एक कार को रोका और उसमें बैठी महिला अचानक हंगामा करने लगी। घटना धीरे-धीरे इतनी बढ़ गई कि मौके पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई और यातायात भी बाधित हो गया। जानकारी के मुताबिक, ट्रैफिक पुलिस गाड़ियों की रूटीन चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान एक महिला की कार को रोका गया। पुलिस जैसे ही कार की तलाशी लेने लगी, पास ही खड़ा एक युवक पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाने लगा।

जैसे ही महिला ने देखा कि युवक उसकी वीडियो बना रहा है, वह भड़क उठी और चिल्लाने लगी। गुस्से में महिला ने युवक पर आरोप लगाया कि वह उसकी इज्जत उछाल रहा है और बिना वजह वीडियो बना रहा है। महिला ने यह भी कहा कि वह कोई नशा तस्कर नहीं है, जो उसे इस तरह रोका या चेक किया जाए। इतना ही नहीं, उसने युवक को धमकी देते हुए कहा कि उसका मामा डीएसपी है और वह उसे अच्छी तरह जानती है। यह सुनकर आसपास के लोग भी हैरान रह गए। युवक ने शांत रहते हुए महिला को जवाब दिया कि चाहे कोई भी रिश्तेदार हो, कानून सबके लिए बराबर है।

पुलिस चेकिंग सभी गाड़ियों की होती है और यह नियम हर किसी पर लागू होता है। युवक ने कहा कि वीडियो बनाना उसकी सुरक्षा का तरीका है ताकि किसी भी गलत आरोप से बचा जा सके। इस दौरान, वीडियो में देखा गया कि जीआरपी का एक पुलिसकर्मी कार में बैठा था। वह बार-बार महिला को शांत रहने और कार में बैठने के लिए कह रहा था। महिला का दावा था कि वह उस पुलिसकर्मी को जानती है, लेकिन इसके बावजूद ट्रैफिक पुलिस ने चेकिंग रोकने से इनकार कर दिया और अपनी कार्रवाई जारी रखी।

सरहद पर और मजबूत होगा बीएसएफ का एंटी ड्रोन सिस्टम

दुश्मन की हर हरकत पर पैनी नजर, इस साल गिराए 278 ड्रोन

बाघा बार्डर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान से सटी सरहद पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) अपने एंटी ड्रोन सिस्टम को और मजबूत करने जा रही है ताकि दुश्मन की हर हरकत पर और पैनी नजर रखी जा सके। इस साल बीएसएफ ने बॉर्डर एरिया में पाकिस्तान के 278 ड्रोन गिराए हैं जबकि 53 पाकिस्तानी घुसपैठियों को पकड़ा है। देश विरोधी ताकतों को मजबूत करने के इरादे से पाकिस्तान लगातार सरहद पार से बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ और हथियार भेज रहा है।

क्रॉस बॉर्डर वेपन और ड्रग्स सिंडिकेट आईएसआई की मदद से इन नापाक हरकतों को अंजाम दे रही हैं। पाकिस्तान की ऑर्डिनेंस फैक्टरी में तैयार कारतूस और सरकारी बंदूकें तक भारत में दहशत फैलाने के लिए भेजी जा रही हैं। यह अधिकतर तस्करी चीन व पाकिस्तान निर्मित ड्रोनों के जरिये की जा रही है। इसी के मद्देनजर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने सरहद पर अपनी सक्रियता और बढ़ाते हुए अपने एंटी ड्रोन सिस्टम को और मजबूत करने की तैयारी की है। वेस्टर्न कमांड के एडीजीपी सतीश एस खंडारे ने बताया कि भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर सीमा-पार ड्रोन खतरों का मुकाबला करने के लिए बीएसएफ मल्टी लेयर्ड तरीके का इस्तेमाल कर रहा है। सिस्टम में रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल, इंफ्रारेड कैमरे और रेडियो फ्रीक्वेंसी एनालाइजर जैसे कई सेंसर लगे होते हैं ताकि पाकिस्तानी ड्रोन का पता लगाकर ट्रैक करके बेअसर किया जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर में निभाई थी बड़ी भूमिका

एडीजीपी ने बताया कि बीएसएफ ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी इस ड्रोन सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी। बीएसएफ कर्मियों की बहादुरी की पीएम और गृह मंत्री ने तारीफ की थी और बतौर सम्मान, बहादुर बीएसएफ कर्मियों को 2 वीर चक्र और 16 वीरता पुरस्कार से नवाजा गया था।

इसके अलावा तस्करी और गैर-कानूनी घुसपैठ को रोकने के लिए भी बीएसएफ पूरी तरह मुस्तैद है। साल 2025 में बीएसएफ ने 380 किलोग्राम से अधिक हेरोइन और 200 से अधिक हथियारों को जब्त किया जबकि 53 पाक घुसपैठिए व तस्कर पकड़े। एडीजीपी ने बताया कि दुर्गम इलाकों में खराब मौसम के बावजूद बीएसएफ के जवान घुसपैठ, नशीले पदार्थों, हथियारों, गोला-बारूद की तस्करी जैसे सीमा-पार अपराधों को असरदार तरीके से रोक रहे हैं। अब धुंध के मौसम को देखते हुए, सीमा सुरक्षा बल ने असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोकने और देश के दुश्मनों से सीमाओं की रक्षा करने के लिए चौकसी और बढ़ा दी है।

'क्या पंजाब को खालिस्तान बना देना चाहिए'

आतंकी पन्नू ने अमृतपाल सिंह और सरबजीत खालसा को भेजा मैसेज

अमृतसर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सिख फॉर जस्टिस का खालिस्तान समर्थक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू भारतीय संसद हमले क 24वीं बरसी पर हंगामा करवाने की तैयारी कर रहा है। वे इसके लिए फरीदकोट व खडूर साहिब से सांसद व खालिस्तान समर्थक सरबजीत सिंह खालसा व अमृतपाल सिंह को जरिया बनाने की प्लानिंग कर रहा है। इसके लिए उसने अपना वीडियो संदेश भी वायरल किया है।

आतंकी पन्नू ने अपना वीडियो वायरल कर फरीदकोट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा व डिब्रूगढ़ जेल में बंद खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह को संदेश भेजा है कि 13 दिसंबर को हर सांसद के हाथ में पर्चा पकड़ा रेफरेंडम करवाया जाए कि क्या भारत को तोड़ देना चाहिए। क्या पंजाब को खालिस्तान बना देना चाहिए।

पन्नू ने अपने वीडियो में कहा है 13 दिसंबर 2001 में हिंदुस्तान संसद में कश्मीर की आजादी की आवाज गूंजी थी। तब हथियार बंब थे। 24 साल बाद एक बार फिर भारतीय संसद में आवाज गूंजेगी। लेकिन इस बार हथियार के तौर पर हर सांसद के हाथ में सवाल होगा- क्या भारतीय कब्जे वाला पंजाब आजाद देश होना चाहिए। हर एक सांसद के हाथ में ये पर्चा देना होगा। ये संदेश दोनों फरीदकोट व तरनतारन के सांसदों से है, जो खालिस्तान की वोट के साथ सांसद बने हैं। चाहे वो (खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह) डिब्रूगढ़ जेल में है, लेकिन वहां से सवाल भेजा जा सकता है। ऐसा ही सवाल फरीदकोट वाले सांसद को करना चाहिए कि क्या भारतीय काब्जे वाला पंजाब आजाद देश होना चाहिए।

बीएलओ की जीवन सुरक्षा भी जरूरी

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम यानी एसआईआर की समय सीमा एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी गई है। पहले निर्वाचन आयोग ने इसके लिए अंतिम तारीख 4 दिसम्बर रखी थी, लेकिन अब 11 दिसम्बर तक प्रक्रिया चलेगी। आयोग ने रविवार 30 नवंबर को तीन-पेज के आदेश में यह घोषणा की है। संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक अब गणना अवधि 4 दिसम्बर की बजाय 11 दिसम्बर को समाप्त होगी। मसौदा सूची का प्रकाशन 9 की जगह 16 दिसम्बर को होगा और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 14 फरवरी को किया जाएगा।देश भर में एसआइआर के काम में लगे करीब तीस सरकारी कर्मचारी काम के कथित दबाव में अपनी जान गंवा चुके हैं।

उत्तर प्रदेश के संभल में सोमवार को सहायक बीएलओ की सोते-सोते मौत हो गई। इससे पहले 30 नवंबर को मुरादाबाद में एसआइआर काम में लगे टीचर ने सुसाइड कर लिया था। राज्य में अब तक 8 कर्मचारियों की जान जा चुकी है। 3 ने सुसाइड, 3 की हार्ट अटैक से और एक की ब्रेन हेमरेज से मौत हुई थी।

सात राज्यों में अब तक 29 बीएलओ की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश में 9 बीएलओ की जान गई है। वहीं एसआइआर के विरोध में सोमवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी के ऑफिस के बाहर बीएलओ अधिकार रक्षा कमेटी के सदस्यों ने प्रदर्शन किया।

गौरतलब है कि विपक्ष शुरु से इस सवाल को उठा रहा है कि एसआईआर करवाने की इतनी हड़बड़ी क्यों है। अगर आयोग ने इसे पूरे देश में करवाने का फैसला लिया भी है तो इसके लिए पर्याप्त मानव संसाधन, प्रशिक्षण और वक्त लिया जाना चाहिए। चंद दिनों में इतनी गहन प्रक्रिया को यूं निपटाया नहीं जा सकता। विपक्ष की यह आपत्ति तब और महत्वपूर्ण हो गई जब बूथ स्तर के अधिकारियों पर अत्यधिक दबाव के कारण यह प्रक्रिया जानलेवा तक बन गई। बीएलओ को कम समय में घर-घर जाकर इस बड़े काम को पूरा करने के लिए भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है, यह कटु सत्य है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से बीएलओ द्वारा आत्महत्या से मौतें भी सामने आई हैं।

आपको बता दें कि ज्यादातर बीएलओ स्कूल शिक्षक या सरकारी कर्मचारी हैं। एक बीएलओ को औसतन हजार से बारह सौ मतदाताओं तक पहुंचना पड़ रहा है। घर-घर जाकर फॉर्म बांटना, इकट्ठा करना और फिर उनका रिकार्ड करना कड़ी और लंबी प्रक्रिया है, जिसे पूरा करते-करते बीएलओ का दैनंदिन जीवन प्रभावित हो रहा है। बहुत से बीएलओ इस वजह से बीमार पड़ चुके हैं, किसी-किसी की मौत पर उनके परिजनों ने एसआईआर के दबाव को ही जिम्मेदार ठहराया है। कई जगहों पर आरोप है कि लक्ष्य पूरा न करने पर बीएलओ को नौकरी से निकालने, वेतन काटने या प्राथमिकी दर्ज करने की धमकियां भी मिली हैं। बंगाल में खुदकुशी करने वाली बीएलओ रिंकू तरफदार ने लिखा था कि उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण नहीं मिला। पुरानी वेबसाइट से डेटा नहीं मिला। ऑनलाइन फॉर्म जटिल प्रक्रिया है। ऐसे कुछ और प्रकरण भी सामने आए हैं। इन वजहों से प. बंगाल में तो चुनाव आयुक्त कार्यालय के बाहर धरना देने तक की नौबत आ गई।

विपक्ष का कहना है कि 2003 में भी एसआईआर हुआ था, लेकिन तब ऐसी कोई घटना नहीं हुई। अब हो रही है, तो जाहिर है व्यवस्था में कोई खामी है। विपक्ष लगातार इसे टालने या ज्यादा समय की मांग कर रहा था। अब इस पर चुनाव आयोग ने एक सप्ताह बढ़ाया है। आयोग ने समय सीमा बढ़ाने का बचाव करते हुए कहा कि यह विस्तार चुनाव अधिकारियों को मतदाताओं की मसौदा सूची प्रकाशित करने के लिए अतिरिक्त समय देने के लिए किया गया है। एक सप्ताह बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। कम से कम 3 से 5 महीने बढ़ाकर इत्मीनान से काम किया जाता तो शायद ऐसी पुख्ता मतदाता सूची तैयार होती, जिसमें गड़बड़ी की गुंजाइश नाममात्र की बचती।

ध्यान रहे कि छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, पुड्डुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप इन 12 राज्यों में एसआईआर हो रही है। जिसमें 51 करोड़ मतदाताओं के नामों, पतों, उम्र आदि की जांच हो रही है। यानी इस समय 51 करोड़ मतदाताओं का हक एसआईआर पर टिका है। किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही पुनाव प्रक्रिया ने निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशो में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते है। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के पलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे है। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यो में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए है। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालाकि, इस अव्यवस्था के पलते ही पुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही है। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल है, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा है। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अतिम मतदाता सूपी जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष पुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है।

जेएमएम-बीजेपी साथ साथ?

बिहार चुनाव के दौरान महागठबंधन में जिस तरह से झारखंड मुक्ति मोर्चा को सीट बंटवारे में नजरंदाज किया गया, उसी समय से अटकलें लगने लगी थी कि जेएमएम अपने सहयोगियों को सबक सिखाएगी। इस खींचतान का असर झारखंड में दिखाई देने लगा है। सत्तारूढ़ जेएमएम को एक भी सीट नहीं देने की वजह से ऐसा माना जा रहा है कि हेमंत सोरेन बीजेपी के साथ मिलकर एनडीए सरकार बना सकते हैं। इसी अंदेशे से झारखंड में सियासी अटकलों का बाजार गर्म है। राज्य में चर्चा है कि झारखंड में नया समीकरण कभी भी बन सकता है। बिहार चुनाव में बीजेपी और एनडीए को मिली प्रचंड जीत के बाद 17 नवंबर को बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक के पोस्ट के बाद ये चर्चा शुरू हुई। दरअसल आलोक ने लिखा था, 'अब नया बम झारखंड में, हेमंत अब जीवंत होंगे।'इस पोस्ट के बाद से ही राज्य में अटकलें तेज हो गई थी कि झारखंड में बीजेपी और झामूमो हाथ मिला सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो राज्य में एक बार फिर से 16 साल बाद जेएमएम और बीजेपी की गठबंधन वाली सरकार बन सकती है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अगुवाई वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और वामपंथी पार्टी के सहयोग से सरकार चल रही है। सहयोगी दलों से मतभेद की शुरुआत बीते बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान ही सामने आ गई थी, जब जेएमएम को सीमा वाली 12 सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका नहीं दिया गया। सहयोगी दलों ने उनकी पार्टी को एक भी सीट देना जरूरी नहीं समझा। वहीं बिहार चुनाव के साथ ही झारखंड के घाटशीला विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुए जिसमें जेएमएम के सोमेश चंद्र सोरेन को जीत मिली। जबकि बीजेपी की ओर से उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बेटे बाबू लाल सोरेन को हार का सामना करना पड़ा। अटकलों का बाजार तब गर्म हुआ जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी एवं गाण्डेय से विधायक कल्पना सोरेन दिल्ली दौरे पर पहुंची। इस दौरान सोरेन की गुप्त मुलाकात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से होने की जानकारी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। कयासों द्वारा गढ़ी गई कहानी में ये भी जानकारी सामने आई है कि सीएम सोरेन और सहयोगी कांग्रेस, राजद के बीच दूरी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री सोरेन के कार्यक्रम 'सरकार आपके द्वार' में सहयोगी मंत्रियों ने अपनी उपस्थित तक दर्ज नहीं कराई। जिसकी वजह से कुछ जगहों के कार्यक्रम रद्द करने पडे। इसी बीच दुमका में स्थित फ्लाईंग इंस्टिट्यूट के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मंच पर कांग्रेस और राजद के मंत्री और विधायक नहीं दिखे। इससे पहले मुख्यमंत्री के किसी भी कार्यक्रम में कांग्रेस और राजद के विधायक जरूर मौजूद रहते थे। इतना ही नहीं मोरहाबादी मैदान में बांटे जाने वाले नियुक्ति पत्र कार्यक्रम के पोस्टर से ही सहयोगी दलों के नेताओं की तस्वीर नहीं लगाई गई। इस कार्यक्रम के बाद ही सोरेन और उनकी पत्नी दिल्ली दौरे पर थे। जिसकी वजह से राजनीतिक गलियारों में चर्चा को बल मिला। झारखंड के इतिहास की बात करें तो यहां गठबंधन की राजनीति हमेशा से हाबी रही है। पहली सरकार से लेकर वर्तमान सरकार तक, हर सरकार गठबंधन के सहारे ही चली है। पहली सरकार बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के सहारे बनी थी। जबकि उसके बाद साल 2005 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी और जेएमएम की गठबंधन वाली सरकार बनी। जिस दौरान जेएमएम से शिबू सोरेन और बीजेपी की ओर से अर्जुन मुंडा मुख्यमंत्री रहे। 2009 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान ये गठबंधन टूट गया। परिणाम आने के बाद जेएमएम ने कांग्रेस और राजद के साथ हाथ मिलाकर राज्य में सरकार बना ली। ऐसे में अगर जेएमएम और बीजेपी एक दूसरे से हाथ मिला लेते हैं तो 16 साल बाद एक बार फिर राज्य में दोनों दल मिलकर गठबंधन की सरकार चलाएंगे।

वॉटर, वॉर और वीरता नौसेना दिवस की कहानी

आरके जैन

ब समुद्र की लहरें तेज़ी से उठती हैं और युद्धपोतों की गड़गड़ाहट आसमान तक गूँजती है, तब पूरा भारत गर्व से भर उठता है—यही है नौसेना दिवस की सच्ची शक्ति। 4 दिसंबर का यह खास दिन वह पल है जब देश अपने समुद्री वीरों को दिल से सलाम करता है। यह कोई साधारण तारीख नहीं, बल्कि 1971 के भारत-पाक युद्ध की वह यादगार रात है जब भारतीय नौसेना ने कराची बंदरगाह पर ऐसा वार किया कि दुश्मन संभल ही नहीं पाया। ऑपरेशन ट्राइडेंट, जिसका नाम सुनते ही रोमांच दौड़ जाए। पहली बार किसी एशियाई देश ने एंटी-शिप मिसाइलों का इस्तेमाल किया, चार पाकिस्तानी जहाज़ डूब गए, कराची का बंदरगाह जल उठा और उनकी नौसेना बिखरकर रह गई। यह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि समुद्री युद्ध के इतिहास में लिखा गया एक चमकता हुआ अध्याय था। तभी से 4 दिसंबर भारतीय नौसेना दिवस के रूप में पूरे देश में गर्व के साथ मनाया जाता है।

लेकिन यह दिन सिर्फ इतिहास की वीरगाथा नहीं सुनाता, यह वर्तमान की ताकत और भविष्य की तैयारी का भी प्रमाण है। भारतीय नौसेना आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे सक्षम नौसेनाओं में शुमार है। 67000 से ज्यादा जांबाज़ सैनिक, 150 से अधिक युद्धपोत, 250 से भी अधिक विमान और पनडुब्बियाँ—ये सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि हिंद महासागर में भारत की संप्रभुता का दस्तावेज़ है। आईएनएस विक्रांत – देश का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत – जब समुद्र में उतरा, तब पूरी दुनिया ने देखा कि भारत अब सिर्फ खरीदार नहीं, बल्कि खुद अपनी शक्ति गढ़ने वाला राष्ट्र है। वहीं आईएनएस अरिहंत ने जब परमाणु त्रिशूल पूरा किया, तो बड़े-बड़े देश भी भारत की क्षमता के आगे गंभीर हो गए। बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस यह पनडुब्बी दुश्मन के लिए साफ संदेश है—भारत की ओर आँख उठाई, तो कीमत भी चुकानी पड़ेगी और जवाब भी ऐसा मिलेगा कि याद रखना मुश्किल हो जाएगा। हिंद महासागर में भारतीय नौसेना आज सिर्फ रक्षक नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का संतुलन संभालने वाली शक्ति है। मालदीव संकट में जब ऑपरेशन कैक्टस चला, श्रीलंका में आईपीकेएफ के दौरान जब नौसेना ने मानवीय मदद पहुँचाई, सुनामी की तबाही में जब हजारों जानें बचाईं, और हाल ही में ऑपरेशन राहत व ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब युद्धग्रस्त देशों से भारतीयों को सुरक्षित घर लाया गया—हर बार नौसेना ने साबित किया कि उसकी ज़िम्मेदारी केवल समुद्र की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। उसकी पहुँच वहाँ तक है, जहाँ तक भारत का एक भी नागरिक मौजूद है—चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो। आज जब चीन अपनी 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति से हिंद महासागर में घेरा कसने की कोशिश कर रहा है, भारतीय नौसेना बिल्कुल शांत बैठने वाली नहीं है। क्वाड का मजबूत सदस्य बनकर, मालाबार अभ्यास में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ कदम मिलाकर, फ्रांस के साथ वरुण अभ्यास में अपनी क्षमता दिखाकर, और रूस के साथ इंड्रा नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेकर भारत ने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है—हिंद महासागर में दबाव, धमकी या दादागिरी नहीं चलेगी।

भारत से डराकर चीन कर रहा हथियारों की आपूर्ति

अशोक भाटिया

जब दुनिया को दो देशों के बीच संघर्ष के परिणाम भुगतने पड़ते हैं, तो उससे अपेक्षा की जाती है कि वह मध्यस्थता और इसे हल करेगी, जिसमें पड़ोसी नेतृत्व करेंगे। लेकिन चीन बिल्कुल इसके खिलाफ है। चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच तीव्र संघर्ष को एक सुनहरे अवसर के रूप में देखा। हाल ही में आई एक अमेरिकी रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने पाकिस्तान के सहयोग से संघर्ष को अपने हथियारों के युद्ध के मैदान के परीक्षण में बदल दिया, जिसने बाद में मुस्लिम देशों को हथियार बेचने के लिए परीक्षण के परिणामों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने न केवल जमीन पर अपने हथियारों का परीक्षण किया। दूसरी ओर, उन्होंने पश्चिमी देशों के खिलाफ हथियारों के बाजार को मजबूत करने के लिए दुनिया भर में आक्रामक रूप से प्रचार किया। मई 2025 के संघर्ष के दौरान, चीन के कई उन्नत हथियारों का उपयोग पहली बार वास्तविक युद्ध में किया गया था, जिसमें HQ-9 वायु रक्षा प्रणाली, PL-15 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल और J-10C फाइटर जेट शामिल थे। लेकिन चीन ने अपने हथियारों की प्रभावशीलता का आक्रामक प्रचार करके वैश्विक हथियार बाजार को मजबूत करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया ताकि दुनिया में इसकी चर्चा न हो सके।

पाकिस्तान-भारत संघर्ष के दौरान यह पहली बार था जब चीन ने सक्रिय युद्ध में आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया और चीन ने पूरे संघर्ष को एक तरह के 'फील्ड एक्सपेरिमेंट' के रूप में इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने पश्चिमी हथियारों के खिलाफ अपने उत्पादों को बेचने के लिए पाकिस्तान की सैन्य सफलता का फायदा उठाया। पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने संसद में दावा किया कि, पाकिस्तानी जे-10सी विमान ने राफेल समेत भारतीय वायुसेना के कई विमानों को मार गिराया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के दावे अतिरंजित हैं; लेकिन चीनी दूतावासों ने दुनिया भर में हथियारों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए ये दावे किए। चीन ने सोशल मीडिया पर नकली खातों के माध्यम से भारतीय विमानों के अवशेषों के रूप में एआई-जनित छवियों और वीडियो-गेम ग्राफिक्स को प्रसारित किया, जिनका उपयोग फ्रांसीसी राफेल की छवि को धूमिल करने और अपने स्वयं के J-35 लड़ाकू विमानों को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। फ्रांसीसी खुफिया का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में दावा किया गया है, कि चीन के प्रोपेगेंडा अभियान के बाद इंडोनेशिया ने राफेल खरीद प्रक्रिया को रोक दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान चीनी हथियारों पर बहुत अधिक निर्भर है। जून में चीन ने पाकिस्तान को 40 जे-35 लड़ाकू विमान, केजे-500 और बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली बेचने की पेशकश की थी। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में पाकिस्तान के हथियारों के आयात का 81 प्रतिशत चीन से आया है। मध्य पूर्व में चीन का बढ़ता हथियार निर्यात व्यापक ऊर्जा सुरक्षा के लिए चीन के प्रयासों में निहित है, और यह प्रवृत्ति एक उभरती हुई बहुध्रुवीय वैश्विक संरचना को दर्शाती है। वैश्विक हथियार बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में चीन का उदय पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की क्षमताओं में वृद्धि से प्रेरित था। परिणामस्वरूप, उन्होंने अपने रक्षा उद्योग में सुधार किया है और अपने रक्षा उपकरणों को बेहतर बनाने के लिए सैन्य खर्च में लगातार वृद्धि की है। हथियार बाजार में चीन की भूमिका यह भूमिका बदलते सुरक्षा वातावरण के बारे में जागरूकता भी प्रदान करती है। 2012 और 2016 के बीच वैश्विक हथियारों के निर्यात में चीन की हिस्सेदारी 3.8 प्रतिशत से बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई। हालांकि 2016-2020 के बीच यह गिरकर 5.2 प्रतिशत हो गया है, चीन दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बना हुआ है। हालांकि अमेरिका और रूस की तुलना में इसकी हिस्सेदारी मामूली है, लेकिन यह नई तकनीक के साथ नए बाजारों में प्रवेश करने के लिए तैयार है। सेंटर फॉर नेवल एनालिसिस के एक विश्लेषण के अनुसार, चीन सबसे बड़े हथियार निर्यातकों में से एक के रूप में उभरा है। 2020 की अमेरिकी रक्षा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, टन भार के मामले में चीन दुनिया का शीर्ष जहाज उत्पादक है। एक अन्य क्षेत्र जहां चीन सबसे आगे है वह सशस्त्र ड्रोन है। (मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), जिसे यूएवी के रूप में भी जाना जाता है)। 2018 तक, चीन ने दुनिया भर के 10 से अधिक देशों को भारी और सशस्त्र यूएवी का निर्यात किया था। चीन ने पाकिस्तानी वायु सेना के साथ संयुक्त रूप से चीनी विंग लूंग 2 ड्रोन का निर्माण करने पर सहमति व्यक्त की है।

2013 की SIPRI रिपोर्ट के अनुसार, चीन छोटे हथियारों और हल्के हथियारों का एक प्रमुख निर्यातक भी है। चीन हथियार खरीदने वाले देशों को लचीली भुगतान संरचनाएं भी प्रदान करता है, जो विकासशील देशों के लिए आकर्षक है, और उन देशों के लिए भी एक अच्छा विकल्प है जो सैन्य उपकरणों के अपने स्रोतों में विविधता लाना चाहते हैं। संबंधित देशों के शासकों को रियायतें और रिश्वत खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। चीन मुख्य रूप से हथियारों के निर्यात के व्यावसायिक लाभों में रुचि रखता है, राजनीतिक नहीं;इसके अलावा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस लेनदेन के आर्थिक लाभ बहुत अधिक हैं, और हथियार निर्यातक होने का प्रभाव, विशेष रूप से कमजोर देशों पर, समान रूप से शक्तिशाली है। चीन की व्यापक मध्य पूर्व रणनीति ऐसे उद्देश्यों का समर्थन करती है। 2016 में, इसने एक अरब नीति पत्र जारी किया और मध्य पूर्व को अपनी बेल्ट एंड रोड पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना दिया। सहयोग खतरे में है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका मध्य पूर्व पर अपना ध्यान कम कर रहा है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर फिर से ध्यान केंद्रित कर रहा है।

मध्य पूर्व में, चीनी ड्रोन विशेष रूप से लोकप्रिय हैं। मिस्र, इराक, जॉर्डन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सभी को विंग लून और CH-4 ड्रोन से लैस चीनी यूएवी प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार चीन मध्य पूर्व में यूएवी हथियारों की दौड़ को बढ़ावा दे रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने मध्य पूर्व में अरब देशों को सशस्त्र ड्रोन बेचने के लिए एक प्रतिबंधात्मक निर्यात नीति लागू की है। चीन ने इस मौके का फायदा उठाकर इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने जॉर्डन को प्रीडेटर एक्सपी ड्रोन देने से इनकार कर दिया।

मसूरी में 600 प्रशिक्षु आईएएस और एक सवाल

डॉ. प्रियंका सौरभ

उत्तराखंड के शांत, अनुशासित और सुसंस्कृत वातावरण में स्थित मसूरी का प्रसिद्ध प्रशासनिक अकादमी परिसर—लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी—देश के सर्वोच्च सिविल सेवकों के निर्माण का केंद्र बिंदु है। यहाँ आज भी 600 से अधिक प्रशिक्षु अधिकारी भविष्य के भारतीय प्रशासन की रूपरेखा तय करने की तैयारी में डटे हैं। हाल ही में 100वें फाउंडेशन कोर्स का समापन समारोह आयोजित किया गया, जो किसी भी संस्थान के लिए गौरव का क्षण होता है। इस अवसर पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ा दी। समारोह के दौरान रक्षा मंत्री ने एक सरल-सा गणितीय प्रश्न पूछा—"एक आदमी के पास कुछ पैसे थे। उसने आधा ए को, एक-तिहाई बी को और शेष 100 रुपये सी को दिए। बताइए, कुल पैसा कितना था?"

दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाला यह सीधा-सा सवाल प्रशिक्षुओं के लिए अप्रत्याशित सिद्ध हुआ। कई प्रशिक्षु अधिकारी प्रश्न में उलझ गए, जबकि समाधान उंगलियों पर किया जा सकता था। बाद में स्वयं राजनाथ सिंह ने इसे सरल तरीके से हल कर समझाया। यह घटना भले ही साधारण प्रतीत हो, पर प्रशासनिक प्रशिक्षण और नेतृत्व क्षमता की वास्तविक दिशा पर यह बेहद महत्त्वपूर्ण संकेत देती है।

प्रशासनिक कार्यों का मूल तत्व केवल कानून और नियमों का ज्ञान नहीं, बल्कि तुरंत समझने, तर्क लागू करने और व्यवहारिक समाधान निकालने की क्षमता है। कभी-कभी सबसे कठिन परिस्थितियों में सर्वाधिक सरल समाधान ही सर्वश्रेष्ठ होता है—पर इसके लिए मन का खुलापन और व्यावहारिक सोच आवश्यक होती है। यही गुण एक सक्षम प्रशासक को भीड़ से अलग करता है।

यह घटना इस बात का स्मरण भी कराती है कि सिविल सेवा केवल अकादमिक बौद्धिकता का अभ्यास नहीं है; यह मानव स्वभाव, सामाजिक व्यवहार, त्वरित निर्णय-क्षमता और सामान्य समझ की माँग भी करती है। किसी भी शासन प्रणाली में सबसे प्रभावशाली अधिकारी वही होता है जो जटिल समस्याओं को सरलता से हल करने की क्षमता रखता हो।

प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि व्यवहारिक बुद्धि का विकास भी है। एक छोटा सा प्रश्न प्रशिक्षुओं को यह याद दिलाता है कि वास्तविक प्रशासन वही है जो खेत-खलिहान, बाज़ार, थाने, पंचायत भवन और कार्यालयों में घटित होता है—जहाँ जटिलताएँ कम और सादगी अधिक काम आती है।

राजनाथ सिंह द्वारा पूछा गया प्रश्न प्रशासनिक सोच के दो महत्त्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करता है—पहला, अधिकारी का ध्यान समस्या के मूल की ओर होना चाहिए, न कि उसकी सतही जटिलता की ओर। दूसरा, किसी भी चुनौती में घबराना नहीं, बल्कि उसे विभाजित कर सरल रूप में हल करना चाहिए। सिविल सेवाओं में ऐसे अनेक अवसर आते हैं जब अधिकारी को अचानक लिए गए निर्णयों के आधार पर जनता को राहत, दिशा और सुरक्षा प्रदान करनी होती है। यदि वह क्षणिक दबाव में भी सामान्य तर्क बनाए रखने में दक्ष है, तो वह बेहतर प्रशासक बन सकता है।

यह प्रसंग इस व्यापक प्रश्न को भी जन्म देता है कि आधुनिक प्रशिक्षण पद्धति कहीं अत्यधिक तकनीकी, सैद्धांतिक या औपचारिक तो नहीं हो गई है? क्या हम प्रशासन के मूल तत्व—सरलता, संवेदनशीलता और सामान्य विवेक—को नजरअंदाज तो नहीं कर रहे?

सिविल सेवा का इतिहास बताता है कि देश के श्रेष्ठ अधिकारी वही रहे, जिन्होंने अत्यधिक बुद्धि के साथ-साथ सरल सोच, जन-संपर्क की क्षमता और सहज निर्णय-प्रक्रिया अपनाई। आज जब देश नई चुनौतियों—प्रौद्योगिकी, जटिल प्रशासनिक व्यवस्था, विस्तृत जनसंख्या और त्वरित परिवर्तनों—से गुजर रहा है, तब एक प्रशासक की भूमिका और भी विस्तृत और बहुआयामी हो चुकी है।

ऐसे समय में यह आवश्यक है कि प्रशिक्षण केवल परीक्षाओं और पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न हो। उसमें व्यवहारिक गणित, तर्कशक्ति, सामान्य समझ, मनोवैज्ञानिक संतुलन और परिस्थितिजन्य विश्लेषण को भी समुचित स्थान मिले।

राजनाथ सिंह द्वारा हल्का-सा पूछा गया यह प्रश्न प्रशासनिक तंत्र को यह संदेश देता है कि नेतृत्व की असल परीक्षा कभी-कभी छोटे-छोटे क्षणों में ही होती है। बड़े निर्णयों का आधार भी वही अधिकारी बनता है जो बेसिक समझ को खोने नहीं देता।

इस प्रसंग से यह भी स्पष्ट होता है कि प्रशिक्षण के दौरान आने वाले ऐसे अप्रत्याशित प्रश्न अधिकारी के मन को गति देते हैं, उसे दबाव में सोचने की क्षमता प्रदान करते हैं और वास्तविक प्रशासनिक दुनिया के लिए मानसिक रूप से तैयार करते हैं। समय के साथ यह आवश्यक हो गया है कि सिविल सेवा प्रशिक्षण अकादमियाँ इस प्रकार के संवाद, प्रश्न-आधारित परीक्षण और व्यवहारिक अभ्यास को और भी अधिक बढ़ाएँ। इससे अधिकारी न केवल जनसेवा के लिए अधिक तैयार होंगे बल्कि प्रशासनिक जटिलताओं को सहजता से हल करने की क्षमता भी विकसित करेंगे। निष्कर्षतः, मसूरी में घटित यह छोटा-सा घटना क्रम इस बात का प्रतीक है कि नेतृत्व की ताकत केवल बड़े भाषणों या उच्च ज्ञान में नहीं, बल्कि सरल तर्क और मौलिक समझ में भी निहित होती है। सिविल सेवा के भविष्य को आकार देने वाले प्रशिक्षुओं के लिए यह एक स्मरणीय संदेश है—प्रशासन की महानता सरलता में है, न कि जटिलता में।

शांति के दूत या शांतिदूत

डॉ टी महादेव राव

छोटू! शांति दूत के बारे में क्या जानते हो?

भैया! यह बताइए यह कौन शांति है जो अपने दूत भेज रही है?

शांति दूत का मतलब शांति का भेजा हुआ दूत होता है?

भैया! तर्क की बात करें तो देखिए रावण के दरबार रामदूत बनकर पहली बार हनुमान जी गए थे और उसके बाद युद्ध के पहले श्री राम के दूत बनकर अंगद, रावण से बात करने गए थे। मतलब तो यही हुआ कि अंगद और हनुमान राम के भेजे हुए राम दूत थे ठीक। इसी तरह पांडवों की ओर से दूत बनकर श्री कृष्ण गए थे कौरव सभा में ताकि युद्ध को टालने की कोशिश की जाए। वे पांडव दूत हुए। इसी तरह शांति दूत का मतलब शांति का भेजा हुआ दूत ही कहलाएगा मेरा तर्क गलत हो तो बताएं।

छोटू! ऐसा नहीं लगता तू कुछ ज्यादा ही सोचने लग गया है आजकल? खैर यह बताओ नेहरू जी को क्या कहा जाता था?

नेहरू जी को चाचा नेहरू कहा जाता था। बच्चों में वे बहुत लोकप्रिय थे और उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में चौदह नवंबर को मनाया जाता है।

शायद तुम्हें याद हो उन्हें शांति दूत कहा जाता था, जिसका अर्थ है कि विश्व में शांति की स्थापना के लिए अहिंसा मार्ग अपनाते हुए जो व्यक्ति प्रयास करता है उसे शांति दूत कहते हैं। शांति के लिए काम करने वाला दूत यानी शांतिदूत। वह सब तो ठीक है भैया! लेकिन यह बताइए अचानक शांतिदूत की बात आपके जहन में आई कैसे?

आजकल मोबाइल में रील्ज या फिल्में देख रहा है या दिनभर चादर तान के सो रहा है। संसार में क्या हो रहा है, देश में क्या चल रहा है, इसका कुछ आता पता है भी या नहीं?

भैया! आज मैं आपके शिकंजे में फंस गया। अब बताइए आप ही कि क्या हो रहा है देश और विदेश में। देश में क्या हो रहा है? हर जगह अशांति फैली हुई है। आंदोलन चल रहे हैं। जो विरोधी हैं उनको सताया जा रहा है। कई राज्य कई दिनों से हिंसा, लड़ाई, आंदोलनों से त्रस्त हैं। समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं। हमारे बड़े नेताओं का ध्यान एक दूसरे पर कीचड़ उछालने के अलावा एक दूसरे के कामों में मीन मेख निकालने के सिवा जनता की तरफ कब गया है? तो इसलिए आप चाहते हैं कि कोई शांति दूत आए और देश में शांति कायम करें। देश में शांति कायम करने के लिए आने वाला वह दूत कौन है? बताइए ना भैया।

देश के कई राज्य परेशान हैं। कहीं-कहीं प्रशासनिक तो कहीं राजनीतिक और कहीं सामाजिक और आर्थिक समस्याएं खड़ी हैं और हमारे शासक मंडल अपने-अपने कामों में व्यस्त होकर इस ओर ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। लेकिन एक शख्स है जो विदेश जाकर शांति संदेश को फैलाने का बीड़ा उठाया हुआ है। एक चीज मुझे बताइए। जब देश में शांति नहीं है, जब देश में सौहार्द्र पूर्ण वातावरण नहीं है तो विदेश में शांति के संदेश फैलाने का क्या तुक बनता है?

यह तो वही बात हो गई कि घर में नहीं है दाने और अम्मा चली भुनाने। कभी-कभी लगता है कि देश से ज्यादा अपनी छवि विदेश में गुरुओं के गुरु बनने की ललक हमें कहीं का नहीं छोड़ेगी।

जिस नेहरू को गरियाते नहीं थकते, उस नेहरू के शांति दूत पद के लिए क्यों इतनी मारामारी और क्यों इतनी माथा पच्ची? अपने सारे काम छोड़कर दुनिया को शांति का संदेश देने, जलते पड़ोसी देशों और अपने राज्यों को छोड़कर, जाने में मुझे तो कोई औचित्य नजर नहीं आता। अब मैं ने आपके दिलोदिमाग की बातें पढ़ ली हैं भैया। वे देश में तो गुरु नहीं बन सके अब संसार में गुरुओं के गुरु बनने में लगे हैं।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा का व्रत आज

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन स्नान-दान का विशेष महत्व होता है। इसे अगहन पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। गीता में स्वयं भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि- 'मासानां मार्गशीर्षोऽयम्' अर्थात मासों में मैं मार्गशीर्ष हूं। वैसे तो किसी भी पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु की पूजा का महत्व है, लेकिन मार्गशीर्ष के दौरान भगवान विष्णु के कृष्ण स्वरूप की पूजा का अधिक महत्व है। अतः इस पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के साथ ही उनके स्वरूप भगवान श्री कृष्ण की भी उपासना करनी चाहिए। इसके अलावा इस दिन चंद्रदेव की उपासना भी करनी चाहिए। मार्गशीर्ष महीने की पूर्णिमा को 'बत्तीसी पूर्णिमा' या 'बत्तीसी पूनम' के नाम से भी जाना जाता है ।

ऐसी मान्यता है कि इस दिन किये गये दान पुण्य का व्यक्ति को 32 गुणा फल प्राप्त होता है, यानि कम मेहनत में अधिक फायदा। अतः अगर आप भी कम मेहनत में अधिक फल पाना चाहते हैं, तो इस दिन आपको कुछ-न-कुछ जरुर दान करना चाहिये।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा व्रत

मार्गशीर्ष पूर्णिमा व्रत 4 दिसंबर 2025 को रखा जाएगा। पूर्णिमा का शुभ मुहूर्त 4 दिसंबर की सुबह 08:37 से 5 दिसंबर की सुबह 04:43 बजे तक रहेगा। तो वहीं इस दिन चंद्रोदय समय शाम 04:35 बजे का है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा व्रत विधि

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन भगवान नारायण की पूजा की जाती है इसलिए इस दिन प्रातःकाल उठकर भगवान का ध्यान करें और व्रत का संकल्प लें।

ओम नमोः नारायण कहकर भगवान का आह्वान करें और विधि विधान पूजन करें।

पूजा स्थल पर वेदी बनाएं और हवन के लिए उसमे अग्नि जलाएं।

हवन करने के बाद भगवान का ध्यान करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक व्रत अर्पण करें।

पूरे दिन अन्न का सेवन न करें।

जब चंद्रमा निकल जाए तो चंद्र देव की विधि विधान पूजा करें।

रात में भगवान नारायण की प्रतिमा के पास ही शयन करें।

व्रत के अगले दिन जरुरतमंदों को भोजन कराएं और दान-दक्षिणा देकर उन्हें सम्मान के साथ विदा करें।

गुरुवार व्रत में विष्णु पूजा के साथ करें हल्दी का उपाय

दिसंबर का पहला गुरुवार व्रत 4 दिसंबर को है. इस दिन मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि है, जो सुबह 8 बजकर 37 मिनट तक है. उसके बाद पूर्णिमा शुरु हो जाएगी. इस दिन सूर्य वृश्चिक राशि और चंद्रमा वृषभ राशि में रहेंगे. गुरुवार व्रत के साथ मार्गशीर्ष पूर्णिमा का व्रत, स्नान और दान भी 4 दिसंबर को है. गुरुवार को अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 50 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 32 मिनट तक रहेगा. राहुकाल का समय दोपहर 1 बजकर 29 मिनट से शुरु होकर दोपहर 2 बजकर 48 मिनट तक है. आइए जानते हैं कि गुरुवार व्रत में हल्दी के उपाय से गुरु दोष कैसे दूर होगा?

गुरुवार व्रत में हल्दी के उपाय

गुरुवार व्रत के दौरान भगवान विष्णु को हल्दी चढ़ाने से मनोकामना पूरी होती हैं और पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

गुरुवार व्रत के दिन जब आप स्नान करें तो पानी में हल्दी मिलाकर स्नान करें. इससे भी

आपका गुरु दोष दूर होगा

गुरु दोष से मुक्ति के लिए हल्दी का दान कर सकते हैं. हल्दी के अलावा पीली वस्तुओं का दान उत्तम माना गया है।

गुरुवार व्रत का महत्व

अग्नि पुराण, बृहस्पति स्मृति और महाभारत जैसे धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, गुरुवार के दिन विधि-विधान से पूजा करने से जातक को धन, विद्या और वैवाहिक सुख-सौभाग्य में लाभ मिलता है. मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर स्नान और दान से पुण्य की प्राप्ति होती है. माना जाता है कि गुरुवार को श्री हरि की विशेष पूजा, व्रत करने और कथा सुनने मात्र से ही घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

गुरुवार व्रत विधि

ग्रंथों में उल्लेख है कि अगर व्रत के दिन नियमों का पालन न किया जाए, तो भगवान श्री हरि विष्णु नाराज भी हो जाते हैं. अगर कोई भी जातक गुरुवार व्रत की शुरुआत करना चाहता है, तो वह किसी भी शुक्ल पक्ष के पहले गुरुवार से कर सकता है और 16 गुरुवार व्रत रख कर उद्यापन कर दे

माना जाता है कि जो गुरुवार व्रत रखते हैं, उन्हें पीले वस्त्र धारण करने चाहिए. साथ ही पीले फल-फूलों का दान करना चाहिए, लेकिन इस बात का विशेष ध्यान रहे कि पीली चीजों का सेवन न करें. जो जातक व्रत नहीं रख सकते, वे विधि-विधान से पूजा कर या तो व्रत कथा सुनें या फिर पढ़ लें।

गुरुवार के दिन किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को अन्न और धन का दान करने से भी पुण्य प्राप्त होता है. मान्यता है कि केले के पत्ते में भगवान विष्णु का वास होता है. इसी कारण गुरुवार के दिन केले के पत्ते की पूजा की जाती है।

सत्ता और विपक्ष मिलकर परिवार का लोकतंत्र बचाएं

सत्ता पक्ष और विपक्ष केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं देखे जाने चाहिए। घरों में भी ऐसी स्थिति होती है। कभी-कभी माता-पिता की सत्ता के सामने बच्चे भी विपक्ष बन जाते हैं। भारत के परिवारों का गठन हमारे बड़े-बूढ़ों, ऋषि-मुनियों ने इस ढंग से किया है कि यह एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है।

इस समय देश में जितने अभियान चल रहे हैं, उनमें परिवार बचाओ अभियान को भी महत्व देना चाहिए। भारत की बहुत बड़ी पूंजी यानी परिवार खतरे में हैं। इसलिए यहां की सत्ता और यहां के विपक्ष, दोनों को मिलकर परिवार के लोकतंत्र को बचाना होगा।

श्रीराम एकता, सहानुभूति और सद्कार्य के क्रियान्वयन में अद्भुत थे। उन्होंने दो सत्ताएं देखी थीं- अपने पिता की सत्ता, दशरथ जी का राज श्रीराम ने भोगा था और रावण की सत्ता से संघर्ष किया था। इन दोनों सत्ताओं में देखा जाए तो राम विपक्ष में ही रहे थे। इसलिए राम एक ऐसे राज्य की स्थापना करना चाहते थे, जो सैन्य बल नहीं आत्मबल से तैयार हुआ हो। समय आ गया है कि हम भी अपने परिवार के आत्मबल को बचाएं, बढ़ाएं।

2, 11, 20 या 29 तारीख को जन्मे लोगों के लिए कैसा रहेगा नया साल 2026?

नए साल 2026 का शुभारंभ होने वाला है. नए साल में मूलांक 2 यानि जिनका जन्म किसी भी माह की 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ है, उनको सफलता प्राप्त होगी. धन लाभ के साथ निवेश से भी फायदा होगा. अंक ज्योतिष से जानें मूलांक 2 वालों का नया साल 2026 कैसा रहेगा? नए साल में मूलांक 2 का करियर, शिक्षा, प्रॉपर्टी, लव लाइफ, सेहत कैसी रहेगी?

नए साल 2026 का शुभारंभ होने वाला है. अभी से लोगों के मन में नए साल में अपने भविष्य को लेकर कई सवाल घूम रहे हैं. नया साल 2026 उनके करियर, प्रॉपर्टी, निवेश, सेहत, शिक्षा आदि के लिए कैसा रहने वाला है. आज हम 2, 11, 20 या 29 तारीख को जन्मे लोगों के लिए नया साल 2026 कैसा रहेगा? इस बारे में बताने जा रहे हैं. अंक ज्योतिष की मदद से मूलांक 2 वालों के नए साल की भविष्यवाणी की जा रही है।

नए साल 2026 में दो बार है अंक 2

अंक ज्योतिष के अनुसार देखा जाए तो नए साल 2026 में अंक 2 दो बार आता है. अंक 2 का स्वामी ग्रह चंद्रमा है और चंद्रमा को स्त्री तत्व का प्रतीक माना जाता है, वहीं 2026 में अंक 6 है, जिसका स्वामी ग्रह शुक्र है. शुक्र को भौतिक सुख और सुविधाओं, प्रेम, ग्लैमर, फैशन के क्षेत्र से जुड़ा मानते हैं. जब 2026 की गणना करते हैं तो 2+0+2+6=10 होता है, जो एकल संख्या में अंक 1 है. अंक 1 का स्वामी ग्रह सूर्य है. कुल मिलाकर नया साल 2026 ग्रहों के राजा सूर्य का होगा. मूलांक 2 के लिए कैसा रहेगा नया साल?

करियर में होगी उन्नति, धन लाभ भी

नए साल में मूलांक 2 वालों को करियर में सफलता प्राप्त होगी. अगर कोई आपका बड़ा काम अटका पड़ा है तो वह नए साल में पूरा हो सकता है. काम में आने वाली अड़चनें दूर होंगी. जो लोग नई जॉब की तलाश में हैं, उन लोगों को नई नौकरी मिलने का योग है, वहीं जॉब में ट्रांसफर भी हो सकता है. जो लोग सोने-चांदी, बैंकिंग सेक्टर, लेखन, क्रिएटिव फील्ड आदि से जुड़े हैं, उनके लिए नया साल शानदार रहेगा. वे अच्छा धन लाभ प्राप्त कर सकते हैं. शेयर मार्केट और प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा, लेकिन सभी पहलुओं को अच्छे से जांच लेना समझदारी होगी।

शिक्षा प्रतियोगिता में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन

शिक्षा प्रतियोगिता से जुड़े लोगों को अप्रत्याशित नतीजे मिल सकते हैं, जिसके बारे में आपको भी उम्मीद नहीं होगी. नए साल में आप उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं. नया साल आपकी शिक्षा और परीक्षा से जुड़ी बातों के लिए अनुकूल है. कम मेहनत में अच्छा परिणाम मिल सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप मेहनत करना ही छोड़ दें।

बनेंगे नए दोस्त

नए साल में आपके कुछ नए दोस्त बनेंगे. जो आगे चलकर आपके लिए मददगार होंगे. लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि दोस्त के लिए दोस्त बनना होता है. दोस्ती निभानी होती है।

सेहत रहेगी अच्छी

नया साल मूलांक 2 वालों के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा रहेगा. अगर आपने 2025 में कई प्रकार की सेहत से जुड़ी समस्याओं या ऑपरेशन का सामना किया है तो नए साल में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है. नए साल में आप सेहतमंद रहेंगे और अस्पताल का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा. नए साल में सेहत से जुड़ी कोई बड़ी परेशानी सामने आने की आशंका कम लगती है।

2026 में क्यों होगा 13 महीनों का साल?

हिंदू पंचांग के अनुयायियों के लिए साल 2026 एक विशेष और बेहद महत्वपूर्ण वर्ष होने वाला है। इस साल का कैलेंडर सामान्य 12 महीनों के चक्र से हटकर 13 महीनों का होगा। यह अद्भुत संयोग ज्योतिषीय गणनाओं के चलते हर तीसरे साल बनता है, जिसे अधिक मास या पुरुषोत्तम मास के नाम से जाना जाता है। यह वह अवधि है जब हिंदू कैलेंडर में एक महीना दोहराया जाता है, जिससे साल की अवधि बढ़ जाती है। तो आइए जानते हैं कि 2026 में कौन सा महीना रिपीट होकर साल को 13 महीने का बना देगा।

अधिक मास क्यों आता है?

यह अनोखा संयोग हर तीसरे साल बनता है और इसके पीछे का कारण हिंदू पंचांग और सौर कैलेंडर की गणना का अंतर है। हिंदू पंचांग चंद्रमा की गति पर आधारित होता है, जबकि अंग्रेजी कैलेंडर सूर्य की गति पर। चंद्रमा का मासिक चक्र सूर्य की तुलना में लगभग 11 दिन छोटा होता है। यह 11 दिनों का अंतर हर साल बढ़ता जाता है और लगभग 32 महीनों के बाद यह अंतर एक पूरे महीने के बराबर हो जाता है।

इसी बढ़े हुए अंतर को संतुलित करने और त्योहारों को सही ऋतुओं में बनाए रखने के लिए, हिंदू पंचांग में हर तीसरे साल एक अतिरिक्त महीना जोड़ दिया जाता है। इसी अतिरिक्त महीने को अधिक मास कहा जाता है। सनातन धर्म में इसका विशेष धार्मिक महत्व है।

2026 में अधिक मास कब से कब तक रहेगा?

पंचांग के अनुसार, वर्ष 2026 में यह अधिक मास 17 मई से शुरू होकर 15 जून तक चलेगा।

कौन सा महीना होगा रिपीट?

2026 में अधिक मास ज्येष्ठ महीने के बाद लगेगा, इसलिए इसे ज्येष्ठ अधिकमास कहा जाएगा। इसका अर्थ है कि नए साल में दो ज्येष्ठ महीने होंगे एक सामान्य ज्येष्ठ और दूसरा अधिक मास वाला ज्येष्ठ। इस कारण ज्येष्ठ महीने की अवधि लगभग 58 से 59 दिन तक रहेगी और विक्रम संवत 2083 में कुल 13 महीने होंगे।

अधिक मास का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अधिक मास में किए गए पूजा-पाठ, दान और पुण्य का फल कई गुना अधिक मिलता है। चूंकि यह महीना सभी सामान्य मास से अलग होता है, इसलिए इसे भगवान विष्णु को समर्पित किया गया है और इसे पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। हालांकि यह महीना अत्यधिक पवित्र माना जाता है, पर इस दौरान आमतौर पर विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश और नए व्यापार की शुरुआत जैसे शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। यह समय भक्ति, तप और साधना के लिए आरक्षित होता है।

अचानक घटनाएं, मानसिक दबाव और गहरे रहस्य, आठवें भाव में केतु के असर को ऐसे समझें और संतुलित करें

केतु आठवें भाव में होने के सकारात्मक प्रभाव

आध्यात्मिक झुकाव -व्यक्ति गहरी सोच और आत्मनिरीक्षण की ओर आकर्षित होता है. ध्यान, योग और साधना में रुचि बढ़ सकती है।

रहस्यों को समझने की क्षमता -इंसान अपने और दूसरों के छुपे हुए पहलुओं को भली-भांति समझ पाता है.

संकटों में साहस -जीवन में अचानक आने वाली कठिन परिस्थितियों में धैर्य और मानसिक मजबूती दिखाई देती है।

वित्तीय समझदारी -इनवेस्टमेंट, टैक्स और अचानक आने वाले वित्तीय अवसरों को सही समय पर भांपने की क्षमता बढ़ती है।

मानसिक विकास -डर और तनाव को सामना करने की कला सीखता है, जिससे मानसिक दृढ़ता और सहनशक्ति बढ़ती है।

केतु आठवें भाव में होने के नकारात्मक प्रभाव

1. सामाजिक और व्यक्तिगत असमंजस -कभी-कभी इंसान अपने रिश्तों और कामकाज में उलझन महसूस करता है।

स्वास्थ्य संबंधी परेशानी -पुराने रोग या अचानक बीमारियां प्रकट हो सकती हैं, खासकर मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है.

वित्तीय संकट -अचानक नुकसान या अनपेक्षित खर्च की संभावना बढ़ जाती है।

छुपी हुई चिंताएं -डर, मानसिक अवसाद और तनाव बढ़ सकता है।

रिश्तों में दूरी -परिवार या साथी के साथ समझने-समझाने में मुश्किल आ सकती है।

ध्यान और साधना -रोज सुबह या शाम 15-20 मिनट ध्यान करें. यह मन को शांत करता है और डर दूर करता है।

दान और सेवा -गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने से मानसिक संतुलन बढ़ता है।

सकारात्मक सोच अपनाएं -जीवन की चुनौतियों को सीखने के अवसर के रूप में देखें।

भगवान दत्तात्रेय कौन हैं?

भगवान दत्तात्रेय का जन्म ऋषि अत्रि और माता अनुसूया के घर हुआ था। वे अपने 24 गुरुओं के ज्ञान और शिक्षाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। दत्तात्रेय जयंती पर उनकी आराधना करने से भक्तों को आध्यात्मिक उन्नति और जीवन में सफलता प्राप्त होती है।

2025 शुभ तिथि और मुहूर्त

पूर्णिमा तिथि प्रारंभः 4 दिसंबर 2025, सुबह 08:37 बजे

पूर्णिमा तिथि समाप्तः 5 दिसंबर 2025, सुबह 04:43 बजे

शुभ मुहूर्तः

ब्रह्म मुहूर्तः सुबह 05:14 बजे – 06:06 बजे

गोधूलि मुहूर्तः शाम 05:58 – 06:24 बजे

अमृत कालः दोपहर 12:20 – 13:58 बजे

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें।

पूजा स्थान को साफ करें और लकड़ी का पाटा बिछाएं।

पाटे पर लाल कपड़ा डालकर भगवान दत्तात्रेय की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।

फूल, माला और शुद्ध घी का दीपक अर्पित करें।

गुलाल, अबीर, चंदन, जनेऊ आदि वस्तुएं अर्पित करें।

विधिवत आरती करें और भोग लगाएं।

संभव हो तो जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र या अनाज दान करें।

दत्तात्रेय मंत्र और पाठ

मंत्रः "ऊँ द्रां दत्तात्रेयाय नमः" या "ॐ श्री गुरुदेव दत्त"

मंत्र जाप कम से कम 108 बार करें, रुद्राक्ष की माला का उपयोग करें।

इसके अलावा दत्तात्रेय स्तोत्र, अवधूत गीता, गुरु स्तुति और श्री दत्त चालीसा का पाठ भी विशेष लाभकारी माना जाता है।

दत्तात्रेय जयंती 2025 का यह पर्व न केवल भगवान दत्तात्रेय की कृपा पाने का अवसर है, बल्कि अपने जीवन में आध्यात्मिक शांति और सफलता प्राप्त करने का उत्तम समय भी है।

जान्हवी कपूर ने सोशल मीडिया पर उठाए सवाल

बोलीं- अब मानवता नहीं रही, मां श्रीदेवी के निधन का किया जिक्र

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने सेलेब्स की मौतों को सनसनीखेज बनाने के लिए सोशल मीडिया और मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। अपनी मां श्रीदेवी और हाल ही में दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन का जिक्र करते हुए, जान्हवी ने गलत खबर चलाने वालों को भी निशाने पर लिया। उन्होंने सेलेब्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की, जब उनकी जिंदगियां सार्वजनिक हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान मीडिया का माहौल अक्सर हानिकारक सुर्खियों और कहानियों को बढ़ावा देता है।

हमने देखा धरमजी के साथ क्या हुआ

वी द वीमेन 2025 कार्यक्रम में बोलते हुए जान्हवी ने ये भी कहा कि कहीं न कहीं इस समस्या के लिए सेलेब्रिटीज भी जिम्मेदार हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि हमने देखा कि धरमजी के साथ क्या हुआ और ऐसा पहले भी कई बार हुआ है। मुझे यकीन है कि यह और भी बदतर होगा। मुझे लगता है कि हम इस समस्या का हिस्सा हैं। हर बार जब हम वीडियो, हेडलाइन या कहानियां - व्यूज़, कमेंट्स, लाइक्स - देते हैं, तो हम इस संस्कृति को बढ़ावा दे रहे होते हैं।

मां श्रीदेवी के निधन का किया जिक्र

जान्हवी ने कहा कि मीडिया में जिस तरह से मेरी मां के निधन को दिखाया गया, उससे मेरा दुःख और भी गहरा हो गया। जब मैंने अपनी मां को खोया, तो यह बहुत बुरा था। मुझे नहीं पता कि आप सब सोच भी सकते हैं कि अपने किसी इतने करीबी को खोना और उसे मीम बनते देखना कैसा होता है। मुझे यह भी नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं, लेकिन यह और भी बुरा हो गया है। मैं मां के निधन के बारे में सार्वजनिक रूप से बात करने से बचती हूं, इस डर से कि लोग सोचेंगे कि वह सुर्खियां बटोरने के लिए इसका इस्तेमाल कर रही हैं। उस दौरान मैं जिस एहसास और दौर से गुज़री, उसे मैं कभी शब्दों में बयां नहीं कर पाऊंगी। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं कि ऐसा लगे कि मैं अपनी जिंदगी के इतने दर्दनाक हिस्से को सुर्खियां बनाने के लिए इस्तेमाल कर रही हूं।

हमने अपनी नैतिकता खो दी

सोशल मीडिया पर निशाना साधते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया ने मानव नैतिकता को पूरी तरह से पटरी से उतारने में अकेले योगदान दिया है। मौजूदा वक्त में मानव नैतिकता चरमरा गई है और यह निराशाजनक है।

पहले हमारे पास एक चेतना थी जो हमें कुछ चीजें देखने या कहने से रोकती थी, लेकिन अब वह बात नहीं रही। यह आज का संकट है कि हमने अपनी नैतिकता खो दी है। कोई मर जाता है, कोई भयानक हमला होता है और आप उन चीजों को देखना चाहते हैं जो आपको नहीं देखनी चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए इसे बहुत बढ़ावा दिया गया है।

पेद्दी में नजर आएंगी जान्हवी

वर्कफ्रंट की बात करें तो जान्हवी आखिरी बार 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं। अब वो साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ तेलुगु फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है।

अमिताभ बच्चन से प्यार और शादी से जुड़े सवाल पर बोलीं जया बच्चन-पुराने जख्म कुरेदने जरूरी हैं क्या'?

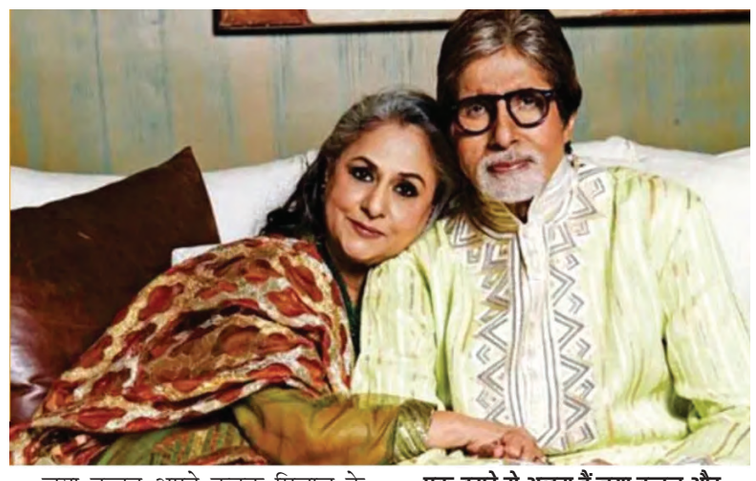

जया बच्चन अपने कड़क मिजाज के लिए जानी जाती हैं। अक्सर पैपराजी पर वे जमकर गुस्सा करती दिखती हैं। हाल ही में जया बच्चन ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर खुलकर बात की। इतना ही नहीं, उन्होंने शादी के कॉन्सेप्ट को लेकर कहा कि 'यह दिल्ली का लड्डू है खाओ तो मुश्किल न खाओ तो मुश्किल'। अभिनेत्री ने कहा कि वे नहीं चाहतीं कि उनकी नातिन नव्या शादी करें।

कहा- 'इससे ज्यादा प्यार तो मैं नहीं कर सकती'

जया बच्चन ने यह बातचीत मोजो स्टोरी पर बरखा दत्त के साथ की। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से बरखा दत्त ने इस बातचीत की एक क्लिप शेयर की है। इसमें वे जया बच्चन से पूछती हैं पहली बार कब लगा कि आपको अमिताभ बच्चन से प्यार हो गया है। इस पर जया बच्चन ने हंसते हुए कहा, 'पुराने जख्म कुरेदना जरूरी है क्या'? उन्होंने आगे कहा, 'मैं पिछले 52 वर्ष से एक ही शख्स के साथ शादीशुदा रिश्ते में हूं। इससे ज्यादा प्यार तो मैं नहीं कर सकती।'

एक-दूसरे से अलग हैं जया बच्चन और अमिताभ बच्चन के विचार

जया बच्चन ने अपनी शादी को लेकर आगे कहा कि शादी को लेकर अपने मॉडर्न विचारों के बावजूद वे अमिताभ के प्यार में तुरंत पड़ गईं। आगे कहा, 'जब मैं कहूंगी कि शादी मत करो, तो यह बात पुरानी लगने लगेगी... यह पहली नजर का प्यार था'। इस बातचीत में जया बच्चन ने यह भी कहा कि उनके और अमिताभ बच्चन के विचार एक-दूसरे से काफी अलग हैं।

इस वजह से की बिग बी से शादी

जब पूछा गया कि क्या अमिताभ बच्चन भी शादी के बारे में यही सोचते हैं, तो जया ने कहा, ₹मैंने उनसे नहीं पूछा है। वह कह सकते हैं कि 'मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती', लेकिन मैं यह सुनना नहीं चाहती'। जया बच्चन ने अमिताभ बच्चन को लेकर कहा, 'वह बहुत अलग व्यक्तित्व के हैं। शायद इसलिए मैंने उनसे शादी की। अगर मैंने अपने जैसे किसी आदमी से शादी की होती? वह वृंदावन में होता और मैं कहीं और होती'।

बेटी सरायाह के साथ क्रिसमस मनाएंगी कियारा आडवाणी, शेयर की दिलचस्प तस्वीर

कियारा आडवाणी ने हाल ही में अपनी बेटी के नाम से पर्दा उठाया था। उन्होंने अपनी बेटी का नाम सरायाह मल्होत्रा रखा है। वहीं अब क्रिसमस से पहले कियारा ने सोशल मीडिया पर क्रिसमस ट्री की एक झलक शेयर कर अपने दिल की बात बताई है।

कियारा का पोस्ट

कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है जिसमें एक क्रिसमस ट्री दिखाई दे रहा है। इसके सामने एक कप नजर आ रहा है जिसमें शायद ग्रीन टी है, यह तो साफ नहीं है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि कियारा सर्दियों में इस पेय का भरपूर आनंद ले रही हैं। इसके साथ कियारा ने लिखा, 'साल का सबसे अच्छा समय।' इसके साथ ही एक दिल वाला इमोजी बनाया।

2024 पर क्रिसमस का पोस्ट

कियारा और सिद्धार्थ हर बार क्रिसमस बड़े धूमधाम और उत्साह से मनाते हैं। पिछले साल, इस जोड़े ने अपने क्रिसमस सेलिब्रेशन की एक प्यारी सी तस्वीर शेयर करते हुए अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं दी थीं। इंस्टाग्राम पर एक साझा पोस्ट में, दोनों ने लिखा, 'हमारी तरफ से आपको मेरी क्रिसमस।' दोनों ने एक-दूसरे को कसकर गले लगाते हुए एक तस्वीर भी शेयर की थी।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के बारे में

कियारा और सिद्धार्थ 2023 में शादी के बंधन में बंधे। इसके बाद उन्होंने जुलाई 2025 में अपनी बेटी का स्वागत किया और उसका नाम सरायाह मल्होत्रा रखा। सरायाह एक हिब्रू नाम है, जिसका अरबी मूल का अर्थ 'राजकुमारी' या 'महान आश्रय' है।

कृति सेनन की बहन नूपुर अगले महीने करेंगी डेस्टिनेशन मैरिज, उदयपुर में होगा भव्य समारोह

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन की शादी की खबरें सामने आ रही हैं। चर्चा है कि नूपुर अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड से अगले महीने उदयपुर में शादी रचाने वाली हैं। जानिए कौन है नूपुर का होने वाला दूल्हा।

कब और कहां होगी नूपुर की शादी?

नूपुर सेनन ने सिंगर स्टेबिन बेन के साथ 8-9 जनवरी 2026 को फेयरमोंट पैलेस में उदयपुर में भव्य शादी की तैयारी कर ली है। मेहंदी-संगीत के साथ, यह शादी बेहद निजी और स्टारडम से भरपूर होगी। 8 जनवरी को मेहंदी और संगीत होगा, जबकि 9 जनवरी को मुख्य शादी की रस्में होंगी।

कौन-कौन होगा शादी में शामिल?

नूपुर की शादी में परिवार, करीबी दोस्त और बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री के कुछ बड़े नाम शामिल होंगे। कृति सेनन और उनके दोस्तों के आने की भी पूरी उम्मीद है। नूपुर पिछले कुछ साल से म्यूजिक वीडियो में नजर आ रही हैं। अब वह जल्द ही बॉलीवुड फिल्म में डेब्यू करने वाली हैं। हालांकि, दोनों ने अभी तक अपने रिलेशनशिप या शादी को लेकर कुछ नहीं कहा है।

कौन हैं स्टे बिन बेन स्टेबिन बेन

स्टेबिन बेन एक भारतीय गायक और प्लेबैक सिंगर हैं। उन्होंने 'साहिबा,' 'थोड़ा थोड़ा प्यार,' और 'रूला के गया इश्क' जैसे कई हिट गाने गाए हैं। वह एक बहुमुखी कलाकार हैं जिन्होंने बॉलीवुड के कई संगीतकारों और अभिनेताओं के साथ काम किया है।

एआई जेनरेटेड अश्लील फोटोज पर रश्मिका ने जताई नाराजगी

बोलीं- ऐसा करने वालों को कठोर सजा मिलनी चाहिए

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के बढ़ते प्रयोग से बॉलीवुड भी काफी चिंतित है। वजह है एआई का गलत इस्तेमाल करके सेलेब्स के फेक और अश्लील फोटोज व वीडियोज बनाए जा रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल होते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने नाराजगी जताई है।

रश्मिका ने की जागरुकता फैलाने की अपील

रश्मिका ने अपने एक्स अकाउंट पर एआई-जनरेटेड कंटेंट के संचालन में जवाबदेही और जिम्मेदारी की अपील की है। अपनी पोस्ट में रश्मिका ने जागरूकता और नैतिक उपयोग की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने इसे एक नैतिक पतन बताया, जिसका सामना करना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेट एक ऐसी जगह बन गया है जहां मनगढ़ंत सीन को आसानी से असली बताकर पेश किया जा सकता है।

इंटरनेट अब सच्चाई का आईना नहीं रहा

एआई के जरिए महिलाओं की अश्लील तस्वीरें बनाने और उनका दुरुपयोग करने पर रश्मिका ने नाराजगी जताई। एक्ट्रेस ने कहा कि जब सच्चाई गढ़ी जा सकती है, तो हमारा विवेक हमारी सबसे बड़ी ताकत बन जाता है। एआई प्रगति की ओर एक कदम है, लेकिन अश्लीलता फैलाने और महिलाओं को निशाना बनाने के लिए इसका दुरुपयोग कुछ लोगों में गहरे नैतिक पतन का संकेत देता है। याद रखें, इंटरनेट अब सच्चाई का

आईना नहीं रहा। यह एक ऐसा कैनवास है जहां कुछ भी गढ़ा जा सकता है। आइए हम दुरुपयोग से ऊपर उठें और एक अधिक सम्मानजनक और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए एआई का उपयोग करें। लापरवाही के बजाय जिम्मेदारी चुनें। अगर लोग इंसानों की तरह व्यवहार नहीं कर सकते, तो उन्हें कड़ी और कठोर सजा मिलनी ही चाहिए।

'कॉकटेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं रश्मिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका मंदाना आखिरी बार 'द गर्लफ्रेंड' में नजर आई थीं। इन दिनों वो होमी अजानिया द्वारा निर्देशित फिल्म 'कॉकटेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और कृति सेनन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कमाल के एक्टर ही नहीं, फैशन 'गाइड' भी थे देव आनंद; काले कपड़े पहनने पर लग गया था बैन?

आज हिंदी सिनेमा के उस सुपरस्टार की डेथ एनिवर्सरी है, जिनके अभिनय और अंदाज के बारे में तो लोग बातें करते ही हैं, साथ ही उनकी दीवानगी के किस्सों पर भी खूब बातें हुआ करती हैं। हम बात कर रहे हैं देव आनंद साहब की। वही देव आनंद साहब, जिनके बारे में कहा जाता है कि उन पर काले कपड़े पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। देव आनंद शानदार अभिनेता, प्रतिभाशाली निर्देशक और निर्माता थे। 60 के दशक में फिल्म इंडस्ट्री में रोमांस, स्टाइल और दिल को छूने वाले किरदार निभाने वाले देव आनंद यारों के यार थे।

65 रुपये की पगार पर की नौकरी

देव आनंद ने करीब छह दशक तक इंडस्ट्री पर राज किया। उनका जन्म 26 सितंबर 1923 को पंजाब के शंकरगढ़ में हुआ था। देव आनंद का असली नाम धर्मदेव पिशोरिमल आनंद था, लेकिन उन्हें बॉलीवुड में सिर्फ देव आनंद के नाम से जाना गया। देव साहब के घर वाले उन्हें चीरू कहकर बुलाते थे। देव आनंद बचपन से ही एक्टर बनना चाहते थे। अंग्रेजी साहित्य में पढ़ाई करने के बाद 1940 की शुरुआत में देव आनंद एक्टर बनने का सपना लेकर मुंबई चले आए। यहां उन्होंने चर्चगेट पर मिलिट्री सेंसर के ऑफिस में 65 रुपये की पगार पर नौकरी की, इसके बाद उन्होंने एक अकाउंटिंग फर्म में 85 रुपये प्रति माह की नौकरी बतौर क्लर्क की। इसके बाद वह अपने बड़े भाई चेतन आनंद के साथ जुड़ गए और इंडियन पीपुल थिएटर एसोसिएशन (आईपीटीए) के सदस्य बन गए।

1946 से शुरू हुआ अभिनय सफर

देव आनंद की पहली फिल्म 'हम एक हैं' (1946) थी। देव आनंद के बारे में कहा जाता है कि वह इतने हैंडसम थे कि उन्हें फिल्में भी यूं ही मिल जाया करती थीं। एक सांस में लंबी डायलॉग डिलीवरी और एक तरफ झुक कर चलने का उनका खास अंदाज लोगों को बहुत पसंद आता था। देव आनंद ने अपने करियर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1946 से 2011 तक देव आनंद ने सिनेमा की दुनिया में सक्रिय रहते हुए लगभग 19 फिल्मों का निर्देशन किया और

अपनी 13 फिल्मों की कहानी खुद लिखी। बतौर अभिनेता देव आनंद की सबसे अधिक चर्चित फिल्में थीं 'गाइड', 'जिद्दी', 'काला पानी', 'हरे कृष्णा हरे रामा' और 'मुनीम जी'। फिल्म गाइड आज भी दर्शकों को पसंद है। इस फिल्म के जरिए पहली बार लिव इन रिलेशनशिप को पर्दे पर दिखाया गया था। यह देव आनंद की पहली रंगीन फिल्म थी, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का फिल्म फेयर अवॉर्ड भी मिला।

निभाया था गुरु दत्त से किया वादा

देव साहब को एक्टिंग और डायरेक्शन में महारत हासिल थी। वर्ष 1949 में उन्होंने नवकेतन फिल्म्स के नाम से अपनी प्रोडक्शन कंपनी की शुरू की। गुरु दत्त को ब्रेक देने का श्रेय भी देव साहब को ही दिया जाता है। इसके पीछे एक दिलचस्प किस्सा है। 1940 के आसपास की बात है। देव आनंद एक्टर बनने मुंबई आए थे। एक फिल्म के सिलसिले में उन्हें प्रभात स्टूडियो जाना था। उस इलाके में एक ही लॉन्ड्री थी, जहां देव आनंद अपने कपड़े धुलवाया करते थे। उस दिन जब वे लॉन्ड्री पहुंचे तो उनके कपड़े गायब थे। देव, दूसरे कपड़े पहनकर स्टूडियो पहुंचे। वहां जाकर देखा कि एक लड़के ने उनके वही कपड़े पहने थे, जो लॉन्ड्री से गायब हुए थे। वह उस लड़के के पास गए और कहा, 'यार, तुम्हारे कपड़े बहुत अच्छे लग रहे हैं, कहां से लिए?' लड़के ने जवाब दिया, 'मेरे नहीं है, लेकिन किसी को बताना मत, आज लॉन्ड्री वाले के यहां गया तो उसने मेरे कपड़े धोए नहीं थे, मुझे वहां ये कपड़े बढ़िया लगे, तो उठा लाया।' देव आनंद को लड़के की साफगोई उन्हें पसंद आई। यह लड़का कोई और नहीं गुरु दत्त साहब थे। यहीं से दोनों की दोस्ती शुरू हुई और तभी देव आनंद ने गुरु दत्त से वादा किया कि मैं जब भी अपनी पहली फिल्म बनाऊंगा, उसे तुम ही डायरेक्ट करोगे। जब देव आनंद ने अपने प्रोडक्शन की पहली फिल्म 'बाजी' बनाई तो उसके डायरेक्टर गुरु दत्त ही थे।

फैशन और स्टाइल आइकन थे देव आनंद

देव आनंद को उनके रोमांटिक रोल और जबर्दस्त स्टाइल के लिए जाना जाता था। उनकी चेक प्रिंटिड कैप का प्रभाव आने वाली पीढ़ी पर खूब पड़ा था। देव आनंद का लुक बेहद यूनिक था। अपने स्टाइल से वे लोगों के बीच फैशन 'गाइड' भी बन गए थे। ज्यादातर लोगों ने उनकी स्टाइल की कैप पहनना शुरू कर दी थीं और आज भी सिलसिला जारी है। उन्हें लेकर एक बात खूब कही जाती है कि फिल्म 'काला पानी' के बाद कोर्ट की तरफ से उनके काले कपड़े पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। कथित तौर पर काले कपड़ों में वे इतने जंचते थे कि लोग फिदा हो जाते थे। खासकर युवतियां उन्हें हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे दावे भी किए गए कि यह सिर्फ अफवाह मात्र थी, मगर इतनी ज्यादा प्रचारित हुई कि इसे हकीकत माना जाने लगा।

फैंस की भीड़ के बीच कहा था- 'मैं शम्मी कपूर हूं'

देव आनंद से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा एक बार अभिनेत्री शायरा बानो ने साझा किया था। उन्होंने बताया था, ₹लेबनान के बालबेक में खंडहरों के बीच गाना शूट हो रहा था। वहां जुटी विदेशियों की भीड़ ने चिल्लाना शुरू कर दिया, 'शम्मी कपूर.. शम्मी कपूर' वहां 'जंगली' सुपरहिट थी और भीड़ ने देव साहब को शम्मी कपूर समझ लिया। कोई और होता तो शायद नाराज हो जाता, मगर देव आनंद ने मुस्कुराते हुए हाथ हिलाया और जोर से बोले, 'हां... हां... हेलो! मैं शम्मी कपूर हूं। उस दिन समझ आया कि देव साहब का दिल कितना बड़ा है'।

अधूरी रह गई थी मोहब्बत

देव आनंद का पहला प्यार सुरों की रानी सुरैया थीं। फिल्म 'विद्या' की शूटिंग के दौरान जब वह पानी में डूब रही थीं तो देव साहब ने अपनी जान पर खेल कर उन्हें बचाया था। यहीं से इन दोनों की प्रेम कहानी शुरू हुई। फिल्म 'जीत' के सेट पर देव साहब ने सुरैया को 3000 रुपये की हीरे की अंगूठी के साथ प्रपोज भी किया। लेकिन सुरैया की नानी की वजह से ये रिश्ता कभी जुड़ नहीं सका। उन्हें यह रिश्ता इसलिए मंजूर नहीं था, क्योंकि देव आनंद हिंदू थे और सुरैया मुस्लिम। फिल्म टैक्सी ड्राइवर की शूटिंग के दौरान देव आनंद का दिल अपनी नई हीरोइन कल्पना कार्तिक पर आ गया। फिल्म की शूटिंग के दौरान ही एक दिन दोनों ने लंच ब्रेक में शादी कर ली।

कल्पना आखिरी दम तक देव आनंद की पत्नी रहीं। 03 दिसंबर 2011 में देव आनंद ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

सदाबहार सुपरस्टार देव आनंद आज भले ही दुनिया में न हों, लेकिन अपनी बेहतरीन फिल्मों, अलग अंदाज और शानदार एक्टिंग के जरिए वो हमेशा लोगों के बीच जिंदा रहेंगे।

30 की आयु के बाद बढ़ जाता है कई बीमारियों का खतरा, समय रहते करा लें जांच

लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कई प्रकार की गंभीर बीमारियों का खतरा वैश्विक स्तर पर बढ़ता जा रहा है। पिछले 10 साल के आंकड़े देखें तो पता चलता है कि कम उम्र के लोगों में भी कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। कम उम्र में बीमारियों का बढ़ना जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाली समस्या हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, उम्र तो बढ़नी है, उम्र बढ़ेगी तो रोग-प्रतिरोधक क्षमता घटेगी, शरीर कमजोर होगा, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ने लगेगा। चिकित्सक कहते हैं कि इसके लिए समय-समय पर जांच कराते रहना और पोषण का ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

आजकल भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास खुद के लिए भी समय नहीं है। महिलाएं घर और परिवार की जिम्मेदारियों की वजह से सेहत को नजरअंदाज करती हैं, तो पुरुष ऑफिस के कामकाज की वजह से सेहत को लेकर लापरवाह देखे जाते हैं। हालांकि अगर आपकी उम्र 30 साल के आसपास है तो आपको कुछ जांच अवश्य करा लेनी चाहिए।

सफदरजंग अस्पताल दिल्ली में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के निदेशक डॉ. जुगल किशोर कहते हैं, उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों और हड्डियों के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होने लगती है। इसके

अलावा वजन बढ़ना, मधुमेह होने का जोखिम, हृदय संबंधी समस्याएं, उच्च रक्तचाप, तनाव-अवसाद का खतरा भी हो सकता है। इनसे बचे रहने के लिए प्रतिदिन व्यायाम, योग और मेडिटेशन करते रहें। चिकित्सक के परामर्श के अनुसार हर छह महीने या एक साल में पूरा हेल्थ चेकअप जरूर कराएं।

ब्लड शुगर की कराते रहें जांच

चाहे आपमें मधुमेह के लक्षण न दिख रहे हों या परिवार में पहले किसी को कभी मधुमेह की समस्या न हुई हो, फिर भी आपको 30 की आयु के बाद फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज टेस्ट, रैंडम प्लाज्मा ग्लूकोज टेस्ट, पोस्टप्रैंडियल ब्लड शुगर टेस्ट, एचबीए1सी जैसी जांचें करा लेनी चाहिए। इसके अलावा अगर आपके माता-पिता में किसी को शुगर की समस्या रही हो तो आप अपने जोखिमों को लेकर और भी सावधानी बरतें।

ब्लड प्रेशर की जांच

उच्च रक्तचाप नियंत्रित न होने पर हार्ट अटैक और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए आप घर पर ही ब्लड प्रेशर मॉनिटर लाकर अपनी जांच कर सकते हैं।

हड्डियों के लिए टेस्ट

ऑस्टियोपोरोसिस होने पर हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और फ्रैक्चर होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए आप डुअल-एनर्जी एक्स-रे एब्जॉर्पटियोमेट्री स्कैन करा लें। इससे हड्डियों में कमजोरी, विटामिन डी की कमी और बोन डेंसिटी का पता लग सकता है।

थायरॉयड

थायरॉयड ग्रंथि में गड़बड़ी की वजह से अंडर एक्टिव थायरॉइड या हाइपोथायरायडिज्म हो सकता है। यह ग्रंथि हार्मोन टी-3, टी-4 और टीएसएच का स्राव करती है, जो शरीर के चयापचय को नियंत्रित करने का काम करती है। इनमें से कोई भी परिवर्तन शरीर में गंभीर परिवर्तन उत्पन्न कर सकता है।

कंप्लीट ब्लड काउंट

इस जांच की मदद से रक्त में मौजूद रेड ब्लड सेल्स, व्हाइट ब्लड सेल्स, हीमोग्लोबिन, प्लेटलेट्स आदि की संख्या पता चलता है। स्वस्थ रहने के लिए इनका संतुलित मात्रा में होना बहुत जरूरी है।

कैंसर का ध्यान

हर साल ब्रेस्ट स्क्रीनिंग कराने से महिलाओं में शुरुआती स्टेज में गांठ बनने से रोकने में मदद मिलती है। महिलाएं साल में एक बार पैप स्मीयर और मैमोग्राम करा सकती हैं। पुरुष प्रोस्टेट से जुड़ी समस्याओं के लिए डिजिटल रेक्टल एग्जामिनेशन और प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन करा सकते हैं। लंग कैंसर के लिए एक्स-रे, कोलोरेक्टल कैंसर के लिए सालाना मल की जांच जरूरी है।

खांसी-जुकाम के बाद भी जा रहे हैं दफ्तर तो रखें इन बातों का ध्यान

सर्दी का मौसम है। इस मौसम में खांसी और जुकाम की समस्या आम बात है। सर्दी लगने पर बहुत अधिक खांसी और छींक आ सकती है जो आपको दैनिक जीवन में असहज कर देती है। अब ऐसे में घर पर रहकर आराम करना और स्वस्थ होना चाहिए लेकिन दफ्तर से सर्दी खांसी के लिए छुट्टी मिलना आसान नहीं होता। इस स्थिति में भी लोगों को दफ्तर जाना होता है और काम करना पड़ सकता है।

अगर आप सर्दी-खांसी या जुकाम से परेशान हैं और फिर भी दफ्तर जाना जरूरी है तो यह न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, बल्कि सहकर्मियों के लिए भी संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसके साथ ही आपके दफ्तर में बार-बार खांसने या छींकने से सहकर्मियों को भी डिस्टर्ब हो सकता है। ऐसी स्थिति में कुछ जरूरी सावधानियां बरतकर आप खुद को और दूसरों

को सुरक्षित रख सकते हैं।

खांसी और जुकाम में दफ्तर जाने पर बरतें ये सावधानियां

मास्क पहनें

खांसी और जुकाम होने पर हमेशा मास्क पहनकर रखें। खासकर बात करते समय मास्क जरूर पहनें ताकि छींक और खांसी आने पर सामने वाले को संक्रमण का खतरा न हो। आप N95 या सर्जिकल मास्क का उपयोग कर सकते हैं। इससे वायरस और बैक्टीरिया के प्रसार को रोका जा सकता है।

सैनिटाइज करें

अपने हाथों को नियमित रूप से सैनिटाइज करें। खासकर जब आप खांसते या छींकते हैं। दफ्तर में अपने डेस्क पर एक सैनिटाइजर रखें और सहकर्मियों से हाथ मिलाने या किसी वस्तु को साझा करने से बचें। समय-समय पर हाथ धोएं।

दूरी बनाए रखें

सहकर्मियों से उचित दूरी बनाए रखें जोकि कम से कम 1 मीटर तो होनी चाहिए। दफ्तर में कोई मीटिंग होनी है और आपको उसमें शामिल होना है तो मास्क लगाकर मीटिंग में भाग लें। साथ ही दूसरों के नजदीक न बैठें।

टिशू और रूमाल रखें साथ

खांसते या छींकते समय मुंह पर टिशू या रूमाल रखें। उपयोग किए गए टिशू को तुरंत कूड़ेदान में डालें और हाथ धो लें। कीबोर्ड, माउस, फोन और डेस्क को समय-समय पर साफ करें।

खरीदना है स्वेटर तो इन बातों का रखें ध्यान वरना ठंड नहीं रुकेगी और पैसे भी होंगे बर्बाद

दिसंबर का महीना चल रहा है, ऐसे में हर कोई घूमने-फिरने भी जा रहा है। इस मौसम में लोग सर्दी से बचाव के साथ-साथ स्टाइलिश दिखने के लिए भी वुलेन कलेक्शन खरीदते हैं। महिलाओं से लेकर पुरुष तक इस सीजन में अच्छे-अच्छे स्वेटर खरीदते हैं।

वैसे तो स्वेटर सस्ते से लेकर महंगे तक हर दाम में मिल जाते हैं, लेकिन कई बार लापरवाही और पहचान न होने की वजह से हम खराब क्वालिटी का स्वेटर खरीद लेते हैं। इस वजह से न सिर्फ पैसे बर्बाद होते हैं, बल्कि सर्दी में भी परेशान होना पड़ता है। इसी के चलते हम आपको कुछ टिप्स देने जा रहे हैं, जिसे फॉलो करके आप अच्छा स्वेटर खरीद सकते हैं। यदि आप हमारी बताई गई बातों को फॉलो करके स्वेटर खरीदेंगे तो आपसे पैसे का व्यय सही जगह होगा।

क्वालिटी हो सही

कई बार हम भारी-भारी स्वेटर तो खरीद लेते हैं, लेकिन वो हमें सर्दी से नहीं बचा पाते। ऐसा उसकी खराब क्वालिटी की वजह से होता है। ऐसे में हमेशा स्वेटर की क्वालिटी पर ध्यान दें। अच्छी क्वालिटी का स्वेटर भले ही पतला हो लेकिन ये फिर भी सर्दी से बचाव कर लेता है।

फैब्रिक का रखें ध्यान

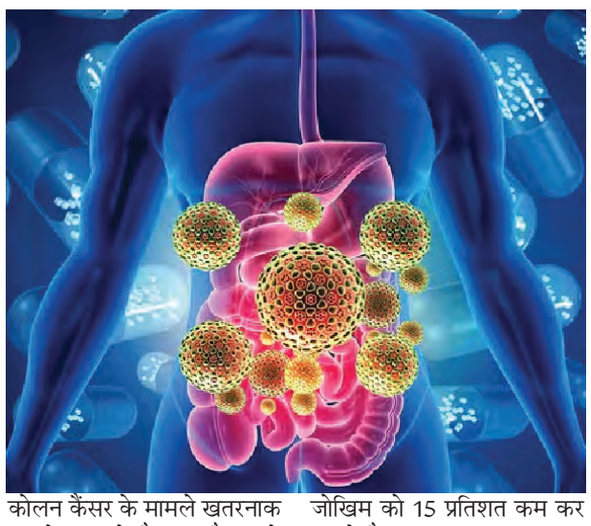

स्वेटर सिर्फ ऊन के ही नहीं आते हैं। अलग-अलग स्वेटर का अलग-अलग फैब्रिक होता है। ऊन सर्दी से बचाव के लिए अच्छा होता है, जबकि कैशमीर हल्का और मुलायम होता है। यदि आप हल्के स्वेटर की तलाश में हैं, तो कॉटन या एक्रिलिक अच्छा विकल्प हो सकता है।

सही होना चाहिए साइड

स्वेटर का आकार हमेशा सही

होना चाहिए। ये न तो बहुत तंग होना चाहिए और न ही बहुत ढीला। स्वेटर का आकार आपके शरीर के आकार के अनुसार होना चाहिए ताकि आप उसमें आरामदायक महसूस करें। टाइट होने पर ये आपको परेशान कर सकता है, वहीं ढीला होने पर ये ठंड से बचाव नहीं कर पाएगा।

स्वेटर के प्रकार पर दें ध्यान

स्वेटर खरीदते समय उसके प्रकार पर खास ध्यान दें। यदि आपको ट्रेंडी लुक चाहिए तो फिटेड या स्लिम कट चुनें, जबकि अगर आपको आरामदायक या कंफर्टेबल लुक चाहिए, तो रैग्लान या ओवरसाइज्ड स्वेटर चुन सकते हैं। हर प्रकार का स्वेटर पहनने का तरीका और स्टाइल अलग ही होता है।

आहार में इस बदलाव से 15% तक कम हो सकता है घातक कैंसर का खतरा

कैंसर दुनियाभर में तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है, इसे मृत्यु के प्रमुख कारणों के रूप में भी जाना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, कैंसर हमारे शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है, इतना ही नहीं कम उम्र के लोगों को भी इसका शिकार पाया जा रहा है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को युवावस्था से ही कैंसर के खतरे से बचे रहने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं। आंकड़े बताते हैं कि दुनियाभर में कोलन कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है जोकि चिंताजनक है।

कोलन कैंसर, कोलन या बड़ी आंत के किसी भी हिस्से में हो सकता है। इसे कोलोरेक्टल कैंसर के नाम से भी जाना जाता है। हर साल इस कैंसर के कारण दुनियाभर में लाखों लोगों की मौत हो जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, समय पर कैंसर का पता न चलने के कारण मृत्युदर अधिक देखी जाती रही है।

सावधान, आप भी इस कैंसर का शिकार हो सकते हैं। इससे बचे रहने के लिए खान-पान और दिनचर्या में कुछ सुधार बहुत आवश्यक हैं। आइए इस बारे में जानते हैं।

युवाओं में बढ़ रहा है कोलन कैंसर का खतरा

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि युवा वयस्कों में

कोलन कैंसर के मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। इस कैंसर से बचाव कैसे किया जा सकता है, इसको लेकर किए गए अध्ययन में पाया गया है कि आहार में कुछ प्रकार के बदलाव आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं, विशेषरूप से फाइबर वाली चीजों का अधिक सेवन करना।

अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के अनुसार, कोलन कैंसर के लगभग 20 प्रतिशत मामले 54 वर्ष और उससे कम उम्र के लोगों में होते हैं। ऑस्ट्रेलिया की फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के शोध से पता चलता है कि खान-पान की अच्छी आदतें कोलन कैंसर सहित पेट के अन्य कैंसर के जोखिमों को काफी कम कर सकती हैं। डाइट में फाइबर और हेल्दी अनसेचुरेटेड फैट से भरपूर आहार कोलन कैंसर के जोखिम को 15 प्रतिशत कम कर सकते हैं।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

साल 2022 में कोलोरेक्टल कैंसर के कारण नौ लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई, जिससे यह दुनियाभर में कैंसर से जुड़ी मौतों का दूसरा सबसे बड़ा कारण बन गया। विशेषज्ञों को चिंता है कि 2040 तक मौतों की संख्या बढ़कर 1.6 मिलियन (16 लाख) प्रति वर्ष हो सकती है। फ्लिंडर्स हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के पोषण महामारी विज्ञानी और वरिष्ठ शोधकर्ता योहानेस मेलाकू कहते हैं, हाई फाइबर वाले खाद्य पदार्थ आंतों में स्वस्थ बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जो इंफ्लामेशन और कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं। कोलन कैंसर से खतरे से बचे रहने के लिए स्वस्थ वसा और फाइबर वाली चीजों को आहार में शामिल करना और चीनी-शराब से बचाव करना बहुत महत्वपूर्ण है।

किन चीजों से करें परहेज?

कैंसर के खतरे से बचे रहने के लिए क्या खाना चाहिए, ये जानने से ज्यादा जरूरी है कि किन चीजों से परहेज करें? शोधकर्ताओं ने बताया कि रेड और प्रोसेस्ड मीट, प्रोसेस्ड कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें, शर्करा युक्त पेय और शराब की आदत आपमें कोलन कैंसर के खतरे को 14 प्रतिशत तक बढ़ा देते हैं।हालांकि सकारात्मक पक्ष यह है कि अधिक फल, सब्जियां, डेयरी और साबुत अनाज का सेवन करके इससे काफी हद तक सुरक्षित रहा जा सकता है।

कोलेन कैंसर का निदान

कोलन कैंसर के खतरे को कम करने और समय पर इसके निदान के लिए शोधकर्ताओं ने एक रक्त परीक्षण के बारे में बताया जिससे निदान में आसानी हो सकती है।न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित इस अध्ययन के परिणाम में बताया गया है कि खास प्रकार के रक्त परीक्षण से ट्यूमर से रक्त प्रवाह में रिलीज किए गए डीएनए का पता लगा सकता है। अब तक 7,800 से अधिक लोगों के परीक्षण में इस नए टेस्ट को 87% सटीक पया गया है।

क्या आपके भी पेट में होता है असहनीय दर्द, खराब पाचन के अलावा हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

पेट में दर्द होना एक सामान्य समस्या है, जिससे लगभग सभी लोग कभी न कभी जरूर दो चार होते हैं। सामान्य तौर पर खराब पाचन या पेट में गैस बनने की वजह से पेट दर्द होता है। गैस की वजह से तो कई बार पेट में अधिक दर्द में महसूस होता है। मगर जरूरी नहीं है कि हर पेट में असहनीय दर्द होना पाचन या गैस संबंधी समस्या हो। कई बार यह शरीर के आंतरिक अंगों में पनप रही कई गंभीर बीमारियों का शुरुआती संकेत हो सकता है, जिनके लिए तुरंत चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता होती है।

पेट हमारे शरीर का एक केंद्रीय बिंदु है जहां पाचन तंत्र के कई प्रमुख अंग जैसे लिवर, किडनी, पित्ताशय, अग्न्याशय और आंतें स्थित होते हैं। जब इनमें से किसी भी अंग में संक्रमण, सूजन, या रुकावट आती है, तो दर्द महसूस होता है। इन बीमारियों को नजरअंदाज करना कई बार जानलेवा भी हो सकता है। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि पेट में दर्द होना किन-किन गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है, और साथ

ही उन बीमारियों के अन्य लक्षण भी जानेंगे जिससे आप बीमारी की पहचान कर सकते हैं।

पित्ताशय की पथरी

अगर आपको पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में अचानक, तेज दर्द होता है, जो अक्सर भारी या तैलीय भोजन खाने के बाद शुरू होता है और पीठ या दाहिने कंधे तक फैलता है, तो यह पित्ताशय की पथरी का संकेत हो सकता है। यह दर्द तब होता है जब पथरी पित्त नलिकाओं में फंस जाती है। इसके साथ उल्टी और मतली भी महसूस हो सकती है, जिसके लिए तुरंत इलाज कराना आवश्यक है।

अपेंडिसाइटिस और आंत्र रोग

अगर दर्द नाभि के पास से शुरू होकर दाहिने निचले पेट की ओर बढ़ता है और तेज हो जाता है, तो यह अपेंडिसाइटिस का संकेत हो सकता है। यह एक मेडिकल इमरजेंसी है जिसमें तुरंत सर्जरी की जरूरत होती है। इसके अलावा, पेट में ऐंठन और दर्द के साथ लगातार दस्त या कब्ज बने रहना इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम या इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज जैसी गंभीर आंत्र रोगों का संकेत है।

किडनी स्टोन और अल्सर का दर्द

पेट में दर्द गुर्दे की पथरी का भी संकेत हो सकता है। किडनी स्टोन का दर्द अक्सर पीठ के निचले हिस्से से शुरू होकर पेट के किनारे तक जाता है और फिर नीचे की ओर बढ़ता है। यह दर्द लहरों में आता है और अत्यंत तीव्र होता है। वहीं अगर आपको पेट के ऊपरी मध्य भाग में जलन के साथ दर्द होता है, जो खाली पेट बढ़ जाता है, तो यह पेट के अल्सर का लक्षण हो सकता है।

कब डॉक्टर से मिलें?

अगर आपको पेट दर्द के साथ बुखार, खून की उल्टी, पेशाब या मल में खून आना, लगातार दस्त, या अचानक वजन घटना जैसे कोई भी गंभीर लक्षण दिखाई देते हैं, तो तत्काल डॉक्टर से संपर्क करें। सामान्य अपच का दर्द आमतौर पर एक-दो दिन में ठीक हो जाता है, लेकिन असहनीय या लगातार बना रहने वाला दर्द आंतरिक स्वास्थ्य समस्या की ओर इशारा करता है।

गले में खराश को झट से दूर कर सकते हैं ये घरेलू उपाय, बस जान लें अपनाने का तरीका

सर्दियों के मौसम में गले में खराश, दर्द और हल्की सूजन होना एक आम शिकायत है। यह अक्सर ठंडी और रूखी हवा, वायरल संक्रमण (जैसे सामान्य सर्दी-जुकाम), या प्रदूषण के कारण होता है। गले की खराश तब होती है जब गले के ऊतकों में सूजन आ जाती है, जिससे खाना निगलना और बोलना मुश्किल हो जाता है।

हमारी भारतीय रसोई में कई ऐसे पुराने घरेलू उपाय मौजूद हैं जो बिना किसी साइड इफेक्ट के गले की खराश को दूर कर सकते हैं और संक्रमण से लड़ते हैं। इन उपायों का मुख्य लक्ष्य गले के बैक्टीरिया को मारना, बलगम को पतला करना और दर्द से तुरंत आराम दिलाना होता है। इन सरल तरीकों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके, आप ठंड के कारण होने वाली गले की परेशानी को जड़ से खत्म कर सकते हैं। आइए इस लेख में ऐसे ही कुछ घरेलू उपायों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

नमक के पानी के गरारे

गले की खराश दूर करने का सबसे आसान और प्रभावी उपाय गुनगुने नमक के पानी से गरारे करना है। इसके लिए एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच सादा नमक मिलाकर दिन में 3 से 4 बार गरारे करें। यह नमक गले की कोशिकाओं से अतिरिक्त तरल पदार्थ को खींचकर सूजन कम करता है और गले में जमा बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है।

शहद और अदरक का मिश्रण

शहद और अदरक का मिश्रण गले की खराश के लिए एक 'रामबाण' है। इसके लिए आप एक चम्मच अदरक के ताजे रस में एक चम्मच शुद्ध शहद मिलाकर धीरे-धीरे चाटें। शहद गले पर एक सुखदायक परत बनाता है, जबकि अदरक में मौजूद जिंजरॉल नामक तत्व दर्द और सूजन को तुरंत कम करने का काम करता है।

हल्दी वाले दूध का सेवन

हल्दी वाला दूध अंदरूनी संक्रमण से लड़ने के लिए उत्कृष्ट विकल्प है। इसके लिए आप रात को सोने से पहले गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी और थोड़ी सी काली मिर्च मिलाकर पिएं। हल्दी में मौजूद एक्टिव कंपाउंड करक्यूमिन एक शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट है जो गले के संक्रमण को तेजी से ठीक करता है और शरीर को अंदर से गर्माहट देता है।

तुलसी और अजवाइन की भाप

गले और श्वसन मार्ग की सूजन को कम करने के लिए भाप लेना बहुत जरूरी है। इसके लिए गर्म पानी में 5-6 तुलसी के पत्ते और आधा चम्मच अजवाइन डालकर उबाल लें। सिर को तौलिये से ढककर इस पानी की भाप लें। तुलसी और अजवाइन के वाष्प बलगम को पतला करते हैं, जिससे गले की खराश और बंद नाक से तुरंत आराम मिलता है।

लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। दिनभर यह निगेटिव जोन में रहा। बीएसई सेंसेक्स एक समय 300 अंक से अधिक गिर गया था लेकिन अंत में यह 31.46 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। निफ्टी में 46.20 अंक की गिरावट रही। इस बीच रुपया भी पहली बार डॉलर के मुकाबले ऑल टाइम लो पर चला गया। रुपया आज डॉलर के मुकाबले 90.19 के ऑल टाइम लो पर चला गया। पिछले सत्र के मुकाबले यह 36 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ। सुबह यह 10 पैसे की गिरावट के साथ खुला था और दिन चढ़ने के साथ ही इसकी गिराव भी बढ़ती गई। अंत में यह 90.19 के स्तर पर बंद हुआ। चिंता की बात यह है कि डॉलर इंडेक्स में कमजोरी और आरबीआई के हस्तक्षेप के बावजूद रुपये में गिरावट आई है। शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 31.46 अंक यानी 0.04% गिरावट के साथ 85,106.81 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स 46.20 अंक यानी 0.18% फीसदी गिरावट के साथ 25,986.00 अंक पर बंद हुआ।

चांदी 3010 बढ़कर 1.78 लाख किलो पर बंद सोना 621 बढ़कर 1.28 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। चांदी के दाम आज यानी 3 दिसंबर को ऑल टाइम् हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार ये आज सुबह 1,78,684 रुपए हो गया था। हालांकि इसके बाद इसके दाम में थोड़ी गिरावट आई और ये 3010 रुपए बढ़कर 1,78,190 रुपए पर बंद हुई। पहले चांदी की कीमत 1,75,180 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

वहीं 10 ग्राम सोना 621 रुपए महंगा होकर 1,28,214 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोना 1,27,593 रुपए का था। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए अलग-अलग शहरों के रेट्स अलग-अलग होते हैं। पंजाब नेशनल बैंक समेत कई बैंक गोल्ड लोन रेट तय करने के लिए इन कीमतों का इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 52,052 और चांदी 92,173 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 52,052 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,28,550 रुपए हो गया है।

चांदी का भाव भी इस दौरान 92,173 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,74,650 रुपए प्रति किलो हो गई है।

3 बड़े कारण, जिससे सोने में तेजी

1. केंद्रीय बैंकों की खरीदारीः दुनियाभर के बड़े बैंक डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। इसलिए वे अपने खजाने में सोने का हिस्सा लगातार बढ़ाते जा रहे हैं। जब बड़े बैंक लगातार खरीदते हैं तो बाजार में सोने की मांग बनी रहती है और कीमत ऊपर जाती है।

2. क्रिप्टो से सोने की ओर रुखः क्रिप्टो में इस समय काफी उतार-चढ़ाव हो रहा है। ऐसे में कुछ निवेशक पैसा सोने में लगा रहे हैं। पिछले कुछ समय के दौरान भारत में शेयर बाजार से कम रिटर्न ने भी सोने को आकर्षक बना दिया।

3. शादी के सीजन से डिमांडः शादियों का सीजन शुरू होने से भी सोने की डिमांड बढ़ गई है।

भारत और रूस के बीच रणनीतिक संतुलन साधने की तैयारी, राष्ट्रपति पुतिन के दौरे को लेकर जीटीआरआई की रिपोर्ट

नई दिल्ली , 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा को लेकर जीटीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरे का फोकस पारंपरिक कूटनीति नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन, सप्लाई चेन सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता होगा। रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा वैश्विक तनाव और बंटी हुई अर्थव्यवस्थाओं के बीच दोनों देशों की प्राथमिकता निर्भरता को समझदारी से बनाए रखना है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव का कहना है कि इस यात्रा से सीमित स्तर पर रिश्तों में सुधार से लेकर क्षेत्रीय आर्थिक ढांचे में बड़े बदलाव जैसी संभावनाएं खुल सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह मुलाकात भारत-रूस साझेदारी को नई दिशा देने के साथ बदलते वैश्विक समीकरणों में संतुलन बनाने की कोशिश का भी हिस्सा है।

सबसे संभावित परिदृश्य के रूप में इसे देखा जा रहा है। इसमें भारत

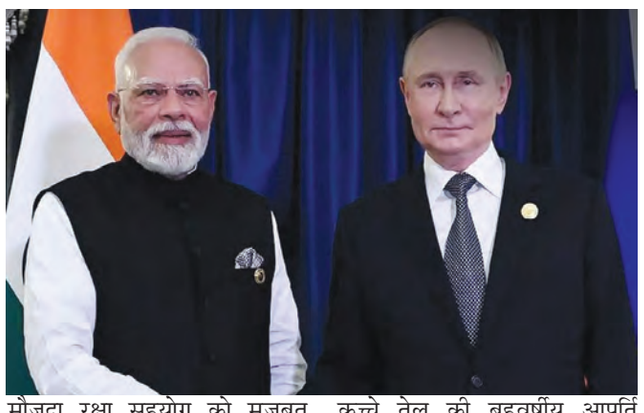

मौजूदा रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर फोकस करेगा, मुख्य सैन्य प्लेटफॉर्म्स जैसे लड़ाकू विमान, टैंक और पनडुब्बियों के लिए डिलीवरी टाइमलाइन, मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट और तकनीकी अपग्रेड पर ठोस समझौते संभव हैं।

इसके बदले रूस भारत से दीर्घकालिक ऊर्जा प्रतिबद्धताओं पर जोर दे सकता है, जिनमें एलएनजी परियोजनाओं में भारतीय हिस्सेदारी, कच्चे तेल की बहुवर्षीय आपूर्ति व्यवस्था और परमाणु संयंत्रों की निर्माण प्रगति शामिल हो सकती है।

दोनों देश भुगतान प्रणाली में भी बड़ा कदम उठा सकते हैं, यूएई दिरहम आधारित तंत्र, या रूस की एसपीएफएस प्रणाली को भारत के RuPay नेटवर्क से जोड़ने का प्रस्ताव औपचारिक रूप ले सकता है। यह मॉडल साझेदारी को स्थिर करेगा और बड़े कूटनीतिक जोखिम नहीं पैदा करेगा।

दूसरा परिदृश्य भारत-रूस संबंधों में व्यापक बदलाव ला सकता है। इसमें रक्षा उपकरणों का संयुक्त उत्पादन, रूसी ऊर्जा परियोजनाओं जैसे आर्कटिक एलएनजी 2 और वोस्तोक में भारतीय निवेश, व मौजूदा रिएक्टरों से आगे परमाणु सहयोग के विस्तार की संभावना शामिल है।

इसके साथ चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन के कुछ हिस्सों में तेजी आ सकती है।

एक नई संरचित भुगतान व्यवस्था भी लागू हो सकती है, जो रूस में फंसे निष्क्रिय रुपये के संतुलन को कम करेगी। हालांकि रिपोर्ट चेतावनी देती है कि इस तरह के बड़े कदम पश्चिमी देशों की तीखी प्रतिक्रिया को आमंत्रित कर सकते हैं।

व्यापार संरचना और ऊर्जा निर्भरता

रिपोर्ट के अनुसार भारत की रूस को वार्षिक निर्यात राशि महज पांच अरब डॉलर है, जबकि आयात करीब 64 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसका बड़ा हिस्सा ऊर्जा है। वित्त वर्ष 2024 में 4.3 अरब डॉलर का निर्यात वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 4.9 अरब डॉलर हुआ है, लेकिन व्यापार असंतुलन जस का तस है।

ऊर्जा आयात में रूस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है, 2024 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रूस से आया। 2021 में रूसी कच्चे तेल पर भारत का खर्च 2.3 अरब डॉलर था, जो 2024 में बढ़कर 52.7 अरब डॉलर हो गया। यह वैश्विक ऊर्जा स्रोतों में सबसे तेज बदलावों में से एक है।

भुगतान लेनदेन में डॉलर का इस्तेमाल लगातार घट रहा है। भारत और रूस अब दिरहम, रुपये और युआन के माध्यम से भुगतान कर रहे हैं। इसका कारण पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच उभरी वैकल्पिक वित्तीय व्यवस्था है।

लोकसभा : उत्पाद शुल्क विधेयक पर चर्चा

वित्त मंत्री बोलीं- उपकर समाप्त होने पर भी तंबाकू उत्पादों को राहत नहीं

नई दिल्ली , 3 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में कहा कि सरकार केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक लाने जा रही है, ताकि जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद भी तंबाकू उत्पादों पर कुल कर भार कम न हो।

वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि कोविड-19 अवधि के दौरान राज्यों के राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए, लिए गए ऋण को केंद्र सरकार आने वाले कुछ हफ्तों में चुकता कर देगी।

सीतारमण ने 1 दिसंबर को लोकसभा में दो अहम विधेयक पेश किए, जिनके तहत तंबाकू उत्पादों और पान मसाला पर कर व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया

जाएगा। सरकार का यह कदम सिन गुड्स पर कर ढांचे को नया रूप देने जा रहा है।

पहला विधेयक केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन), 2025 वर्तमान में लागू जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस की जगह लेगा। अभी यह सेस सिगरेट, चबाने वाले तंबाकू, सिगार, हुक्का, जर्दा और सुगंधित तंबाकू सहित सभी तंबाकू उत्पादों पर लगाया जाता है।

इस विधेयक का उद्देश्य जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद भी इन उत्पादों पर कर बोझ को सुरक्षित रखना है। विधेयक के उद्देश्यों और कारणों में स्पष्ट कहा गया है कि यह सरकार को तंबाकू और उसके उत्पादों पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क बढ़ाने की वित्तीय गुंजाइश देगा, ताकि कुल टैक्स भार में गिरावट न आए।

इस नए ढांचे के तहत सिगरेट, सिगार और चिरूट पर 5,000 से 11,000 प्रति 1,000 स्टिक की दर से उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। वहीं, बिना प्रसंस्कृत तंबाकू पर 60 से 70% और निकोटिन व इनहेलेशन आधारित उत्पादों पर 100% उत्पाद शुल्क का प्रावधान किया गया है। अभी सिगरेट पर 5% मूल्यानुसार क्षतिपूर्ति के अलावा लंबाई के आधार पर 2,076 से 3,668 प्रति 1,000 स्टिक तक का क्षतिपूर्ति सेस लगाया जाता है।

क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद, तंबाकू और संबंधित उत्पादों की बिक्री पर 40 प्रतिशत जीएसटी और उत्पाद शुल्क लगेगा, जबकि पान मसाला पर 40 प्रतिशत जीएसटी और स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर लगेगा। वर्तमान में तंबाकू और पान मसाला जैसे उत्पादों पर 28% जीएसटी के साथ अलग-अलग दरों पर क्षतिपूर्ति सेस लगता है, जिसे अब नए ढांचे से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

'रुपये में गिरावट से महंगाई या निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ रहा', बोले सीईए वी अनंत नागेश्वरन

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)।डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट के बीच मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने बयान दिया है। गिरावट का सिलसिला जारी रखते हुए रुपया बुधवार को पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर गया, शुरुआती कारोबार में छह पैसे गिरकर 90.02 पर आ गया।

सरकार रुपये में गिरावट को लेकर चिंतित नहीं

नागेश्वरन ने सीआईआई कार्यक्रम के दौरान कहा कि सरकार रुपये में गिरावट को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा कि रुपये में गिरावट से महंगाई या निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। हालांकि, उन्होंने आशा व्यक्त की कि अगले वर्ष इसमें सुधार होगा। बता दें कि वर्ष 2025 में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगभग 5 प्रतिशत की गिरावट आई। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी और बैंकों द्वारा डॉलर की निरंतर खरीद के बीच बुधवार को कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 34 पैसे गिरकर 90.30 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अनुपस्थिति ने स्थानीय इकाई पर और दबाव डाला।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य -	वृश्चिक मे	वृश्चिक...	05-13 बजे
चंद्र -	वृष मे	धनु.....	06-27 बजे
मंगल-	वृश्चिक मे	मकर...	09-34 बजे
बुध -	तुला मे	कुंभ....	11-33 बजे
गुरु -	कर्क मे	मीन....	13-02 बजे
शुक्र -	वृश्चिक मे	मेष.....	14-38 बजे
शनि -	मीन गे	वृष....	16-23 बजे
राहु -	कुंभ गे	मिथुन..	18-22 बजे
केतु -	सिंह गे	कर्क...	20-38 बजे
		सिंह---	22-48 बजे
		कन्या--	00-54 बजे
		तुला----	03-12 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-32
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-36
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष गुरुवार 04 Dec
तिथि - चतुर्दशी 08-38 तक उपरान्त (पूर्णिमा क्षय)
नक्षत्र - कृत्तिका 14-54 तक उप रोहिणी
योग - शिव 12-34 तक उप सिद्ध
करण - वणिज 08-38 तक उप विष्टी (भद्रा)
पूर्णिमा तिथि क्षय
श्रीदत्तात्रेय जयन्ती, त्रिपुरभैरव जं

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-30 14-53

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-35 - 07-57 शुभ	अमृत	17-36 - 19-16 शुभ
रोग	07-57 - 09-20 अशुभ	चंचल	19-15 - 20-53 शुभ
उत्पात	09-20 - 10-43 अशुभ	रोग	20-53 - 22-30 अशुभ
चंचल	10-43 - 12-06 शुभ	काल	22-30 - 00-07 अशुभ
लाभ	12-06 - 13-30 शुभ	लाभ	00-07 - 01-44 शुभ
अमृत	13-30 - 14-53 शुभ	उत्पात	01-44 - 03-20 अशुभ
काल	14-53 - 16-16 अशुभ	शुभ.	03-20 - 04-57 शुभ
शुभ	16-16 - 17-36 शुभ	अमृत	04-57 - 06-31 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

ये समय उन लोगो से अपने आप को अलग करने का समय है जो आपके विचारो से असहमत है या जो आपके साथ चलने या सहयता करने में असमर्थ है । यह वित्तीय संतुलन के हिसाब से भी एक बड़ा कदम होगा । आपकी इस व्यापारिक रणनीति के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा। आपकी आय सुरक्षित है और जिसे आप अपनी संपत्ति को जोड़ने के लिए उपयोग कर सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है , जिससे की आपकी भूमिका के लिए प्रशंसा और सम्मान आपको मिलने की संभावना है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीजे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है । ये समय उनके सुझावों को मानने का है और साथ ही साथ अपनी खर्चीली आदतो को कम करने का भी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं हैं इसलिए आप इस उत्पादक अवधि का लाभ नहीं उठा पा रहे है । आप अपने कार्यो की पूर्ति के लिए पहले से ही स्थापित कार्य योजना का पालन करे और आगे बढ़ें चाहे आपको कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े । यह अपने काम को खत्म करने के लिए नए तरीके अपनाने के लिए एक अच्छा समय नहीं है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 3 फीसदी बढ़ा

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भेजे गए अधिक फोन

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अक्तूबर में भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात में उछाल देखने को मिला। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में यह तीन गुना बढ़कर 1.47 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले वर्ष अक्तूबर में निर्यात 0.46 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, कुल मिलाकर, इस वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्तूबर के दौरान अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात बढ़कर 10.78 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3.60 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर शिपमेंट में गिरावट दर्ज की जा रही थी, लेकिन अब इसमें सुधार हुआ है। अप्रैल में यह 1.65 अरब डॉलर और मई में 2.29 अरब डॉलर था। लेकिन जून में निर्यात घटकर 1.99 अरब डॉलर, जुलाई में 1.52 अरब डॉलर, अगस्त में 0.96 अरब डॉलर और सितंबर में 0.88 अरब डॉलर रह गया।

एक अधिकारी ने बताया कि टैरिफ संबंधी अनिश्चितताओं के कारण मांग और मूल्य निर्धारण पर दबाव पड़ने के बावजूद यह गति मजबूत बनी रही। साल-दर-साल आधार पर, अमेरिका को ये निर्यात सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रहे थे। पिछले साल अप्रैल में यह 0.66 अरब डॉलर, मई 2024 में 0.76 अरब डॉलर, पिछले साल जून में 0.59 अरब डॉलर, जुलाई 2024 में 0.49 अरब डॉलर, पिछले साल अगस्त में 0.39 अरब डॉलर और सितंबर 2024 में 0.26 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, भारत का वैश्विक स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल-अक्तूबर 2025 में 10.68 अरब डॉलर से बढ़कर 15.95 अरब डॉलर हो गया, जो 49.35 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। विश्व बाजार ने लगातार मजबूत दोहरे अंक की वृद्धि दर्शाई है। इसका नेतृत्व मई (66.54 प्रतिशत बढ़कर 2.96 अरब डॉलर), जून (66.61 प्रतिशत बढ़कर 2.68 अरब डॉलर) और सितंबर (82.27 प्रतिशत बढ़कर 1.68 अरब डॉलर) में ठोस लाभ ने किया है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत के बढ़ते एकीकरण का संकेत है।

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू, मजबूत जीडीपी और घटती महंगाई के बीच रेपो दर पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक आज से शुरू हुई। एमपीसी के सदस्य जीडीपी वृद्धि और महंगाई के नवीनतम आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए मौद्रिक नीति की भावी दिशा पर विस्तृत चर्चा करेंगे। नीतिगत नतीजों की घोषणा आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार सुबह 10 बजे करेंगे।

इस समय भारत का आर्थिक प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है

यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब भारत का आर्थिक प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है और महंगाई में तेजी से गिरावट आई है। चालू वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही, जुलाई-सितंबर की अवधि में जीडीपी का आंकड़ा 8.2 प्रतिशत पर रहा। वहीं महंगाई रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के अनुसार भारत की खुदरा महंगाई अक्तूबर 2025 में तेजी से गिरकर 0.25 प्रतिशत पर आ जाएगी।

आरबीआई रेपो दर को रख सकता है स्थिर- रिपोर्ट

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय बैंक इस बैठक में रेपो दर को अपरिवर्तित रख सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमें उम्मीद है कि आरबीआई दिसंबर 2025 में रेपो दर को 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रखेगा। साथ ही रुख को तटस्थ बनाए रखने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है और यह आरबीआई के अपने अनुमानों से भी नीचे आ सकती है। रिपोर्ट के अनुसार संभावित ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश के बावजूद, आरबीआई आगामी नीति समीक्षा में सतर्कता बरत सकता है।

इस बीच वर्तमान स्थिति को देखते हुए केयरएज रेटिंग्स के एमडी और ग्रुप सीईओ मेहुल पंड्या ने बताया कि मजबूत जीडीपी वृद्धि और कई वर्षों से कम महंगाई दोनों ही ब्याज गर निर्णयों के लिए विपरित संकेत देते हैं।

उन्होंने कहा कि ये दोनों घटनाक्रम ब्याज दर के दृष्टिकोण से परस्पर विरोधी ताकतें हैं। केंद्रीय बैंक आमतौर पर जीडीपी वृद्धि द्वारा दर्शाई गई मजबूत आर्थिक गतिविधि की अवधि के दौरान ब्याज दरों में कटौती नहीं करते हैं। साथ ही, केंद्रीय बैंक आमतौर पर कम महंगाई वाले माहौल में ब्याज दरों में कटौती करके प्रतिक्रिया देते हैं।

रुपया 90 पार : गिरावट की अनकही कहानी

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बुधवार की सुबह भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की दो महीने के अंतराल पर होने वाली बैठक बस शुरू होने वाली थी। इसी बीच एक ऐसी खबर आई जिस पर आरबीआई के साथ-साथ पूरे बाजार की नजर थम गई। रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 का स्तर पार कर गया। रुपये में बीते आठ महीनों से गिरावट का दौर जारी है और अब यह अपने अब तक के नए निचले स्तर पर पहुंच गया। लंबी अवधि में स्थिर प्रकृति का रुपया पिछले एक वर्ष में ही 85 से 90 के स्तर के पार पहुंच गया। बुधवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 25 पैसे गिरकर अपने नए ऑल टाइम लो 90.21 पर बंद हुआ।

क्या कभी एक डॉलर एक रुपये के बराबर था?

व्यापार और अर्थशास्त्र की दुनिया में अक्सर यह सुनने को मिलता है कि आजादी के समय यानी 15 अगस्त 1947 को एक डॉलर 1 रुपये के बराबर था। यह ख्याल सुनने में तो अच्छा लगता है, लेकिन आर्थिक तथ्य और ऐतिहासिक रिकॉर्ड कुछ और ही कहानी कहते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों पर गौर करें तो असल में जब देश आजाद हुआ उस समय का एक रुपया एक डॉलर के बराबर था, लेकिन यह तथ्य सही नहीं है।

केंद्रीय बैंक के दस्तावेज 'आरबीआई द 1991 प्रोजेक्ट डेटा' के अनुसार आजादी के समय भारतीय रुपया 'अमेरिकी डॉलर' से नहीं, बल्कि 'ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग' से जुड़ा था। रुपये की विनिमय दर पाउंड से ही तय होती थी। एक पाउंड उस समय 13.33 रुपये के बराबर था। चूंकि उस समय ब्रिटिश पाउंड की वैल्यू अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4.03 थी, इस गणना के हिसाब से 1 डॉलर की कीमत लगभग 3.30 बनती थी। इसलिए सच्चाई यह है कि जब देश आजाद हुए एक डॉलर एक रुपये नहीं बल्कि 3.30 रुपये के बराबर था।

1966 में रुपये में आई पहली बड़ी गिरावट

भारतीय मुद्रा को गिरावट के लिहाज से पहला बड़ा झटका लगा साल 1966 में। इस दौरान एक डॉलर के मुकाबले रुपया 4.76 से गिरकर सीधा 7.50 रुपये पर पहुंच गया। इस कारण था उस समय का उथल-पुथल भरा दौर। देश चीन (1962) और पाकिस्तान (1965) से युद्ध के कारण परेशानियों से जूझ रहा था। इन लड़ाइयों ने अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी थी। बजट घाटा बहुत बढ़ गया था।

इसी बीच, 1965-66 में देश में भयंकर सूखा पड़ा, जिससे खाद्य उत्पादन गिर गया और महंगाई आसमान छूने लगी। इस कठिन दौर में भारत को विदेशी मदद की सख्त जरूरत थी। वर्ल्ड बैंक और अन्य अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने मदद देने के लिए शर्त रखी कि भारत को अपनी मुद्रा का 'अवमूल्यन' करना होगा ताकि निर्यात बढ़ सकें। इसके बाद, 6 जून 1966 को इंदिरा गांधी की सरकार ने रुपये का 57.5% अवमूल्यन किया। इसके बाद डॉलर के मुकबले रुपया टूटकर 7.50 रुपये पर पहुंच गया।

जीपीएस स्पूफिंग क्या है? इसको लेकर टेंशन में क्यों है सरकार

› विमानों के लिए यह कितना खतरनाक

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले महीने दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु समेत देश के प्रमुख हवाई अड्डों के पास उड़ानों को जीपीएस में छेड़छाड़ की घटनाओं का सामना करना पड़ा था। यह जानकारी नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने राज्यसभा में दी। उन्होंने बताया कि जीपीएस स्पूफिंग के कारण उड़ानों के संचालन में कोई असर नहीं पड़ा था।

केंद्र सरकार ने राज्यसभा में बताया कि दिल्ली और अन्य हवाई अड्डों के आसपास स्पूफ की गई उड़ानों की घटनाओं का पता चला है और वायरलेस मॉनिटरिंग ऑर्गनाइजेशन को इसका सोर्स पता लगाने का काम सौंपा गया है। सांसद निरंजन रेड्डी के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास कुछ उड़ानों ने जीपीएस आधारित लैंडिंग प्रक्रियाओं का उपयोग करते समय, रनवे 10 पर आते समय जीपीएस स्पूफिंग की सूचना दी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि आईजीआई के साथ-साथ कोलकाता, अमृतसर, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई हवाई अड्डों से भी जीपीएस स्पूफिंग की रिपोर्ट मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि वैश्विक खतरों के खिलाफ साइबर सुरक्षा को बढ़ाने के लिए, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया आईटी नेटवर्क और बुनियादी ढांचे के लिए एडवांस्ड साइबर सुरक्षा उपाय लागू कर रहा है।

जीपीएस स्पूफिंग क्या है ?

जीपीएस स्पूफिंग एक तरह का साइबर हमला है। यह ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम को इस तरह से धोखा देता है कि वह विमानों को गलत लोकेशन, स्पीड दिखाए। कुछ लोग इसे जैमिंग समझते हैं लेकिन यह उससे काफी अलग होता है, जैमिंग में जीपीएस सैटेलाइट जिस स्पेक्ट्रम पर काम करते हैं, उसे जाम कर दिया जाता है। जबकि जीपीएस स्पूफिंग में विमानों को डेटा दिखाया जाता है, लेकिन वह गलत होता है।

उदाहरण के लिए जैसे आप वर्तमान में दिल्ली के करोग बाग इलाके में है, आपके फोन पर जीपीएस लोकेशन यहां से 10 किलोमीटर दूर की दिख रही हो। ऐसा ही जीपीएस स्पूफिंग के बाद विमानों के साथ होता है।

जीपीएस स्पूफिंग सफल तो क्या होगा ?

अगर जीपीएस स्पूफिंग सफल हो जाती है, तो यह उड़ानों के रास्ते या ऊंचाई में त्रुटियां पैदा करके गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। हालांकि, नागरिक उड्डयन मंत्री ने सदन को आश्वासन दिया कि पारंपरिक नेविगेशन सहायक उपकरण चालू थे, इसलिए इन सिग्नलों का उड़ानों की आवाजाही पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

दिल्ली हवाई अड्डे पर क्या हुआ था ?

केंद्रीय मंत्री की यह टिप्पणी राज्यसभा में उस घटना के कुछ हफ्तों बाद आई है जब दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) सिस्टम में एक तकनीकी खराबी के कारण 400 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुई थीं और उनमें देरी हुई थी।

रहस्यमयी ढंग से लापता हुई MH370 फ्लाइट की खोज 11 साल बाद फिर शुरू होगी

कुआलालंपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। आज से करीब 11 साल पहले मलयेशिया की राजधानी कुआलालंपुर से चीन के बीजिंग जा रही एक फ्लाइट- एमएच 370 उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद अचानक लापता हो गई थी। इस उड़ान के गायब होने का पूरा घटनाक्रम इतना रहस्यमयी था कि कई दिनों की खोज और जांच के बावजूद न तो इस विमान के गायब होने की आखिरी लोकेशन मिली और न ही इससे जुड़ा मलबा ही मिल पाया। तब कई महीनों तक चले राहत और बचाव अभियान बेकार साबित हुए थे और फ्लाइट में सवार सभी लोगों को मृत मानते हुए जांच रोक दी गई थी। हालांकि, अब एक बार फिर इस लापता विमान की खोज शुरू करने का फैसला किया गया है।

मलयेशिया के परिवहन मंत्रालय ने कहा है कि 30 दिसंबर मलयेशिया एयरलाइन की फ्लाइट एमएच370 की खोज शुरू कर दी जाएगी। अपने बयान में मंत्रालय ने कहा कि इस खोज में उसकी मदद अमेरिका की एक रोबोटिक कंपनी ओशियन इन्फिनिटी करेगी। यह खोज समुद्र की गहराइयों में की जाएगी, ताकि विमान से जुड़े मलबे या किसी अवशेष को खोजा जा सके। यह खोज समुद्र के तल तक की जाएगी और करीब 50 दिन तक चलेगी। ओशियन इन्फिनिटी यह खोज अभियान एक तय क्षेत्र में चलाएगी, जहां एमएच 370 के मलबे के मिलने की सबसे ज्यादा संभावना है।

2014 में क्या हुआ था?

कुआलालंपुर से बीजिंग जा रही एमएच370 फ्लाइट में करीब 227 यात्री और 12 मलयेशियाई क्रू सदस्य शामिल थे। यह विमान 8 मार्च 2014 को उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों के बाद एयर ट्रैफिक रडार से अचानक गायब हो गया और फिर इसका कोई सिग्नल नहीं मिला। मलयेशियाई सरकार ने इस फ्लाइट की खोज शुरू की, लेकिन इसकी कोई जानकारी नहीं मिली। बताया जाता है कि विमान को ट्रैक करने वाला इसका ट्रांसपॉन्डर बंद हो चुका था, जिसकी वजह से एटीसी को इसकी आखिरी लोकेशन का सही अंदाजा नहीं लग पाया। मलयेशिया में इस विमान की खोज को सबसे वृहद खोज अभियानों के तौर पर जाना जाता है।

फिर क्यों शुरू हो रही एमएच370 विमान की खोज?

विमान में सवार लोगों के परिजन खोज बंद किए जाने के बाद से ही मलयेशियाई सरकार के खिलाफ प्रदर्शन पर उतर आए थे। उनकी मांग थी कि उनके करीबियों की खोज के लिए कोई कसर न छोड़ी जाए। हालांकि, सरकार को कोई बड़ी सफलता नहीं मिलती दिखी। इस फ्लाइट की आखिरी खोज इस साल अप्रैल में ही शुरू की गई थी, हालांकि बाद में खराब मौसम के चलते इसे रोक दिया गया था।

हाईकोर्ट बोला-रसूखदार तोड़ रहे ट्रैफिक नियम

कहा-सख्ती के बाद भी सड़कों पर स्टंट-बर्थडे सेलिब्रेशन हो रहा; चीफ सेक्रेटरी से मांगा शपथ पत्र

बिलासपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सड़कों और नेशनल हाईवे पर हो रही स्टंटबाजी, गुंडागर्दी और बर्थडे सेलिब्रेशन को लेकर हाईकोर्ट चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने नाराजगी जताई है। बेंच ने कहा कि अमीर और प्रभावशाली लोग ट्रैफिक नियमों को तोड़ रहे हैं। राज्य सरकार की गाइडलाइंस केवल कागजों तक ही सीमित रह गई हैं। हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से शपथपत्र में जवाब मांगा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि लगातार हो रही घटनाएं बताती हैं कि ये निर्देश जमीनी स्तर पर लागू नहीं हो रहे। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार ने सख्त कार्रवाई नहीं की, तो जरूरी निर्देश दिए जाएंगे। मामले की अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

युवक कार की बोनट पर बैठकर करता रहा स्टंट

दरअसल, हाईकोर्ट की सख्ती के बाद भी स्टंटबाजी और नेशनल हाईवे में बर्थडे सेलिब्रेशन जैसी घटनाएं बढ़ रही है। कुछ दिन पहले ही बिलासपुर के रिवर व्यू रोड पर एक युवक कार की बोनट पर बैठकर स्टंट कर रहा था। रील में वह चिल्लाते हुए कह रहा है कि इलाके में उसकी दबंगई है और कोई उसे छू नहीं सकता।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने युवक की तलाश शुरू की, जिसके बाद उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया। डिप्टी एडवोकेट जनरल शशांक ठाकुर ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर वाहन को जब्त कर लिया गया है। दूसरा मामला कोरिया जिले के बैकुंठपुर का है। सोनहत ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. अनित बखला ने नेशनल हाईवे-43 पर अपना जन्मदिन मनाया था। हाईवे पर पटाखे भी फोड़े गए, जिससे लोगों को परेशानी हुई।

आरपीएफ जवान ने हेड कॉन्स्टेबल को 4 गोली मारी

रायगढ़, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में आरपीएफ पोस्ट के भीतर ड्यूटी के दौरान हुए विवाद में एक आरपीएफ हेड कॉन्स्टेबल ने अपने ही साथी प्रधान आरक्षक पर गोली चला दी। गोली लगने से पीके मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गोली चलाने वाले जवान का नाम एस लादेर है। वह जांजगीर-चांपा का रहने वाला है। मृतक हेड कॉन्स्टेबल पीके मिश्रा मध्यप्रदेश के रीवा जिले के रहने वाले थे। दोनों बैचमेट थे और उनकी ड्यूटी रात में लगी थी। तड़के करीब 4 बजे किसी बात को लेकर विवाद हुआ, और एस लादेर ने पीके मिश्रा के सिर पर चार राउंड फायर कर दिए, जिससे उनकी मौत हो गई।

किरणदेव की 117 सदस्यीय नई टीम में सिर्फ 9 महिलाएं

कांग्रेस बोली-बीजेपी आदतन महिला विरोधी; सवन्नी, केदार, संजय का भी कद बढ़ा

रायपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ बीजेपी ने विधानसभा प्रभारी, जिला प्रभारी और प्रकोष्ठ में 117 पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण देव की नई टीम में 117 में से 108 पद पुरुषों को दिए गए हैं, जबकि महिलाओं को सिर्फ 9 पद मिले हैं।

जारी लिस्ट के मुताबिक 36 विधानसभा में से केवल एक विधानसभा में महिला नेत्री को प्रभारी बनाया गया है।

इसी तरह से प्रकोष्ठों में 2 और जिलों में 6 महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है। हालांकि युवाओं, अनुभवी नेताओं और संगठन में लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी गई है। वहीं जिला संगठन की बात करें तो प्रभारी और सह प्रभारियों की भी नियुक्तियां की गई हैं। इनमें रायपुर शहर की जिम्मेदारी राजेंद्र शर्मा और रायपुर ग्रामीण की कमान सुरेंद्र पाटनी को दी गई है। वहीं बिलासपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी प्रबल प्रताप जूदेव को सौंपी गई है। वहीं लिस्ट में कम महिलाओं को जगह मिलने पर प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा वैचारिक रूप से और आदतन महिला विरोधी है। महिला कार्यकारिणी में भी महिलाओं को स्थान नहीं दिया गया।

नेताओं को जमीनी स्तर पर काम करना अनिवार्य

बताया जा रहा है कि बीजेपी के प्रदेश महासचिव पवन साय ने विधानसभा प्रभारी, जिला प्रभारी और प्रकोष्ठ पदाधिकारियों को स्पष्ट कर दिया है कि अब पूरा फोकस बूथ मजबूत करने और जमीनी स्तर पर माइक्रो-मैनेजमेंट पर रहेगा। सभी नेताओं को जमीनी स्तर पर काम करना अनिवार्य है। सवन्नी और केदारनाथ को विधानसभा प्रभारी की जिम्मेदारी वहीं निगम मंडल में अध्यक्ष की कमान संभाल रहे भूपेंद्र सवन्नी, केदारनाथ गुप्ता और संजय श्रीवास्तव का संगठन में कद बढ़ाया गया है। पार्टी ने भूपेंद्र को जांजगीर-चांपा विधानसभा, केदारनाथ गुप्ता भानुप्रतापपुर और संजय श्रीवास्तव डोंगरगांव विधानसभा प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है।

संयोजक और सह-संयोजकों की भी नियुक्तियां

इसके साथ ही प्रकोष्ठों में संयोजक और सह-संयोजकों की भी नियुक्तियां की गई हैं, जिनमें मछुआरा प्रकोष्ठ, झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ, आर्थिक प्रकोष्ठ, एनजीओ प्रकोष्ठ और बुनकर प्रकोष्ठ समेत अलग प्रकोष्ठ शामिल हैं।

कोल खदान के विस्तार का विरोध

नाराज ग्रामीणों ने पुलिस पर लाठी-डंडों से किया हमला, 40 पुलिसकर्मी घायल

अम्बिकापुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सरगुजा जिला के अमेरा कोल खदान के विस्तार को लेकर ग्रामीण उग्र हो गए हैं, सैकड़ों ग्रामीणों ने लाठी डंडे गुलेल और कुल्हाड़ी से लैस होकर पुलिस बल पर हमला कर दिया।ग्रामीणों ने पथराव भी किया जिसमें 40 पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। जवाबी कार्रवाई में आंदोलनरत लगभग एक दर्जन ग्रामीण घायल हुए हैं। मौके पर भारी विरोध और तनाव के बीच अंबिकापुर से अतिरिक्त पुलिस बल को रवाना किया गया है।

हालात देखते हुए पुलिस द्वारा आँसू गैस के गोले भी ग्रामीणों पर छोड़े गए है, और हल्के बल का प्रयोग भी किया गया है। जिसके कारण तनाव और बढ़ गया। पुलिस के अधिकारियों सहित एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट मौके पर मौजूद हैं। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस मशक्कत कर रही है। ग्राम परसोडी कला के ग्रामीण खदान विस्तार का विरोध कर रहे हैं, ग्रामीणों का आरोप है कि बगैर भूमि अधिग्रहण किये अमेरा खदान प्रबंधन के द्वारा खदान का विस्तार किया जा रहा है। बड़ी संख्या में ग्रामीण और पुलिस बल मौके पर मौजूद है।

सरगुजा की 2 युवतियों को एमपी में बेचा, एक वापस लौटी

दूसरी युवती की शादी कराई, काम का झांसा देकर ले गए थे-4 के खिलाफ एफआईआर

सरगुजा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सरगुजा जिले की 2 युवतियों को अच्छे वेतन पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर मध्य प्रदेश में ढाई लाख रुपए में बेच दिया गया। उन्हें उज्जैन में बंधक बनाकर रखा गया। एक युवती वापस लौट गई है, वहीं दूसरी युवती की शादी करा दी गई है।

एक युवती को एमपी पुलिस ने बरामद कर सखी सेंटर भेज दिया। जिसके बाद उसको सुरक्षित वापस परिजनों के पास लौटा दिया गया। उसने लखनपुर थाने में खुद को बेचे जाने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दूसरी युवती की एक युवक से शादी करा दी गई है और उसे छोड़ने पैसों की मांग की जा रही है। दरअसल, जिन युवतियों को बेचा गया, वे शादी पार्टियों में वेटर का काम करती हैं। इनमें एक लखनपुर क्षेत्र की 18 वर्षीय युवती है। जो 12 वीं की पढ़ाई करने के बाद पारिवारिक कारणों से आगे की पढ़ाई नहीं कर सकी। दूसरी 23 वर्षीय युवती अंबिकापुर के मठपारा की है। शादी पार्टियों में काम करने के दौरान दोनों का परिचय अंबिकापुर की युवती अलका और धनी राम से हुआ था। दोनों ने उन्हें अच्छे पगार पर काम दिलाने का झांसा दिया। दोनों उनके साथ काम पर जाने को तैयार हो गए। अलका और धनी रामधनी कुजूर के झांसे में आकर दोनों युवतियां 15 नवंबर 2025 को दोपहर लगभग 1 बजे बिना किसी को बताए घर से निकल गई। उन्हें अंबिकापुर रेलवे स्टेशन के पास एक घर में ले जाया गया, जहां उनके दो अन्य साथी अशोक और नीतेश कुजुर मौजूद थे। चारों ने उन्हें एक घर में ले जाकर दोनों युवतियों के गहने और मोबाइल ले लिए और फिर ट्रेन में बैठाकर उज्जैन ले गए।

उज्जैन के घटिया थाना क्षेत्र में चारों ने दोनों युवतियों को एक घर में बंद रखा। एक दिन रुकने के बाद अलका उरांव, धनी कुजूर और नीतेश वापस लौट गए। युवतियों को अशोक और उसके साथी ने कमरे में बंद रखा और उसे कहीं जाने या किसी से बात करने की अनुमति नहीं दी।

दूसरे जगह शिफ्ट करने के दौरान बची युवती

लखनपुर की युवती ने बताया कि दोनों ने जब वापस जाने की जिद की। इसके जवाब में अशोक ने कहा कि उन्होंने उसे ढाई लाख रुपए में खरीदा है और अब उसे वहीं रहना पड़ेगा। एक सप्ताह बाद अशोक और उसका साथी युवती को कहीं और ले जाने के लिए निकले। घर से बाहर निकलते समय युवती ने शोर मचाया, जिससे आसपास के लोगों ने घटिया थाना पुलिस को सूचना दी।

पुलिसकर्मी युवती को लेकर थाने पहुंचे और उसके परिजनों से बात की। इसके बाद युवती को सखी सेंटर भेज दिया गया। सूचना मिलने पर परिजन तीन दिन बाद उज्जैन पहुंचे और युवती को लेकर घर लौट आए। घर पहुंचने के बाद युवती ने लखनपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 143 (2), 3 (5) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है।

भीषण सड़क हादसा, तीन की मौत

हजारीबाग, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग में बुधवार सुबह बरही थाना क्षेत्र के गांगटाही पुल के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। इस दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में एक महिला, एक पुरुष और एक बच्ची शामिल हैं। मृतकों की पहचान पूनम देवी (पति श्रीनाथ यादव), जय भगवान यादव (पिता श्रीनाथ यादव) और अंशिका कुमारी के रूप में हुई है। कार में कुल 10 लोग सवार थे, जो सभी पश्चिम बंगाल के कुल्टी क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।

दुर्घटना में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें ज्योति कुमारी (24 वर्ष, पति जय भगवान यादव), शुभम यादव (6 वर्ष), अभिराज यादव (10 वर्ष), मृत्युंजय यादव (8 वर्ष), धर्मेंद्र यादव (35 वर्ष, पिता श्रीनाथ यादव) और कौशल्या देवी शामिल हैं।

पानीपत में 4 बच्चों की हत्या, साइको किलर महिला गिरफ्तार

पानीपत, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में पुलिस ने बुधवार को साइको किलर महिला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में महिला ने 4 बच्चों की हत्या की बात कबूल की है। उसने अपनी 6 साल की भतीजी और बेटे की भी हत्या की थी। महिला ने बताया कि बेटे को पानी में डुबोकर इसलिए मारा, क्योंकि उसने एक हत्या करते हुए महिला को देख लिया था। महिला सुंदर दिखने वाले बच्चों को निशाना बनाती थी। वह, ये नहीं चाहती थी कि उसके बच्चों से ज्यादा सुंदर कोई दूसरा बच्चा दिखे। हत्या भी इस तरह करती थी जिससे प्राकृतिक मौत लगे। चारों बच्चों को एक ही तरह से मौत के घाट उतारा।

लातेहार में जेजेएमपी के दो एरिया कमांडर पकड़े गए

गिरफ्तार आरोपियों में दो लाख का इनामी भी, पुलिस पर हमला सहित 7 मामले हैं दर्ज

लातेहार, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। लातेहार पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के दो सक्रिय एरिया कमांडरों को गिरफ्तार किया है। इनमें 2 लाख रुपए का इनामी सुनील उरांव उर्फ मंटू और मुकेश लोहरा शामिल हैं। यह जानकारी एसपी कुमार गौरव ने बुधवार को दी। गिरफ्तार उग्रवादी सुनील उरांव उर्फ मंटू, रामेश्वर उरांव का बेटा है और तरवाडीह, नावाडीह, लातेहार का निवासी है। दूसरा उग्रवादी मुकेश लोहरा स्वर्गीय लक्ष्मण मिस्त्री का पुत्र है और पुरनी पल्हैया, मनिका का रहने वाला है। एसपी ने बताया कि सुनील उरांव पर विभिन्न थानों में हत्या, रंगदारी और पुलिस पर हमला सहित सात गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

दोनों किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे

एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पप्पू लोहरा के मारे जाने के बाद ये दोनों उग्रवादी संगठन को फिर से सक्रिय करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए, लातेहार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविंद कुमार के नेतृत्व में लातेहार और मनिका थाना की एक संयुक्त टीम ने विशेष छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान दोनों उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

जेजेएमपी की वर्तमान सक्रियता बहुत कम हो गई है : एसपी

एसपी ने बताया कि मुकेश लोहरा पर दो मुकदमे दर्ज हैं, जो हत्या और अन्य आपराधिक गतिविधियों से संबंधित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जेजेएमपी की वर्तमान सक्रियता बहुत कम हो गई है। संगठन में अब मात्र 4-5 सदस्य बचे हैं, जो संगठित होकर काम नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस का उग्रवाद विरोधी अभियान आगे भी जारी रहेगा। छापेमारी अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविंद कुमार, लातेहार थाना प्रभारी रामाकांत गुप्ता, मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार, एसआई राहुल सिंह, विक्रांत कुमार उपाध्याय, विकास कुमार, धर्मवीर सिंह और लातेहार व मनिका थाना के जवान शामिल थे।

एंबुलेंस चालक ने की आत्महत्या

कोडरमा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कोडरमा थाना क्षेत्र के दुधिमाटी स्थित एक आवास में सदर अस्पताल के एक एम्बुलेंस चालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 45 वर्षीय पंकज सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पंकज सिंह, श्यामचरण सिंह के पुत्र थे और लक्खीबागी स्थित अपने आवास में मृत पाए गए। वह सदर अस्पताल में एम्बुलेंस चालक के पद पर कार्यरत थे।

परिजनों के अनुसार, घटना के समय मृतक की पत्नी, बेटा और घर के कुछ अन्य सदस्य एक शादी समारोह में गया जी गए हुए थे। मंगलवार रात पंकज सिंह खाना खाकर अपने कमरे में सोने चले गए थे। बुधवार सुबह उनके छोटे भाई राजेश की पत्नी ने उन्हें नाश्ते के लिए आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद राजेश की पत्नी ने राजेश से पंकज को नाश्ता देने को कहा। राजेश जब पंकज के कमरे में पहुंचे तो वह वहां नहीं मिले। काफी तलाश के बाद राजेश ने घर की एक बंद पड़ी रसोई का दरवाजा खोला, जहां पंकज सिंह छत पर लगे लोहे के कुंडे से फंदे पर लटके मिले। राजेश ने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद घर के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना मिलते ही कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस ने आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने बताया कि कुछ समय पहले पंकज सिंह की कमर की हड्डी टूट गई थी, जिसका इलाज चल रहा था।

धनबाद में ट्रेन के महिला कोच से 35 कछुए बरामद

3.50 लाख रुपए आंकी गई कीमत, गुप्त सूचना पर आरपीएफ ने की कार्रवाई

धनबाद, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद मंडल में रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन विलेप के तहत एक कार्रवाई में 35 जीवित कछुए बरामद किए हैं। ये कछुए योगनगरी ऋषिकेश–हावड़ा दून एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 13010) के महिला कोच से लावारिस हालत में मिले। बरामद कछुए इंडियन फ्लैपशेल प्रजाति के हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 3.50 लाख रुपए बताई जा रही है।

यह घटना बुधवार को सामने आई। वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट धनबाद की टास्क टीम प्लेटफॉर्म पर नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली कि ट्रेन के गार्ड ब्रेक से सटे महिला कोच में कछुओं की तस्करी की जा रही है।

प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर ट्रेन के रुकते ही कोच की जांच की

सूचना के आधार पर, टीम ने प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर ट्रेन के रुकते ही कोच की जांच की। जांच के दौरान सीट के नीचे तीन कपड़े के थैले लावारिस अवस्था में मिले। आसपास की महिला यात्रियों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने भी इन थैलों पर अपना दावा नहीं किया। संदेह होने पर जब इन थैलों को खोला गया, तो उनमें जूट के बोरे में रखे 35 जीवित कछुए पाए गए। आरपीएफ की टीम ने सभी कछुओं को जब्त कर पोस्ट लाया और तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी।

भारत-रूस एक-दूसरे का मिलिट्री बेस इस्तेमाल कर सकेंगे

> रक्षा समझौते को रूसी संसद की मंजूरी > पुतिन के भारत दौरे से पहले बडा ऐलान

मॉस्को, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस की संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा ने भारत और रूस के बीच हुए एक सैन्य समझौते 'रिलॉस' को मंजूरी दे दी है। इसके तहत दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के मिलिट्री बेस, फैसिलिटीज और संसाधनों का इस्तेमाल और एक्सचेंज कर सकेंगी। इनके विमान, वॉरशिप ईंधन भरने, मिलिट्री बेस पर डेरा डालने या अन्य लॉजिस्टिक सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस पर आने वाला खर्च बराबर-बराबर उठाया जाएगा। यह मंजूरी राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे से दो दिन पहले दी गई है।

यह समझौता इस साल 18 फरवरी को भारत और रूस के बीच किया गया था। पिछले हफ्ते रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने इसे संसद में मंजूरी के लिए भेजा था।

रूस-भारत एक दूसरे की आसानी से मदद कर सकेंगे

रूसी संसद के स्पीकर ने कहा कि भारत और रूस के रिश्ते बहुत मजबूत हैं और यह समझौता उन रिश्तों को और बेहतर बनाएगा। रूसी सरकार ने भी बताया कि इस समझौते से दोनों देशों की सैन्य साझेदारी ज्यादा मजबूत होगी और जरूरत के समय एक-दूसरे की मदद करना आसान हो जाएगा। इस समझौते के बाद भारत ऐसा पहला देश बन जाएगा, जिसका अमेरिका और रूस के साथ सैन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर साझा करने का समझौता होगा। उन्होंने बताया कि रूस के साथ यह समझौता अंतिम चरण में है। इससे अमेरिका-रूस के बीच किसी सैन्य टकराव की नौबत पैदा नहीं होगी।

जंग के समय मिलिट्री बेस इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं

इस समझौते के तहत जंग या किसी सैन्य संघर्ष के दौरान मिलिट्री बेस इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। यह सिर्फ लॉजिस्टिक सपोर्ट और पीस-टाइम मिलिट्री कोऑपरेशन के लिए है। लॉजिस्टिक सपोर्ट का मतलब है कि देश एक-दूसरे की सेनाओं को जरूरत पड़ने पर ईंधन, सामान, मरम्मत जैसी मदद दें। वहीं, पीस-टाइम मिलिट्री कोऑपरेशन का मतलब है कि शांतिपूर्ण समय में देशों की सेनाएं मिलकर ट्रेनिंग और सहयोग करें।

क्यों खास है रिलॉस समझौता

रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट (रिलॉस) को दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी में अब तक के सबसे अहम रक्षा समझौतों में से एक माना जा रहा है। यह एक डिफेंस लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज समझौता है।

इसके जिसके तहत भारत और रूस की सेनाएं एक-दूसरे के सैन्य बेस, बंदरगाह (पॉर्ट्स), एयरफील्ड और सप्लाई पॉइंट का इस्तेमाल कर सकेंगी। यह उपयोग सिर्फ ईंधन भरने, मरम्मत, स्टॉक रिफिल, मेडिकल सपोर्ट, ट्रांजिट और मूवमेंट जैसे कामों के लिए होगा। भारत ने ऐसे ही समझौते अमेरिका (लेमो), फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और कई अन्य देशों के साथ किए हैं। अब रूस भी इसमें शामिल हो रहा है।

पुतिन 4 दिसंबर को भारत आ रहे, सीक्रेट जगह रुकेंगे

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर को भारत आ रहे हैं। वे नई दिल्ली में 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पुतिन दिल्ली में सीक्रेट जगह रुकेंगे। इसका ब्योरा सार्वजनिक नहीं किया गया है। 4-5 दिसंबर को दिल्ली मल्टी लेयर सिक्योरिटी के घेरे में रहेगी। राजधानी दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में स्वाट टीम, एंटी टेरर स्क्वॉड, क्विक एक्शन टीम्स तैनात रहेंगी। रूस की एडवांस सिक्योरिटी और प्रोटोकॉल टीम के 50 से ज्यादा मेंबर दिल्ली पहुंच चुके हैं।

13 साल के बच्चे से दिलवाई मौत की सजा

80 हजार लोग देखने जुटे, दोषी ने बच्चे के 13 परिजन की जान ली थी

काबुल, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में एक स्टेडियम में 80 हजार लोगों के सामने एक अपराधी को गोली मार दी गई। अमू न्यूज के मुताबिक गोली चलाने का काम एक 13 साल के लड़के ने किया। जिस आदमी को 13 साल के लड़के ने मारा, उस पर आरोप था कि उसने उसके परिवार के 13 लोगों की हत्या की थी। इसमें कई बच्चें और महिलाएं भी थीं। फांसी से पहले तालिबान अधिकारियों ने उस 13 साल के बच्चे से पूछा कि क्या वह आरोपी को माफ करना चाहता है। बच्चे ने इनकार कर दिया। इसके बाद अधिकारी ने बच्चे को बंदूक देकर सामने खड़े शख्स पर गोली चलाने को कहा।

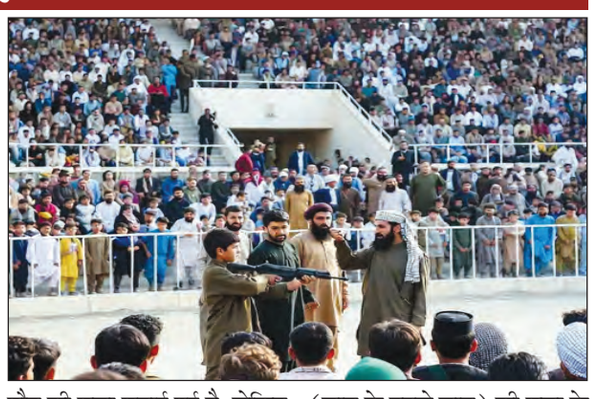

मरने और मारने वाले दोनों रिश्तेदार थे

तालिबान की सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक मारा गया आदमी मंगाल खान था। उसने अब्दुल रहमान नाम के शख्स की हत्या की थी। खोस्त पुलिस प्रवक्ता मुस्तगफिर गोरबाज के मुताबिक, मरने और मारने वाले दोनों रिश्तेदार थे। इस मामले में दो और दोषियों को भी मौत की सजा सुनाई गई है, लेकिन उन्हें फांसी इसलिए नहीं हो पाई क्योंकि पीड़ितों के कुछ वारिस उस समय मौजूद नहीं थे। इससे एक दिन पहले तालिबान ने आम लोगों को नोटिस जारी कर सार्वजनिक रूप से यह घटना देखने के लिए बुलाया था। इसमें लोगों को खोस्त के सेंट्रल स्टेडियम में जुटने को कहा गया था।

सजा देखने चीफ जस्टिस भी पहुंचे मंगला खान को मौत की सजा मिलने के बाद तालिबान के सुप्रीम कोर्ट ने प्रेस रिलीज कर घटना की जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि सार्वजनिक रूप से किसास (जान के बदले जान) की सजा के तौर पर एक कातिल को मार दिया गया है। अपराधी मंगाल खान मूल रूप से पकतिया प्रांत का था और खोस्त में रह रहा था। उसने खोस्त के ही अब्दुल रहमान, साबित, और अली खान की हत्या की थी। इस मामले की तालिबान की तीन अदालतों (प्राथमिक, अपीलीय और तमीज) ने बहुत बारीकी से जांच की। तीनों अदालतों ने सर्वसम्मति से 'किसास' के आदेश को मंजूरी दी। इस आदेश को अंतिम रूप में मौलवी हिबतुल्लाह अखुंदजादा (तालिबान के सर्वोच्च नेता) को भी भेजा गया था।

इमरान की बहन बोलीं-आसिम मुनीर कट्टरपंथी

इस्लाम न मानने वालों से लड़ते हैं, इमरान ने भारत से अच्छे रिश्ते रखने की कोशिश की थी

इस्लामाबाद, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खानुम ने सेना प्रमुख आसिम मुनीर को इस्लामी कट्टरपंथी और रूढ़िवादी बताया। उन्होंने बुधवार को स्काई न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि मुनीर ऐसे लोगों से लड़ना चाहते हैं जो इस्लाम में विश्वास नहीं रखते। अलीमा से जब मई में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सीधे तौर पर आसिम मुनीर पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मुनीर अपनी कट्टरपंथी सोच की वजह से भारत के साथ युद्ध करना चाहते हैं। अलीमा ने अपने भाई इमरान खान को लिबरल बताया। उन्होंने कहा कि जब इमरान खान सत्ता में आए तो उन्होंने भारत और यहां तक कि बीजेपी से भी रिश्ते सुधारने की कोशिश की। जबकि मुनीर बॉर्डर पर तनाव और युद्ध का माहौल बनाते हैं, जिससे भारत और उसके सहयोगी प्रभावित होते हैं।

अलीमा बोलीं-इमरान पाकिस्तान के लिए एसेट

अलीमा खानुम का दावा है कि इमरान पाकिस्तान के 90% लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए उन्हें अलग-थलग करके शहबाज शरीफ की सरकार पाकिस्तान के लोगों का दमन कर रही है। अलीमा ने इमरान खान को पाकिस्तान के लिए 'एसेट' बताते हुए पश्चिमी देशों से अपील की है कि वे उनकी रिहाई के लिए मदद बढ़ाएं। इमरान भ्रष्टाचार के मामले में 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं।

27 दिन बाद इमरान की परिवार से मुलाकात

इमरान ने कल अपनी उज्मा खान से मुलाकात की थी। इमरान 27 दिन के बाद परिवार का कोई सदस्य मिले थे। इससे पहले उन्होंने 5 नवंबर को अपनी बहन नौरीन खान से मुलाकात की थी।

वैश्विक शांति में योगदान के लिए संयुक्त राष्ट्र में 4 वरिष्ठ राजनयिक सम्मानित

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र ने चार वरिष्ठ राजनायिकों को दिवाली पावर ऑफ वन पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार यूएन में अमेरिका के पूर्व कार्यवाहक स्थायी प्रतिनिधि राजदूत जोनाथन राफेल कोहेन, यूएन महासभा के 78वें सत्र के अध्यक्ष और यूएन में त्रिनिदाद और टोबैगो के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि डेनिस फ्रांसिस, यूएन में स्लोवेनिया के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि राजदूत दरजा बावदाज कुरेट और यूएन में कजाकिस्तान के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि मगजान इलियासोव शामिल थे। इस इवेंट में यूएन के सीनियर अधिकारी और इंडियन-अमेरिकन कम्युनिटी के सदस्य शामिल हुए।

पुतिन बोले-हम यूरोप से जंग के लिए तैयार

उनकी हार तय है, शांति समझौते के लिए भी कोई नहीं बचेगा

मॉस्को, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने यूरोपीय देशों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर यूरोप ने रूस के खिलाफ युद्ध शुरू किया, तो रूस पूरी तरह से जवाब देने के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूस यूरोप से युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर यूरोप युद्ध शुरू करता है तो मामला इतना जल्दी खत्म होगा कि बातचीत करने वाला कोई नहीं बचेगा।

पुतिन ने दावा किया कि यूक्रेन में रूस पूरी तरह युद्ध नहीं लड़ रहा है, बल्कि सर्जिकल ऑपरेशन जैसी सीमित कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर यूरोप के साथ सीधा युद्ध हुआ तो हालात अलग होंगे और रूस पूरी ताकत से जवाब देगा।

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद सबसे बड़ी जंग लड़ रहा रूस

यूक्रेन युद्ध को शुरू हुए चार साल हो चुके हैं। यह सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद बाद यूरोप का सबसे बड़ा संघर्ष है। रूस अभी तक पड़ोसी यूक्रेन पर पूरी तरह कब्जा नहीं कर पाया है। यूक्रेन को यूरोपीय देशों और अमेरिका का

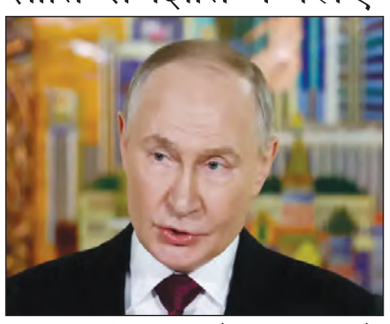

मजबूत समर्थन मिल रहा है। यूरोपीय देशों और यूक्रेन का कहना है कि अगर पुतिन यूक्रेन युद्ध जीत जाते हैं तो वे किसी नाटो देश पर हमला कर सकते हैं। हालांकि पुतिन इस दावे को बार-बार बकवास बता चुके हैं। पुतिन ने कहा कि यूरोपीय देशों ने खुद ही रूस से बातचीत के रास्ते बंद कर लिए हैं। इसलिए अब वे युद्ध के पक्ष में खड़े हैं।

दावा-2029 तक नाटो पर हमला कर सकता है रूस

जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडफुल ने 25 नवंबर को दावा किया रूस अगले चार साल में किसी नाटो देश पर हमला कर सकता है। वेडफुल ने बताया कि जर्मन खुफिया एजेंसियों के मुताबिक रूस 2029 तक नाटो के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा है। उनका कहना है कि रूस की महत्वाकांक्षा सिर्फ यूक्रेन तक सीमित नहीं है। उसने पिछले कुछ सालों में अपनी सैन्य ताकत और हथियार उत्पादन काफी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपनी अर्थव्यवस्था और समाज को काफी हद तक युद्ध के हिसाब से ढाल दिया है। साथ ही, रूस जरूरत से ज्यादा सैनिकों की भर्ती कर रहा है। लगभग हर महीने एक नई डिविजन तैयार की जा रही है।

पुतिन ने कहा था रूस कभी यूरोप पर हमला नहीं करेगा

पुतिन ने पिछले हफ्ते कहा था कि रूस कभी यूरोप पर हमला नहीं करेगा। उन्होंने कहा था कि अगर यूरोप चाहे तो वह उन्हें लिखित आश्वासन देने को तैयार हैं। उन्होंने यूरोप पर रूसी हमले की आशंका को पूरी तरह बकवास बताया है। पुतिन ने कहा था कि यूरोपीय नेता सिर्फ हथियार बनाने वाली कंपनियों के तलवे चाट रहे हैं। वे अपनी जनता के लिए एक झूठा वहम पैदा करना चाहते हैं।

ट्रम्प के दामाद के साथ पुतिन की 5 घंटे बैठक

रूसी राष्ट्रपति बोले-डोनबास लिए बिना कोई शांति नहीं, जंग रोकने पर फैसला नहीं

मॉस्को, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस में राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जैरेड कुशनर के बीच यूक्रेन युद्ध को लेकर पांच घंटे बैठक हुई। इतनी लंबी बैठक के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंचे। पुतिन के फॉरेन पॉलिसी एडवाइजर यूरी उशाकोव ने कहा कि बातचीत फायदेमंद रही, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव सामने नहीं आया जिस पर सहमति बन सके। पुतिन का साफ कहना है जब तक यूक्रेन, रूस को डोनबास का इलाका नहीं सौंपेगा कोई समझौता नहीं होगा। उशाकोव ने बताया कि पुतिन ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव के कुछ हिस्सों से सहमति जताई, लेकिन कई बातों पर साफ तौर पर नापसंदगी दिखाई। उनके मुताबिक अभी कई मुद्दों पर और काम करना होगा।

पुतिन-ट्रम्प की बैठक तय नहीं

उशाकोव ने यह भी कहा कि फिलहाल पुतिन और ट्रम्प की कोई नई बैठक तय नहीं है और आगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि शांति योजना पर कितना डेवलपमेंट होता है। जब ये बातचीत चल रही थी, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिलने वाले इशारे का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारी बातचीत के बाद सीधे यूक्रेन को बताएंगे कि बैठक में क्या हुआ और उसके बाद ही यूक्रेन अपना अगला कदम तय करेगा। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें पहले से अंदाजा था कि पुतिन का रुख कैसा रहेगा।

भारत के टुकड़े हो जाएंगे तभी बांग्लादेश में आएगी शांति

बांग्लादेश के सेना के रिटायर जनरल ने उगला जहर, जमात लीडर है पिता

ढाका, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की सेना के एक पूर्व जनरल अब्दुलाहिल अमान आजमी ने भारत के खिलाफ बेहद भड़काऊ बयान दिया है। आजमी ने कहा कि बांग्लादेश में तब तक पूरी तरह से शांति नहीं आएगी जब तक कि भारत कई टुकड़ों में बंट नहीं जाता है। आजमी बांग्लादेश की कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी जमात-ए- इस्लामी के पूर्व चीफ गुलाम आजम का बेटा है।

आजमी ने ढाका प्रेस क्लब में एक ऑनलाइन चर्चा के दौरान भारत के खिलाफ यह भड़काऊ बयान दिया। आजमी के इस बयान पर भारत में सोशल मीडिया में लोग भड़क उठे हैं। आजमी ने दावा किया कि भारत हमेशा से बांग्लादेश में अशांति को जिंदा रखना चाहता है। आजमी के पिता को युद्धपराधी दोषी पाया गया था। आजमी का पिता साल 1971 के

आजादी युद्ध के दौरान हिंदुओं और स्वतंत्रता समर्थक बंगालियों के नरसंहार के लिए जिम्मेदार है। उसने आरोप लगाया कि भारत ने साल 1975 से 1996 के बीच चटगांव हिल्स इलाके में अशांति को भड़काया जिसमें बांग्लादेश के दक्षिणी पूर्वी चटगांव जिले के भारत से लगे तीन जिले शामिल हैं। आजमी ने दावा किया, 'शेख मुजीबुर रहमान सरकार के दौरान परबात्या चातोग्राम जन समहाती समिति का गठन किया गया था। इसकी हथियारबंद शाखा शांति वाहिनी है। भारत ने इसको शरण दी और हथियार तथा ट्रेनिंग दिया। इसकी वजह से बांग्लादेश के पहाड़ी इलाके में 1975 से लेकर 1996 के बीच खून खराबा हुआ।'

मोहम्मद युनूस के कार्यकाल में जमात हुई मजबूत

बांग्लादेशी सेना के पूर्व जनरल ने चटगांव हिल शांति समझौते की आलोचना की जिस पर साल 1997 में हस्ताक्षर हुआ था। उसने कहा कि शांति वाहिनी का हथियार सरेंडर करना केवल दिखावे के लिए था। इस शांति समझौते पर 2 दिसंबर 1997 को ढाका में हस्ताक्षर हुआ था। यह बांग्लादेश सरकार और परबात्या चातोग्राम जन समहाती समिति के बीच हुआ था। बता दें कि आजमी बांग्लादेश के अंदर बहुत ही विवादित शख्सियत हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर भारत और उसकी क्षेत्रीय भूराजनीति की आलोचना करते रहते हैं। आजमी ने भारत के खिलाफ यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब दोनों देशों के बीच रिश्ते रसातल में चल रहे हैं। मोहम्मद युनूस सरकार एक के बाद एक भारत विरोधी कदम उठा रही है। युनूस पाकिस्तान के साथ रिश्ते मजबूत कर रहे हैं।

बांग्लादेश में लगातार जमात-ए-इस्लामी ताकतवर हो रही है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में टीटीपी के 7 आतंकवादी ढेर

लाहोर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बुधवार को एक आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) ब्लास्ट में तीन सुरक्षा कर्मी मारे गए। यह हमला देरा इस्माइल खान जिले के पनीयाला इलाके में हुआ, जो साउथ वजीरिस्तान की सीमा के पास है। मारे गए सुरक्षा कर्मियों में असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर गुल आलम, कांस्टेबल रफीक और मोबाइल वैन के चालक सखी जान शामिल हैं।

घटना के तुरंत बाद पनीयाला के डीएसपी, स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) और अन्य जिला पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिला पुलिस अधिकारी सज्जाद अहमद साहिबजादा ने बताया कि यह हमला अज्ञात आतंकवादियों द्वारा किया गया था। उन्होंने इसे कायराना हमला करार दिया।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मुहम्मद सोहैल अफरीदी ने इस बम हमले की कड़ी निंदा की। पिछले कुछ महीनों में इस प्रांत में कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर कई हमले हो चुके हैं। पाकिस्तान में आतंकवाद की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने नवंबर 2022 में सरकार के साथ युद्धविराम खत्म करने के बाद खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। मध्य लंदन में चीन के एक विशाल दूतावास के निर्माण की विवादास्पद योजना पर एक लंबे समय से लंबित निर्णय को एक बार फिर टाल दिया गया है।

इंडोनेशिया, श्रीलंका, थाईलैंड, मलेशिया में बाढ़ से 1400 से ज्यादा की मौत

कोलंबो, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। एशिया के कुछ हिस्से में आए चक्रवात के कारण कई लोग परेशान हैं। बाढ़ के कारण इंडोनेशिया, श्रीलंका, थाईलैंड और मलेशिया में 1,400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इससे इन देशों की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हो रही है। इंडोनेशिया में सबसे ज्यादा 753 मौतें हुईं, इसके बाद श्रीलंका में 465 मौतें हुई हैं। श्रीलंका के प्रेसिडेंट अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा कि उनके देश में मरने वालों की सही संख्या बताना अभी जल्दबाजी होगी। थाईलैंड में कम से कम 185 और मलेशिया में तीन लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई है। बुधवार को रेस्क्यू टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए तेज़ी से काम कर रही थीं, क्योंकि 1,000 से ज़्यादा लोग अभी भी लापता हैं और बिजली और नेटवर्क में बाधा के कारण गांव कीचड़ और मलबे में दबे हुए हैं।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो ने सोमवार को एक बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा किया। उन्होंने इसे फिर से बनाने के लिए मदद का वादा किया, हालांकि उन्होंने अभी तक नेशनल इमरजेंसी घोषित नहीं की है या बाढ़ से जूझ रहे श्रीलंका की तरह इंटरनेशनल मदद नहीं मांगी है। बुरी तरह प्रभावित इंडोनेशिया और थाईलैंड, दोनों मिडिल-इनकम वाली इकॉनमी हैं जिनकी आर्थिक स्थिति दोनों के मुकाबले मजबूत है। वे बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला सकते हैं, मिलिट्री एसेट्स तैनात कर सकते हैं और इमरजेंसी फंड भेज सकते हैं, जबकि श्रीलंका कहीं ज़्यादा मुश्किल हालात में काम कर रहा है। प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने पिछले हफ़्ते श्रीलंका में राजनयिकों से मुलाकात की और उनसे राहत और पुनर्निर्माण में मदद करने की अपील की। श्रीलंका अभी एक गंभीर आर्थिक संकट से उबर रहा है।

'जांच के बाद गाजा से मिले नमूनों में बंधकों का अवशेष नहीं'

रिहाई की चर्चा के बीच इस्राइल का बड़ा दावा

यरूशलम, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। इस्राइल ने बुधवार को कहा कि गाजा से जो मिली हुई चीजें वापस भेजी गई हैं, उनका उन दो बंधकों से कोई संबंध नहीं है जो 2023 के हमास हमले के बाद गाजा में अभी तक बचे हुए हैं। फलस्तीनी मीडिया के अनुसार, ये सामग्री गाजा के उत्तरी शहर बैत लैहिया में मिली थी। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि फोरेंसिक जांच पूरी होने के बाद साफ हो गया कि यह सामग्री मृत बंधकों से जुड़ी नहीं है। बता दें कि गाजा में अभी दो बंधकों एक इस्राइल रान ग्विली और एक थाई नागरिक सुदथिसाक रिन्थालक के अवशेष होने की आशंका है।

दोनों पक्ष अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्धविराम के पहले चरण को पूरा करने के करीब हैं। वहीं अक्तूबर की शुरुआत में युद्धविराम लागू होने के बाद से अब तक 20 जीवित बंधकों और 26 मृतकों के अवशेष लौटाए जा चुके हैं। यह वापसी समझौते की मुख्य शर्तों में से एक है, हालांकि हमास और इस्राइल दोनों एक-दूसरे पर समझौते तोड़ने के आरोप लगाते रहे हैं। दूसरी ओर इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार और बुधवार के बयानों में अवशेष की बजाय मिली चीजें जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। इसका कारण स्पष्ट नहीं है और पूछे जाने पर उन्होंने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। गाजा में जिन दो बंधकों के अवशेष अब भी माने जा रहे हैं, उनमें इस्राइली नागरिक रान ग्विली और थाई कृषि मजदूर सुदथिसाक रिन्थालक शामिल हैं। रान ग्विली ने 7 अक्तूबर 2023 को नोवा म्यूजिक फेस्टिवल में लोगों को बचाने में मदद की थी और बाद में एक अन्य स्थान पर लड़ाई के दौरान मारे गए, जिसकी पुष्टि सेना ने चार महीने बाद की।

दूसरी ओर, सुदथिसाक रिन्थालक 2017 से इस्राइल में काम कर रहे थे और किबुत्ज बे'एरी हमले में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक में तैनात थे। 7 अक्तूबर को थाईलैंड के 31 मजदूरों का अपहरण हुआ था, जिनमें से ज्यादातर को पहले और दूसरे युद्धविराम के दौरान रिहा कर दिया गया, जबकि युद्ध में अब तक 46 थाई नागरिकों की मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि समझौते के तहत इस्राइल हर एक बंधक के बदले 15 फलस्तीनी शव लौटा रहा है।

जोधपुर के बाद उदयपुरः पुलिसकर्मी ने वकील के चांटा मारा कोर्ट में हंगामा

डीएसपी की गाड़ी रोकी, एसपी ने लिया बड़ा एक्शन

उदयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में वकील और पुलिस के बीच हुए विवाद के बाद उदयपुर में भी इसी तरह का विवाद देखने को मिला है। कोर्ट में हंगामा हुआ और इसका खामियाजा पुलिसकर्मी को चुकाना पड़ा। वकील का आरोप था कि जब वे थाने में रिपोर्ट देने गए थे, तब पुलिसकर्मी ने उन्हें चांटा मारा और धक्का देकर निकाला दिया। मामला उदयपुर के नाई थाना का है। हांलाकि इसके बाद पुलिसकर्मी के खिलाफ एसपी ने सख्त एक्शन लिया। वकीलों ने नाई थाने के हेड कांस्टेबल पवन यादव के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की, जिसके बाद पुलिस प्रशासन को झुकना पड़ा और हेड कांस्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया गया।

एक घंटे तक डीएसपी की गाड़ी के सामने नारेबाजी

यह घटना उदयपुर कोर्ट परिसर में हुई। वकीलों का गुस्सा हेड कांस्टेबल पवन यादव द्वारा एडवोकेट धर्मेंद्र धाबाई से की गई कथित मारपीट को लेकर था। डीएसपी गोपाल चंदेल की गाड़ी के सामने खड़े होकर वकीलों ने करीब एक घंटे तक जमकर नारेबाजी की और हेड कांस्टेबल पवन यादव को लाइन हाजिर करने का आदेश जारी किया गया। डीएसपी ने अपने मोबाइल फोन पर यह आदेश वकीलों को दिखाया, जिसके बाद ही माहौल शांत हुआ और वकीलों ने उनकी गाड़ी का रास्ता छोड़ा।

पीड़ित वकील का आरोपः हेड कांस्टेबल ने मेरे थप्पड़ जड़ा

पीड़ित एडवोकेट धर्मेंद्र धाबाई का कहना था कि 29 नवंबर की रात उनके बड़े भाई के रेस्टोरेंट पर कुछ असामाजिक तत्वों ने झगड़ा किया और पत्थरबाजी भी की। जब धाबाई रिपोर्ट दर्ज कराने नाई थाने पहुंचे, तो हेड कांस्टेबल पवन यादव ने कथित तौर पर उनके साथ ₹अपराधी जैसा बर्ताव₹ किया और ₹थप्पड़ जड़ दिया। यह भी जानकारी सामने आ रही है कि वकील पक्ष के खिलाफ थाने में पहले केस दर्ज कराया गया था। इसी मामले में वे लोग क्रॉस केस दर्ज कराने पहुंचे थे। धाबाई का आरोप है कि हेड कांस्टेबल ने कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इस मामले में कोर्ट परिसर में वकीलों ने कहा कि हाल ही में हाईकोर्ट ने भी पुलिसकर्मियों को जनता के साथ उचित व्यवहार करने के लिए सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग देने की नसीहत दी थी। वकीलों ने चेतावनी दी कि यदि वकीलों के साथ ऐसी घटनाएं लगातार होती रहीं, तो आगे से किसी भी पुलिसकर्मी को कोर्ट परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

पूर्व मंत्री महेश जोशी को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

900 करोड़ घोटाले में 7 महीने बाद बड़ी राहत

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में राजनीति और जांच एजेंसियों की हलचल के बीच सोमवार की सुबह एक बड़ी खबर आई। पूर्व मंत्री महेश जोशी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। इसके साथ ही जयपुर सेंट्रल जेल में करीब आठ महीने से बंद जोशी की रिहाई का रास्ता खुल गया है। ईडी ने उन्हें 900 करोड़ रुपए के जल जीवन मिशन घोटाले में 24 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद अप्रैल के अंत में उन्हें पत्नी के निधन के चलते कुछ दिनों की अंतरिम राहत मिली थी, लेकिन उस अवधि के बाद जोशी सीधे जेल लौट गए थे। राहत की तलाश में उन्होंने पहले राजस्थान हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां 26 अगस्त को उनकी जमानत याचिका खारिज हो गई। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। लंबी सुनवाई के बाद कोर्ट ने 21 नवंबर को आदेश सुरक्षित रख लिया था। आज जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने फैसला सुनाते हुए उन्हें जमानत दे दी।

राजनीतिक संकेतः राहत, लेकिन सवाल बाकी

यह फैसला महेश जोशी के लिए राजनीतिक ऑक्सीजन साबित हो सकता है। आठ महीनों से चुप पड़े जोशी अब फिर से सक्रिय राजनीति की जमीन पर लौट सकते हैं।

लेकिन ईडी की जांच अभी भी जारी है और 900 करोड़ के इस बड़े कथित घोटाले में कई परतें खुलनी बाकी हैं।

सियासी गलियारों में इसे दो तरह से देखा जा रहा है

समर्थक इसे न्याय की जीत बता रहे हैं, यह कहते हुए कि पूरा केस "राजनीतिक प्रेरित" था।

विरोधी अब भी प्रश्न उठाते हैं कि जमानत होना निर्दोष साबित होने जैसा नहीं है, इसलिए आगे की प्रक्रिया ज्यादा महत्वपूर्ण होगी।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश न्यायिक प्रक्रिया की प्रामाणिकता को रेखांकित करता है-न सिर्फ राजनीतिक चश्मे से, बल्कि विधिक कसौटी पर भी।

जयपुर की सियासत में नई हलचल

जोशी की रिहाई राजधानी की राजनीति में नया ताप लाने वाली है।पार्टी में उनकी भूमिका, जल जीवन मिशन के सवाल और ईडी की आगे की कार्रवाई-ये सभी आने वाले दिनों में सुर्खियों में रहेंगे।

अशोक गहलोत ने भाजपा पर साधा निशाना

कहा- संचार साथी ऐप से हर नागरिक की जासूसी कर रही सरकार

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को सोशल अकांउट X पर लिखा कि मोबाइल फोन में संचार साथी ऐप के जरिए हर नागरिक की निजता का उल्लंघन कर उनकी जासूसी करने का केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार का प्रयास है।

अशोक गहलोत ने अपने बयान में कहा यह सर्विलांस राज का एक नया स्तर है। कोई भी नागरिक अपने मोबाइल से किससे बात करेगा, क्या बात करेगा यह सब अब सरकार की जानकारी में होगा।

सुरक्षा कारणों की दी दलील

अशोक गहलोत ने आगे कहा कि यदि इसके लिए सुरक्षा कारणों की दलील दी जा रही है तो उसके लिए सर्विलांस के नियम-कायदे पहले से मौजूद हैं। यह देश के सभी नागरिकों को डराने और ब्लैकमेल करने का प्रयास है। सभी नागरिकों को एकजुट होकर इसका विरोध करना चाहिए।

क्या है संचार साथी ऐप

संचार साथी ऐप एक साइबर सुरक्षा टूल है। यह ऐप एंड्रॉयड और iOS दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। सरकार ने बताया था कि अगस्त 2025 तक यह ऐप को 50 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। सरकार का दावा है कि संचार साथी ऐप के ज़रिए 22 लाख 76 हज़ार से अधिक डिवाइस को सफलतापूर्वक खोजा भी गया है।

रणथंभौर से निकलकर लेपर्ड पहुंचा कॉलोनी में, सीसीटीवी में कैद मूवमेंट

आठ माह बाद दोबारा दिखा

सवाई माधोपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रणथंभौर के जंगलों से आवासीय क्षेत्रों में वन्यजीवों का मूवमेंट लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार देर रात एक लेपर्ड अनाज मंडी के पीछे स्थित पटेल नगर कॉलोनी में दिखाई दिया। लेपर्ड का मूवमेंट कॉलोनी में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में स्पष्ट रूप से कैद हुआ है।

कॉलोनी निवासी मुकेश सतरवाल के अनुसार सुबह जब उन्होंने सीसीटीवी फुटेज देखा तो रात करीब दो बजे लेपर्ड उनके घर के सामने से गुजरता दिखा। वीडियो में लेपर्ड को आम रास्ते से होते हुए कॉलोनी में चहल-कदमी करते और फिर बिना किसी शोर-शराबे के जंगल की ओर लौटते देखा गया।

गौरतलब है कि आठ माह पूर्व भी इसी कॉलोनी में एक लेपर्ड आ चुका है। रणथंभौर क्षेत्र में बाघ और लेपर्ड का कॉलोनियों व खेतों के आसपास दिखना आम बात होती जा रही है, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत और वन्यजीव विभाग में सतर्कता बनी हुई है।

ईडी की बड़ी कार्रवाईः हिस्ट्रीशीटर की दुबई में 40 लग्जरी कार किराए पर

छापेमारी में हुए कई चौंकाने वाले खुलासे

चित्तौड़गढ़, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन थाने के हिस्ट्रीशीटर बालमुकंद ईनाणी और उसके मौसेरे भाई और परिचित महिला के विभिन्न ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने एक साथ छापे मारे। इन ठिकानों पर सीआरपीएफ के जवान भी तैनात किए गए थे।

सूत्रों के अनुसार इन तीनों ने 'जोगणिया मोबाइल ऐप' के माध्यम से विदेशों में रहने वाले युवाओं को फंसा लिया और करोड़ों रुपए फर्जी खातों से दुबई ट्रांसफर किए। इस पूरे मामले में बड़ी मात्रा में मनी लॉन्ड्रिंग की पुष्टि हुई है।

गौरतलब है कि 'पत्रिका' अखबार में इस खबर के प्रकाशित होने के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस मामले में पूरी रिपोर्ट मांगी थी। जानकारी के मुताबिक, बालमुकंद ईनाणी ने दुबई में 40 लग्जरी कार किराए पर लगा रखी हैं।

सभी ठिकानों पर चल रही जांच

प्रवर्तन निदेशालय की अलग-अलग टीमों ने बालमुकंद के कपासन स्थित आवास और होटल, उसके मौसेरे भाई मोनू न्याती के साचा गांव स्थित आवास, और परिचित महिला कामाक्षी चौबीसा के उदयपुर के आशीर्वाद नगर स्थित आवास पर एक साथ छापे मारे।

बीच बाजार दिनदहाड़े फायरिंग से मचा हड़कंप

दो युवक गंभीर घायल

सवाई माधोपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के गंगापुर सिटी में सोमवार को दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना से सनसनी फैल गई। यह वारदात पुरानी सब्जी मंडी के पास माल गोदाम रोड पर हुई, जहां अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। फायरिंग में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। उमरी निवासी काडू गुर्जर अपने ऑफिस में बैठा हुआ था। उसी दौरान उसके सामने फर्नीचर की दुकान पर महूकला निवासी जितेश शर्मा खरीदारी कर रहे थे। तभी अचानक कुछ अज्ञात हमलावर वहां पहुंचे और काडू गुर्जर पर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। हमलावरों से बचने के लिए काडू गुर्जर भागते हुए फर्नीचर की दुकान की ओर गया लेकिन हमलावरों की गोलियां वहीं मौजूद जितेश शर्मा को भी लग गईं।

भाजपा नेता व पूर्व सरपंच की सड़क हादसे में मौत, क्षेत्र में शोक की लहर

पाली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बाली क्षेत्र के भाजपा नेता व पादरला ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच ओमपाल सिंह चौहान का मंगलवार देर रात हुए सड़क हादसे में निधन हो गया। घटना सेवाड़ी स्थित भारतीमठ के पास गोलाई के निकट हुई, जहां उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस चौकी प्रभारी रूपसिंह मीणा मौके पर पहुंचे और उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को बाली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

ओमपाल सिंह बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत के बेहद करीबी माने जाते थे और लंबे समय से उनके साथ राजनीतिक व सामाजिक कार्यों में सक्रिय थे। उनकी मिलनसार छवि और व्यवहार के कारण क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती थी। हादसे की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत के निजी सहायक हिम्मत सिंह बीजापुर ने बताया कि विधायक राणावत ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे अपनी व्यक्तिगत क्षति बताते हुए कहा कि ओमपाल सिंह केवल सहयोगी नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह थे। भाजपा संगठन व पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी उनके निधन पर संवेदनाएं प्रकट की हैं। हादसे के कारणों को लेकर पुलिस जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि ओमपाल सिंह अपनी निजी कार से यात्रा कर रहे थे, तभी यह दुर्घटना घटित हो गई।

दरगाह में लाइसेंस अनिवार्यता पर विवाद गरमाया

सरवर चिश्ती बोले- यह तुगलकी फरमान, नहीं मानेंगे नया नियम

अजमेर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में जियारत करवाने वाले खादिमों के लिए अब लाइसेंस अनिवार्य करने के दरगाह कमेटी के निर्णय ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। केंद्र सरकार और कोर्ट के निर्देशों के आधार पर लागू की जा रही इस नई व्यवस्था के खिलाफ अंजुमन सैयद जादगान के सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने तीखा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने इस फैसले को तुगलकी फरमान बताते हुए साफ कहा है कि खादिम समाज इस आदेश को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेगा।

बता दें कि दरगाह नाजिम मोहम्मद बिलाल खान ने 1 दिसंबर को विज्ञापन जारी कर जियारत कराने के लिए लाइसेंस आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। 5 जनवरी 2026 अंतिम तिथि तय की गई है। नाजिम का कहना है कि यह कदम पूरी तरह नियमों,

कोर्ट निर्देशों और प्रशासनिक प्रक्रिया के अनुरूप है, जिससे किसी के हित प्रभावित नहीं होंगे। लेकिन आदेश के जारी होते ही दरगाह में विरोध की लहर दौड़ गई।

आदेश के विरोध में आयोजित बैठक में सैयद सरवर चिश्ती ने नाजिम पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि नाजिम की नियुक्ति ही अवैध है और दरगाह कमेटी का अस्तित्व भी संदेह के घेरे में है। ये तुगलकी फरमान नहीं चलेंगे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि नाजिम ने बिना चर्चा और संवाद के आदेश लागू कर खादिम समुदाय को अपमानित करने की कोशिश की है।

सैयद सरवर चिश्ती ने बताया कि एक्ट में यह स्पष्ट प्रावधान है कि गरीब खादिमों के लिए मेंटेनेंस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, लेकिन दरगाह कमेटी इस दिशा में कुछ नहीं करती। चाबियों का रजिस्टर एक साल से गायब है और यहां दादागिरी की जा रही है," उन्होंने कहा। चेतावनी देते हुए बोल कि आज हमारी बैठक में कुछ लोग ही आए, लेकिन यदि हमने आवाज दी तो 10 हजार खादिम दरगाह में भर जाएंगे। हमारे लाखों अनुयायी हैं, हमारी सहनशीलता को कमजोरी न समझा जाए।"

सरवर चिश्ती ने यह भी आरोप लगाया कि हर साल उर्स से पहले जानबूझकर ऐसे आदेश जारी किए जाते हैं ताकि व्यवस्थाओं में बाधा उत्पन्न हो। "उर्स करीब है और अब नया बखेड़ा खड़ा कर दिया गया है। खादिम समुदाय कमजोर नहीं है। हमें हल्के में लेना बड़ी भूल होगी। दूसरी ओर कलेक्टर लोकबंधु, एसपी वंदिता राणा व अन्य अधिकारियों ने उर्स व्यवस्थाओं का जायजा लेने के दौरान चिश्ती की शिकायतें भी सुनीं।

चिश्ती ने प्रशासन के सामने नाजिम पर कार्रवाई की मांग रखते हुए कहा कि दरगाह कमेटी मनमर्जी चलाने की कोशिश कर रही है, जबकि मंत्रालय से लेकर नियमों तक कहीं भी ऐसे आदेश का सीधा उल्लेख नहीं है। दरगाह में लाइसेंस व्यवस्था को लेकर शुरू हुआ यह विवाद उर्स से पहले बड़ा मुद्दा बन चुका है। देखना होगा कि प्रशासन इस तनातनी को कैसे सुलझाता है और क्या खादिमों की आपत्तियों को ध्यान में रखकर कोई नई पहल की जाती है।

बायोमास प्लांट में भीषण आग

1000 टन पराली जलकर राख

100 से अधिक श्रमिक व कर्मचारी अंदर थे, सभी सुरक्षित

बीकानेर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बीकानेर जिले के छतरगढ़ कस्बे से करीब तीन किलोमीटर दूर भारतमाला सड़क पर स्थित बायोमास प्लांट में मंगलवार रात लगभग 10:30 बजे अचानक भीषण आग भड़क उठी। प्लांट परिसर में रखी करीब 1000 टन पराली देखते ही देखते आग की चपेट में आ गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर-दूर तक दिखाई देती रहीं, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

प्लांट के यूनिट हेड मनोज शर्मा के अनुसार, घटना के समय प्लांट में 100 से अधिक श्रमिक और कर्मचारी मौजूद थे, जिन्हें समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आग बुझाने के लिए बीकानेर और अनूपगढ़ से फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और देर रात तक आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी रहीं।

आग लगने की सूचना मिलते ही एसडीएम और एसएचओ भी मौके पर पहुंचे। उधर, ग्रामीणों ने प्लांट प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए, उनका कहना था कि इतनी बड़ी मात्रा में पराली बिना सुरक्षा उपायों के खुले में रखने से हमेशा खतरा बना रहता है।भीषण आग के बाद अब प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जयपुर के पूर्व राजघराने के खजाने के बारे में बड़ा खुलासा, आरटीआई से खुला राज

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। आपातकाल के दौरान यह चर्चा जोरों पर रही कि जयपुर राजघराने पर आयकर विभाग ने छापा मारकर अरबों रुपए हीरे और जवाहरात आदि जब्त किए थे। जयपुर स्थित राज्य की ट्रेजरी ने सूचना के अधिकार के तहत जब्तशुदा यह खजाना जयपुर में सुरक्षित होने का खुलासा किया है।

वर्ष 1975–77 के बीच आपातकाल के दौरान जयपुर के राजघराने पर आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई इतिहास के पन्नों में दब गई, लेकिन ट्रेजरी की ओर से महेश झालानी को आरटीआइ के माध्यम से बताया कि 6 मई 1975 के पत्र के माध्यम से 24 मई 975 को ट्रेजरी के सुरक्षित कक्ष में 2 सील्ड बॉक्स जमा करवाए थे।

इन बक्सों को नई दिल्ली स्थित आयकर विभाग (इन्टेलिजेन्सी) के डिप्टी डायरेक्टर के 27 अक्टूबर 1979 के पत्र क्रमांक 1935 के क्रम में दो सील्ड बॉक्स सुपुर्द कर दिया गया। इनको 31 अक्टूबर 1979 को डिप्टी डायरेक्टर आयकर विभाग (इन्टेलिजेन्सी) नई दिल्ली की ओर से मु. नं. 13-14 सवाई भवानी सिंह एमवीसी सिटी पैलेस लिखे दो सील्ड बॉक्स, ट्रेजरी में सुरक्षित कक्ष में रखवाकर पुनः जमा करवाए गए। इसमें पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के 6 फरवरी 2020 के पत्रांक 1172 का हवाला दिया गया है।

आरटीआइ के जरिए ही ट्रेजरी की ओर से यह भी बताया कि राजस्थान कोषागार नियमावली के नियम 120 के अन्तर्गत विभाग द्वारा कोषालय के सुरक्षित कक्ष में सील्ड पैकिट के रूप में सामान जमा कराया जाता है, जिस पर विभाग अपनी सील लगाता है। उसका वजन, रखे जाने वाले सामान का विवरण सम्बन्धित विभाग के पत्र के साथ प्राप्त नहीं हुआ। इस कारण कार्यालय के रिकॉर्ड में वजन, रखे सामान के विवरण का उल्लेख किए जाने का प्रावधान नहीं है।

ट्रेजरी ने बताया कि बॉक्स के वजन आदि की जानकारी सम्बन्धित विभाग से प्राप्त की जा सकती है। झालानी का दावा है कि सूचना के अधिकार के अंतर्गत प्राप्त सूचना से तत्कालीन आयकर विभाग ने जयपुर राजमहल और उससे जुड़े ठिकानों पर छापे मारे जाने और बहुमूल्य वस्तुओं के जब्त किए जाने की पुष्टि होती है।

घाट पूजन से लौट रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रॉले ने टक्कर मारी, दो की मौत, 21 घायल

बारां, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के शाहाबाद कस्बे में फोर लेन हाईवे पर हुए एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें से 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें केलवाड़ा और बारां जिला अस्पताल रैफर किया गया है। मृतकों की पहचान 14 वर्षीय मनीष और 50 वर्षीय चरत जाटव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार सभी लोग घाट पूजन की रस्म में भाग लेकर मध्यप्रदेश के मोरई गांव से बिलखेड़ा डांग क्षेत्र के पाटन गांव लौट रहे थे।

रास्ते में अचानक ट्रैक्टर के आगे मवेशी आ जाने से चालक ने ब्रेक लगा दिए। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा ट्रक असंतुलित होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

कस्बे के पास हादसा होने के कारण बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और युवक तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस की मदद से घायलों को ट्रॉली से निकालकर शाहाबाद चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सकों की कमी के बावजूद नर्सिंग स्टाफ और स्थानीय युवाओं ने सराहनीय कार्य किया, जिन्होंने घायलों को प्राथमिक उपचार दिया और गंभीर रूप से घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

जयपुर एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट! नोटों की गड्डियों के बीच छिपी मिली इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, 2 हिरासत में

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट है। ऐसा जयपुर एयरपोर्ट पर कार्गो के जरिए भेजे जा रहे एक पार्सल में संदिग्ध डिवाइस मिलने के बाद हुआ है। यह एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस थी जो कि 500-500 रुपये के नोटों की गड्डियों के बीच छिपाई हुई थी। एयरपोर्ट पर लगे स्कैनिंग से होकर जब लगेज गुजर रहा था, तब एक सूटकेस में संदिग्ध डिवाइस मिली। सुरक्षाकर्मियों ने जब सूटकेस को खोलकर देखा तो नोटों के बीच एक बैटरीनुमा डिवाइस मिली।

कैश के बीच बैटरी नुमा डिवाइस नोटों के बीच छिपी हुई मिली। डिवाइस को देखते ही एयरपोर्ट के सुरक्षाकर्मियों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। चूंकि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को कई बार बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी थी। ऐसे में संदिग्ध डिवाइस का मामला सामने आते ही स्थानीय पुलिस ने एटीएस के अधिकारियों को सूचना दी। एटीएस के अधिकारी एयरपोर्ट पहुंचे और संदिग्ध वस्तु को जब्त किया। इस डिवाइस की जांच करवाई जा रही है कि कहीं इस डिवाइस में कोई विस्फोटक को नहीं लगा है।

जिस पार्सल में यह संदिग्ध डिवाइस मिली। वह पार्सल जयपुर से हैदराबाद के लिए बुक कराया गया था। स्कैनिंग के दौरान जैसे ही इस संदिग्ध डिवाइस के बारे में जानकारी मिली तो सुरक्षाकर्मियों ने पूरे एयरपोर्ट को सुरक्षा घेरे में ले लिया। एयरपोर्ट पर कर्मचारियों की आवाजाही भी कुछ समय के रोक दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ते के साथ एटीएस के अफसरों को सूचना देकर बुलाया गया।

सुरक्षा एजेंसियां पता लगाने में जुटी है कि यह पार्सल किसने और किसके लिए बुक कराया गया था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस डिवाइस में ऐसा क्या है, जिसकी वजह से उसे नोटों के बीच छिपाकर भेजा जा रहा था। एटीएस के आईजी विकास कुमार का कहना है कि पार्सल बुक कराने वाले संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

कोहली ने वनडे विश्व कप के लिए दावा किया मजबूत

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जड़ा लगातार दूसरा शतक

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 84वां शतक लगाया

रायपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए दावा मजबूत कर लिया है। कोहली शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरा शतक लगा दिया है। कोहली ने इससे पहले रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी और अब रायपुर में भी उन्होंने इस फॉर्म में जारी रखते हुए शतक लगा दिया है। कोहली वे 90 गेंदों पर सैकड़ा पूरा किया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 84वां शतक लगाया

कोहली का यह वनडे में 53वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 84वां शतक है। कोहली पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए थे और अब उन्होंने इस रिकॉर्ड को और मजबूती दी है। कोहली वनडे में शतक लगाने के मामले में सभी से काफी आगे निकल गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 100 शतक लगाए हैं। कोहली दूसरे मैच में 93 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाकर आउट हुए।

कोहली ने आलोचकों को दिया जवाब

पिछले कुछ समय से कोहली के 2027 वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। लेकिन कोहली जिस तरह की फॉर्म में चल रहे हैं, उन्होंने इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है। कोहली अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और इस बारे में लगातार बात होती रही है कि वह दो साल बाद होने वाले इस टूर्नामेंट तक अपनी मैच फिटनेस कैसे बरकरार रखेंगे, लेकिन कोहली ने इस सीरीज में लगातार दो शतक लगाकर आलोचकों को जवाब दे दिया है।

13वीं बार लगातार तीसरी बार वनडे में बनाया 50+ स्कोर

कोहली ने इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरा 50+ स्कोर बनाया। वहीं, लगातार तीसरे मैच में उन्होंने 50+ स्कोर बनाया। इससे पहले कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में नाबाद 74 रन बनाए थे, जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में 135 रन की पारी खेली थी। यह 13वीं बार है जब उन्होंने वनडे में लगातार तीन या इससे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाया है। इस प्रारूप में ये सर्वाधिक है। इस मामले में रोहित शर्मा दूसरे स्थान पर हैं जिन्होंने 11 बार ऐसा किया है, जबकि सचिन तेंदुलकर ने 10 बार वनडे में लगातार तीन मैचों में 50+ स्कोर बनाए हैं।

दक्षिण अफ्रीका-भारत के बीच वनडे की सबसे बड़ी साझेदारी

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के विकेट जल्द गंवा दिए थे जिसके बाद कोहली ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर पारी को संभाला। कोहली से पहले ऋतुराज गायकवाड़ ने अपने वनडे करियर का पहला शतक लगाया, लेकिन गायकवाड़ शतक लगाने के बाद कैच आउट होकर पवेलियन लौट गए। गायकवाड़ ने 105 रन बनाए। कोहली और गायकवाड़ के बीच चौथे विकेट के लिए 195 रनों की साझेदारी हुई।

यह भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच किसी भी विकेट के लिए वनडे में की गई सबसे बड़ी साझेदारी है। कोहली और गायकवाड़ की जोड़ी ने इस मामले में सचिन और दिनेश कार्तिक को पीछे छोड़ा जिन्होंने इस टीम के खिलाफ ग्वालियर में 2010 में 194 रनों की साझेदारी की थी।

सबसे आगे निकले कोहली

कोहली ने 11वीं बार वनडे में लगातार दो शतक लगाए हैं और वह इस मामले में सभी से काफी आगे हैं। भारत ही क्या अन्य कोई भी देश का बल्लेबाज इस मामले में उनके करीब भी नहीं है। दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स हैं जिन्होंने वनडे में छह बार लगातार दो शतक लगाए हैं।

दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका ने भारत को 4 विकेट से हराया

रायपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में टीम इंडिया 359 रन का टारगेट भी नहीं बचा सकी। रायपुर में बुधवार को मेहमान टीम ने 6 विकेट खोकर 50वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। टीम से ऐडन मार्करम ने सेंचुरी लगाई। वहीं डेवाल्ड ब्रेविस और मैथ्यू ब्रीट्जकी ने फिफ्टी लगाकर सीरीज 1-1 से बराबरी पर ला दी।

शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी।

भारत ने विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड की सेंचुरी के दम पर 358 रन बना दिए। कप्तान केएल राहुल ने फिफ्टी लगाई। साउथ अफ्रीका से मार्को यानसन ने 2 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका ने पहला विकेट 5वें ओवर में ही गंवा दिया था। यहां से ऐडन मार्करम ने कप्तान टेम्बा बावुमा के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। बावुमा 44 रन बनाकर आउट हुए। मार्करम ने फिर शतक लगाकर टीम को 200 के करीब पहुंचा दिया। मार्करम के विकेट के बाद डेवाल्ड ब्रेविस ने 54 और मैथ्यू ब्रीट्जकी ने 68 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया।

322 रन तक टीम ने ब्रेविस, ब्रीट्जकी और फिर मार्को यानसन के विकेट भी गंवा दिए। हालांकि, कॉर्बिन बॉश ने आखिर में जीत के लिए जरूरी 37 रन बनाकर टीम को करीबी मुकाबला जिता दिया। भारत से अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा ने 2-2 विकेट लिए। हर्षित राणा और कुलदीप यादव को 1-1 विकेट मिला। सीरीज का तीसरा वनडे 6 दिसंबर को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

यमधर्म राजू ने हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हेलमेट पहनने के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए सर्वेजना फाउंडेशन ने एक अनूठा अभियान शुरू किया। फाउंडेशन के सदस्यों ने यमधर्म राजू की वेशभूषा धारण कर शहर में सवारों से बातचीत की और उन्हें हेलमेट पहनने की हिदायत दी। अभियान का उद्देश्य हैदराबाद को सुरक्षित शहर बनाना है। फाउंडेशन के अनुसार, हेलमेट न पहनने को रोकने के लिए यमधर्म राजू का प्रतीकात्मक संवाद लोगों को सावधान करने का एक तरीका है। स्वयंसेवक प्रमुख यातायात जंक्शनों पर एक-एक दिन के लिए उपस्थित होकर बिना हेलमेट या सीट बेल्ट वाले वाहन चालकों को जागरूक कर रहे हैं। बुधवार को रसूलपुरा जंक्शन पर आयोजित कार्यक्रम में फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. एवी गुरव रेड्डी ने बताया कि यह पहल का पहला चरण है। उन्होंने कहा कि वर्ष भर शहर के 365 प्रमुख जंक्शनों पर सड़क सुरक्षा कार्यक्रम चलाए जाएंगे, ताकि असामयिक मौतों को कम किया जा सके और हैदराबाद को सुरक्षित शहर बनाया जा सके।

उस्मानिया विश्वविद्यालय लॉ कॉलेज में खराब भोजन पर हरीश राव का हमला

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय लॉ कॉलेज परिसर में छात्रों द्वारा बासी और घटिया गुणवत्ता वाला भोजन मिलने के विरोध पर बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार की आलोचना की है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और तस्वीरों में छात्रों ने खाने में कीड़े और दुर्गंध की शिकायत की है। हरीश राव ने कहा कि यह कांग्रेस सरकार के दो साल के शासन में शिक्षा व्यवस्था की निराशाजनक स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्र कल्याण योजनाओं में बुनियादी मानक बनाए रखने में सरकार पूरी तरह विफल रही है।

हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के लिए 1,000 करोड़ रुपये देने का दावा किया था, लेकिन छात्रों को एक वक़्त का संतोषजनक भोजन भी नहीं दिया जा सका। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही स्कूलों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा और छात्र स्वास्थ्य दोनों के लिए खतरा बन गई है और मुख्यमंत्री को इस स्थिति को सुधारने के लिए तुरंत कदम उठाना चाहिए।

टीपीसीसी प्रोटोकॉल समिति के सचिव सूरज तिवारी ने एआईसीसी तेलंगाना सचिव सचिन सावंत से शिष्टाचार भेंट की । इस दौरान दोनों नेताओं ने पार्टी गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण पर चर्चा की।

चुनाव सामग्री का वितरण प्रभावी ढंग से किया जाए:- वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। द्वितीय आम पंचायत चुनाव के संदर्भ में, जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सामग्री का वितरण प्रभावी ढंग से किया जाए और चुनाव सामग्री वितरण केंद्र से आवंटन के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएं। बुधवार को उन्होंने आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ जिले के जैनूर मंडल केंद्र स्थित मंडल परिषद् प्राथमिक विद्यालय परिसर में जैनूर मंडल में सरपंच और वार्ड सदस्य पदों के लिए इस महीने की 11 तारीख को होने वाले मतदान के लिए स्थापित चुनाव सामग्री वितरण केंद्र का दौरा किया।

इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर ने कहा कि जिले के जैनूर मंडल में 26 सरपंच पदों और 222 वार्ड सदस्य पदों के लिए पहले चरण के तहत 11 तारीख को मतदान होगा। पीठासीन, सहायक पीठासीन अधिकारी एवं अन्य चुनाव कर्मचारी 10 तारीख को प्रातः 9 बजे वितरण केंद्र पर रिपोर्ट करेंगे और इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि वितरण केंद्र में पर्याप्त शामियाना, कुर्सियाँ और मेजों की व्यवस्था की जाए तथा चुनाव सामग्री वितरण काउंटर स्थापित किए जाएं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रबंधन कर्मचारियों के लिए पेयजल, नाश्ता और भोजन की व्यवस्था की जाए तथा उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की जाएँ। इस कार्यक्रम में संभागीय पंचायत अधिकारी उमर हुसैन, तहसीलदार, सी.आई., मंडल परिषद विकास अधिकारी, एस.आई., संबंधित अधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पुष्पांजलि अर्पित

हैदराबाद, 3 दिसंबर,(स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी तेलंगाना के पूर्व स्टेट स्पोक्सपर्सन मीर फिरासत अली बाकरी ने भारत के पहले राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उनकी 141वीं जयंती पर चादरघाट में उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय राजनीति में ईमानदारी के प्रतीक, एक शानदार वकील और एक महान पत्रकार थे, जिन्होंने भारत गणराज्य के पहले राष्ट्रपति के रूप में काम किया। वे आजादी के लिए असहयोग आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी के साथी भी थे। सैयद हैदर हुसैन रजवी, मीर काजिम अली रवि कुमार एस राजेश यादव और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद थे।

रेलवे स्टेशन पर देसी बम फटने से कुत्ते की मौत

कोत्तागुडेम, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह एक आवारा कुत्ते के देसी बम को काट लेने से वह मौके पर ही मर गया। बम कपड़े के थैले में लिपटा हुआ था, जिसे कुत्ते ने खाने योग्य समझकर कुतर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर राजकीय रेलवे पुलिस और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुँचे और जांच शुरू की। मौके से पुलिस ने पांच बिना फटे बम बरामद किए। आशंका जताई जा रही है कि सुबह स्टेशन से सिंगरेनी फास्ट पैसेंजर ट्रेन में बम ले जाने की कोशिश की गई थी, लेकिन डर के कारण बैग रेलवे ट्रैक पर छोड़ दिया गया। पुलिस का कहना है कि इन देसी बमों का इस्तेमाल जानवरों का शिकार करने के लिए किया जाता है। घटना के बाद रेलवे स्टेशन पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। सौभाग्य से हादसे के समय स्टेशन पर कोई यात्री मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

साइबर क्राइम अवेयरनेस' कार्यक्रम

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर क्राइम यूनिट पुलिस कर्मियों द्वारा आज रूट्स कॉलेजियम ने 'साइबर क्राइम अवेयरनेस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर साई नरेश, एस.आई ने साइबर खतरों और धोखाधड़ी की चालबाजी को कैसे विफल किया जाए, इसके बारे में उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को कवच-2 ऐप डाउनलोड करने के लिए भी कहा, जो डार्क वेब से किसी भी फर्जी या असत्यापित कॉल को अक्षम कर देगा।

इस कार्यक्रम में रुट्स कॉलेजियम के सभी प्राध्यापक गण उपस्थित थे। छात्रों को सलाह दी गई कि कोई भी विषम परिस्थिति हो तो 1930, साइबर अपराध नियंत्रण कार्यालय से संपर्क कर जानकारी साझा करें। इसके बाद तुरंत उस पर कार्रवाई की जाएगी। छात्रों ने पूरी जानकारी ग्रहण कर बताया कि इस जानकारी को और भी लोगों से साझा किया जाएगा ताकि साइबर क्राइम पर नियंत्रण किया जा सके।

एर्रावल्ली गांव में सर्वसम्मति से सरपंच और वार्ड सदस्य चुने गए

सिद्दीपेट, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव द्वारा गोद लिए गए एर्रावल्ली गांव के ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से अपने आठ वार्ड सदस्यों और सरपंच का चुनाव किया। यह चुनाव गांव में किए गए विकास कार्यों के लिए बीआरएस अध्यक्ष को ग्रामीणों का धन्यवाद माना जा रहा है। चुनाव में दो पैनल थे, दोनों ही बीआरएस के। एक पैनल का नेतृत्व पूर्व सरपंच भाग्य बलराज कर रहे थे, जबकि दूसरे पैनल का नेतृत्व वरिष्ठ बीआरएस नेता कविता राममोहन रेड्डी कर रही थीं। ग्रामीणों ने मतभेद सुलझाकर चुनाव को निर्विरोध बनाना सुनिश्चित किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'15 मिनट में...

आरोपियों के स्थायी पते जमा करने का भी निर्देश

इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों के वकीलों को उनके स्थायी पते जमा करने का भी निर्देश दिया। इस सुनवाई के दौरान कार्यकर्ता शरजील इमाम की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि उनके मुवक्किल को बिना ट्रायल और बिना किसी दोषसिद्धि के 'खतरनाक आतंकी' बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इमाम 28 जनवरी 2020 को गिरफ्तार हुए थे, यानी दंगे होने से पहले।

कपिल सिब्बल बोले दंगे के दौरान दिल्ली में नहीं थे उमर खालिद

वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने उमर खालिद की तरफ से कहा कि दंगे के दौरान उनका मुवक्किल दिल्ली में मौजूद ही नहीं था। वहीं वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि आरोपी गल्फिशा फातिमा लगभग छह साल से जेल में हैं और मुकदमे में देरी असामान्य और चौंकाने वाली है।

आरोपियों की जमानत का दिल्ली पुलिस ने किया विरोध

दिल्ली पुलिस ने इन सभी की जमानत का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि फरवरी 2020 के दंगे अचानक नहीं हुए थे, बल्कि यह एक योजनाबद्ध साजिश थी। पुलिस का दावा है कि इन आरोपियों को यूएपीए और आईपीसी के तहत इसलिए गिरफ्तार किया गया क्योंकि वे दंगों के 'मुख्य साजिशकर्ता' थे। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। ये हिंसा सीएए और एनआरसी के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन के दौरान भड़की थी।

संचार साथी एप...

अब तक 1.4 करोड़ डाउनलोड

सरकार द्वारा एक्स पर जारी बयान के मुताबिक, अब तक 1.4 करोड़ लोग यह एप डाउनलोड कर चुके हैं और रोजाना लगभग 2000 ऑनलाइन फ्रॉड मामलों की जानकारी भेज रहे हैं। बयान में कहा गया, 'एप डाउनलोड करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। एप को अनिवार्य बनाने का उद्देश्य अधिक से अधिक जागरूकता फैलाना था, ताकि कम तकनीक-जानकार लोग भी इसे आसानी से इस्तेमाल कर सकें। केवल पिछले एक दिन में ही 6 लाख लोगों ने एप डाउनलोड करने के लिए रजिस्ट्रेशन किया है, जो कि सामान्य से 10 गुना अधिक है।

यह दर्शाता है कि लोग अपनी सुरक्षा के लिए इस ऐप पर भरोसा कर रहे हैं।'

सीएम ने पीएम ...

राज्य सरकार ने 162.5 किलोमीटर तक विस्तार के प्रस्ताव केंद्र को भेजे हैं। लगभग 43,848 करोड़ रुपये लागत वाली इस परियोजना को राज्य और केंद्र के संयुक्त उद्यम के रूप में स्वीकृति देने का अनुरोध किया गया है। इसके अलावा उन्होंने हैदराबाद रीजनल रिंग रोड के उत्तरी भाग की मंजूरी, दक्षिणी भाग के लिए वित्तीय स्वीकृति और प्रस्तावित रीजनल रिंग रेल परियोजना पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद से बंदर पोर्ट (अमरावती के रास्ते) तक 12-लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, तथा हैदराबाद-बेंगलुरु हाई स्पीड कॉरिडोर के विकास हेतु एक अन्य ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए केंद्र की सहायता की मांग भी रखी। उन्होंने मन्नानूर से श्रीशैलम तक टाइगर रिज़र्व के जरिए चार-लेन एलीवेटेड कॉरिडोर निर्माण का प्रस्ताव भी प्रधानमंत्री को सौंपा, ताकि श्रीशैलम धाम तक निर्बाध परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदाओं के ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या: 1, निविदा सं. व तिथि: सी_एसजी_36_579 दि.28-11-2025, बंद करने की तिथि:22-12-2025 कार्य विवरण: 1) एससी-वाडी सेक्शन: शंकरपल्ली स्टेशन पर कोच इंडिकेशन बोर्ड्स तथा ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड्स के प्रावधान हेतु प्रस्ताव या प्रपोजल। (सिकंदराबाद डिवीजन के एससी-वीकेबी सेक्शन में शंकरपल्ली स्टेशन पर आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/108/2019 (वर्शन-0.0) या नवीनतम (लेटेस्ट) नुसार इंटिग्रेटेड पैसेंजर इनफर्मेशन सिस्टम का प्रावधान)। 2) एससी- वीकेबी सेक्शन: हाय-टेक सिटी (एचटीसीवाय) रेलवे स्टेशन पर कोच गाइडंस बोर्ड्स तथा एट ए ग्लांस डिस्प्ले बोर्ड्स का प्रावधान।(सिकंदराबाद डिवीजन के एससी-वीकेबी सेक्शन में हाय-टेक सिटी स्टेशन पर आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/108/2019 (वर्शन-0.0) या लेटेस्ट नुसार इंटिग्रेटेड पैसेंजर इनफर्मेशन सिस्टम का प्रावधान)। 3) महबूबाबाद स्टेशन (एमएबीडी) के पीएफ. 3 पर कोच इंडिकेशन बोर्ड्स (सीआयबी) का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.2,84,81,703.46 बोली सुरक्षा/पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.292400.00 पीएच-5300 के तहत आवंटन पीबी नं.414/एनआर/24-25

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट:www.ireps.gov.in देखें।

एसआर.डीएसटीई/को-आर्ड./एससी

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/40/2025, दि.02-12-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित विवरित तिथि एवं 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या: 1 निविदा सं. ई-36- सेंट्रल-बीजेडए-2025 कार्य विवरण: कार्य का नाम एसडब्ल्यू ।- बीजेडए डिवीजन: बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन: 1. ईई स्टेशन पर शेष सीओपी शेल्टर्स का निर्माण कार्य। 2. डीइएन/सेंट्रल/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/ईई सब डिवीजन के एसएसइ/वर्क्स/ईई सेक्शन में ईई स्टेशन पर आरजेवाय छोर की तरफ रिटेनिंग वाल सहित पीएफ 1 का 120 एम तक वाइडनिंग या चौडीकरण कार्य। एसडब्ल्यू ।।- बीजेडए डिवीजन: बीजेडए-जीडीआर सेक्शन: 1. पीएफ1-90X8एम, पीएफ 4 एण्ड 5-100X14एम का टीइएल स्टेशन पर सीओपी शेल्टर्स का निर्माण कार्य। 2. डीइएन/सेंट्रल/बीजेडए के क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीपीपी के एसएसइ/वर्क्स/टीइएल सेक्शन में टीइएल स्टेशन पर पीएफ 1 का चौडीकरण कार्य एवं सीओपी शेल्टर्स (50 X15एम) का निर्माण कार्य। कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह महिने), निविदा मूल्य रु.8,41,30,532.00 पूर्व धरोहर राशि: रु. 5,70,700.00 बंद करने की तिथि: 24-12-2025

वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्यों का तत्समान स्वभाव का कार्य, अर्हता मानदंड आदि, उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों से सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने हेतु 2) निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।

हमारे वेबसाइट: www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं.43-2025 दि.02-12-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/कोआर्डिनेशन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि व समय: 30-12-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.1 निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-1990 कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन: ढोने-एयर कंडीशनींग सहित सभी निर्दिष्ट सुविधाओं को प्रदान करते हुए ढोने पर क्रू बुकिंग लाबी बिल्डिंग का उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। इसके साथ अनिवार्य आवश्यकताएं जैसे क्रू लाउंज (पुरुष तथा महिला के लिए हरेक पृथक), ग्रेनाइट टाप बुकिंग स्टेशन सहित क्रू काउंसेल्लिंग रूम, सीसीसी चेंबर, क्रू बुकिंग रिसेप्शन, मिनीस्टरीयल स्टाफ हेतु सीसीसी आफिस व स्टोर रूम, आरओ वाटर प्लांट का प्रावधान, पावर बैक अप सिस्टम का प्रावधान, पुरुष व महिला हेतु अलग वाशरूम। विज्ञापित मूल्य रु.1,29,45,710.90 बोली सुरक्षा राशि रु.2,14,700.00

क्रम सं.2 निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1991 कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन: डीएमएम-जीवाय सेक्शन: डीइएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एटीपी सब डिवीजन में साइड ड्रैन्स का प्रस्तावित मरम्मत कार्य। (अनुलग्नक नुसार स्थान) विज्ञापित मूल्य रु. 78,93,203.55 बोली सुरक्षा रु.1,57,900.00

किसी भी शुद्धिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुण्टकल

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https:www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हर्षित राणा पर आईसीसी की कार्रवाई

एक डिमेरिट पॉइंट दिया; पहले वनडे में ब्रेविस को आउट करने के बाद ड्रेसिंग रूम की दिशा में इशारा किया

रांची, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रांची में खेले गए पहले वनडे मैच में भले ही टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 रनों से जीत दर्ज की हो, लेकिन इसी मुकाबले के बाद भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा पर आईसीसी ने कार्रवाई की है। राणा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए चेतावनी दी गई है और उनके नाम पर एक डिमेरिट पॉइंट दर्ज किया गया है।

घटना कब और कैसे हुई?

यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पारी के 22वें ओवर में हुई, जब हर्षित राणा ने युवा बल्लेबाज डिवाल्ड ब्रेविस को विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराया। आउट करने के बाद हर्षित ने ब्रेविस की ओर देखते हुए कथित रूप से ड्रेसिंग रूम की दिशा में इशारा किया, जो आईसीसी के अनुसार खिलाड़ियों को भड़काने वाला संकेत माना जा सकता है। आईसीसी ने इस व्यवहार को आचार संहिता की धारा 2.5 का उल्लंघन बताया।

आईसीसी ने वजह बताते हुए लिखा है, 'हर्षित ने ऐसी भाषा, इशारे या हरकतें कीं, जिनका उद्देश्य बल्लेबाज को अपमानित करना या आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसाना हो।'

कोहली 15 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे

डीडीसीए को फोन करके जानकारी दी; 24 दिसंबर से शुरू होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके विराट कोहली अपना वनडे करियर आगे बढ़ाने के लिए 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेलेंगे। विराट अंतिम बार 2010 में इस घरेलू वनडे टूर्नामेंट में खेले थे। अब सिर्फ एक प्रारूप में खेल रहे विराट को अपने वनडे करियर को बढ़ाने के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने को मजबूर होना पड़ा है।

रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध वनडे सीरीज के लिए मौजूद विराट ने डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली को फोन कर दिल्ली की ओर से खेलने की जानकारी दी। दिल्ली का पहला मैच 24 दिसंबर को बेंगलुरु या अलूर में आंध्र प्रदेश से होगा।

तीन यार चार मुकाबले खेलेंगे

सूत्रों के अनुसार, विराट दिल्ली की ओर से तीन या चार मुकाबले खेलेंगे। दिल्ली का दूसरा मैच 26 दिसंबर को गुजरात और 29 दिसंबर को सौराष्ट्र से होगा। अभी ये तय नहीं हुआ है कि विराट के हां करने के बाद ये मैच अलूर में होंगे या बेंगलुरु में। सूत्रों के मुताबिक रोहित शर्मा भी मुंबई के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में कुछ मैच खेलेंगे।

'दैनिक जागरण' ने पहले ही बताया था कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध वनडे सीरीज के बाद अगर विराट और रोहित को अपना वनडे करियर आगे बढ़ाना है तो उन्हें इस प्रारूप में होने वाली घरेलू सीरीज में खेलना होगा।

मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर भी चाहते हैं कि ये दोनों खिलाड़ी घरेलू टूर्नामेंट में खेलें। रांची में पहले वनडे मैच के बाद एयरपोर्ट पर चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा ने लंबे समय तक विराट से बात की थी। रांची में ओझा ने रोहित से भी बात की थी।

दरअसल, ड्रेसिंग रूम के गरमाए माहौल के बीच रोहित की अगरकर से बात नहीं हो रही है और ऐसा ही कुछ मामला विराट और गंभीर के बीच है। प्रज्ञान इन दोनों ही खिलाड़ियों के साथ क्रिकेट खेले हैं और दोनों के अच्छे दोस्त हैं, इसलिए उन्हें इन दोनों से बात करने के लिए भेजा गया था।

बीसीसीआई की साफ नीति

रोहित अंतिम बार विजय हजारे ट्रॉफी में 2018 में खेले थे। दरअसल, बीसीसीआई का रुख स्पष्ट है कि भारतीय टीम के लिए खेलने वाले खिलाड़ी अगर राष्ट्रीय टीम की ओर से नहीं खेल रहे हैं तो उनके लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य है।

ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले इसी रुख के चलते पिछले वर्ष विराट कोहली ने दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। रोहित को भी रणजी मैच खेलना पड़ा था। हालांकि इसके बाद दोनों को टेस्ट से संन्यास के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे पहले विराट ने 2012 में यूपी के विरुद्ध दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेला था।

दिल्ली हाईकोर्ट से बजरंग और विनेश को लगा झटका

डब्ल्यूएफआई चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और सत्यवर्त कादियान जैसे शीर्ष पहलवानों को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव को चुनौती देने वाली इन पहलवानों की याचिका को खारिज कर दिया है। ये सभी पहलवान कई बार कोर्ट के समक्ष पेश नहीं हुए जिस कारण हाईकोर्ट ने इनकी याचिका खारिज कर दी।

संजय सिंह ने जीता था चुनाव

डब्ल्यूएफआई के चुनावों में संजय सिंह ने अनीता श्योराण को

हराकर अध्यक्ष पद का चुनाव जीता था। अनीता को इन शीर्ष पहलवानों का समर्थन हासिल था। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने 27 नवंबर को इस मामले पर सुनवाई की और देखा कि कोई भी याचिकाकर्ता सुनवाई के लिए कोर्ट में मौजूद नहीं है। जब सुनवाई आगे बढ़ी तो पता चला कि ये पहलवान पिछली दो सुनवाई में शामिल नहीं हुए थे। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, लगता है कि इस मामले को आगे ले जाने में याचिकाकर्ताओं की कोई रूचि नहीं है।

सुनवाई के दौरान पेश नहीं होने पर याचिका रद्द हुई

पहलवानों ने आरोप लगाया था कि डब्ल्यूएफआई चुनाव अच्छे और पारदर्शी माहौल में नहीं हुए थे। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में कमियों और अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। याचिकाकर्ताओं के बार बार सुनवाई के दौरान पेश नहीं होने के कारण अदालत ने याचिका रद्द कर दी।

सेंथिलकुमार और अनाहत का शानदार प्रदर्शन

स्क्वाश इंडियन टूर चार के क्वार्टर फाइनल में

चेन्नई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार और महिला राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। सेंथिलकुमार और अनाहत आसान जीत के साथ एचसीएल स्क्वाश इंडियन टूर चार के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने में सफल रहे। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने प्री क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका के रविंदु लाकसिरी को 11-7, 11-8, 11-7 से हराया, जबकि दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने चेक गणराज्य की तमारा होल्जबोरोवा को 11-7, 11-7, 11-7 से शिकस्त दी।

भारत के दोनों शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली थी। दुनिया की पूर्व 10वें नंबर की खिलाड़ी जोशना चिनप्पा, महिलाओं के वर्ग में छठी वरीय तन्वी खन्ना और पुरुषों के वर्ग के दूसरे वरीय वीर चोटरानी भी अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रहे।

टीम की घोषणा से पहले शुभमन गिल हुए फिट

टी20 सीरीज में खेलेंगे

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैच की टी20 सीरीज के लिए बुधवार (3 दिसंबर) को टीम इंडिया की घोषणा होनी है। इससे पहले एक बढ़िया खबर सामने आई है। भारत के टेस्ट-वनडे कप्तान और टी20 उपकप्तान शुभमन गिल फिट हो गए हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट मैच के दौरान गिल की गर्दन में लगी चोट सही हो गई है और उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) के एक सूत्र के हवाले से सामने आई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा रहेंगे। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गिल संभव है सीरीज के पहले मैच में नहीं खेलेंगे बल्कि वे दूसरे या तीसरे मैच से टीम में वापसी करेंगे।

बीसीसीआई के सेंटर फॉर एक्सीलेंस में हैं गिल

शुभमन गिल कोलकाता टेस्ट में चोट लगने के बाद टीम के साथ गुवाहाटी गए थे, जहां दूसरा टेस्ट मैच होना था। मैच के लिए अनफिट घोषित होने पर गिल इलाज के लिए मुंबई लौट आए थे। इसके बाद 1 दिसंबर को वह अपनी फिटनेस साबित करने के लिए बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच गए थे। टाइम्स ऑफ इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि गिल ने सीओई में कई बैटिंग सेशन में हिस्सा लिया है और आने वाले दिनों में वे लगातार वर्कलोड बढ़ाएंगे। इस दौरान सीओई की मेडिकल टीम ने उनके शेड्यूल में फील्डिंग और कैचिंग ड्रिल्स भी जोड़ी हैं। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गिल को सीओई की मेडिकल टीम ने अब तक मैच खेलने के लिए क्लियरेंस नहीं दी है, लेकिन अगले 48 घंटे के दौरान उनके मैच सिमुलेशन में जाने की संभावना है। उनकी फिटनेस को लेकर अब तक कोई भी रेड फ्लैग मेडिकल टीम की तरफ से नहीं है।

10 साल पुराना इतिहास दोहराने वाले खिलाड़ी की ऑस्ट्रेलियाई टीम में एंट्री, उस्मान ख्वाजा की जगह लेगा

मेलबोर्न, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट गाबा पर खेला जाएगा. ये डे-नाइट टेस्ट होगा, जिसके लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में बदलाव है. ये तब्दीली टीम को टॉप ऑर्डर में उस्मान ख्वाजा के दूसरे टेस्ट से बाहर होने के चलते हुई है. गाबा में खेले जाने वाले डे-नाइट टेस्ट में उस्मान ख्वजा की जगह टीम में उस बल्लेबाज को शामिल किया गया है, जिसने इसी साल जनवरी में 10 साल पुराना इतिहास दोहराया था. हम बात कर रहे हैं जॉश इंग्लिस की, जो दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया टीम का हिस्सा होंगे.

इंग्लिस ने जब दोहराया 10 साल पुराना इतिहास

जॉश इंग्लिस ने इसी साल जनवरी में अपना टेस्ट डेब्यू किया था. उनका डेब्यू श्रीलंका दौरे पर हुआ था, जहां गॉल में खेले अपने पहले ही टेस्ट में उन्होंने शानदार शतक जड़ा था. और, ऐसा करते हुए 10 साल पुराने इतिहास को दोहराया था. साल 2015 में एडम वोजेज के बाद डेब्यू टेस्ट में शतक जमाने वाले जॉश इंग्लिस दूसरे ऑस्ट्रेलियाई बैटर रहे हैं.

6 महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी

जनवरी 2025 में टेस्ट डेब्यू करने वाले जॉश इंग्लिस दिसंबर 2025 में एक बार फिर से सुर्खियों में हैं तो इसलिए क्योंकि 6 महीने बाद उनकी फिर से टेस्ट टीम में वापसी हुई है.

जून 2025 में अपना आखिरी टेस्ट खेलने वाले जॉश इंग्लिस दिसंबर 2025 में खेले जाने वाले डे-नाइट टेस्ट में खेलते दिख सकते हैं. उन्होंने टीम में लिया तो उस्मान ख्वाजा की जगह गया है मगर वो बल्लेबाजी मिडिल ऑर्डर में करते दिख सकते हैं.

3 पारियों में इंग्लिस ने बनाए 119 रन

जॉश इंग्लिस के टेस्ट रिकॉर्ड की बात करें तो उन्होंने अब तक खेले 3 टेस्ट की 4 पारियों में 1 शतक के साथ 119 रन बनाए हैं. इस दौरान उनका औसत 29.75 का रहा है.

दूसरे टेस्ट की टीम में जॉश इंग्लिस के शामिल होने पर मुहर खुद कार्यकारी कप्तान स्टीव स्मिथ ने लगाई है. अब कप्तान के इस भरोसे पर इंग्लिस कितने खरे उतरते हैं, ये तो मुकाबले के दौरान ही पता चलेगा.

उस्मान को इंजरी, बने रहेंगे टीम के साथ

उधर उस्मान ख्वाजा की बात करें तो ऐसा कहा जा रहा है कि उन्हें बैक इंजरी है, जिसके चलते उन्हें दूसरे टेस्ट से बाहर रहने की सलाह दी गई है.

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि इंजरी के बावजूद उस्मान ख्वाजा टीम के साथ बने रहेंगे और अपना रिहैब भी करेंगे.

हालंद का रिकॉर्ड, प्रीमियर लीग में सबसे तेज 100वां गोल दागा; मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम को 5-4 से हराया

लंदन, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। एर्लिंग हालंद ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (इंपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में सबसे कम मैच में 100 गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम की अच्छी वापसी के बावजूद 5-4 से जीत दर्ज की हालंद ने खेल के 17वें मिनट में अपनी टीम की तरफ से पहला गोल करके गोल का शतक पूरा किया। यह उनका प्रीमियर लीग में 111वां मैच था और इस तरह से वह इस प्रतियोगिता में सबसे कम मैच में 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के दिग्गज एलन शीयर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 124 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

मैनचेस्टर सिटी की टीम ने एक समय 5-1 से बढ़त बना रखी थी, लेकिन इसके बाद फुलहम ने शानदार वापसी की। वह इंजरी टाइम में बराबरी का गोल करने की करीब पहुंच गया था, लेकिन जोश किंग का प्रयास विफल हो गया।

हालंद ने मैनचेस्टर सिटी के इस प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की और स्काई स्पोर्ट्स से कहा, 'इस तरह का प्रदर्शन अच्छा नहीं है और हम सभी यह जानते हैं और हमें एक टीम के रूप में सुधार करने की जरूरत है।' हालंकि उन्होंने अपने रिकॉर्ड पर कहा, 'ये गर्व का पल है, 100 क्लब में शामिल होना बहुत बड़ी बात है। इतने कम समय में यह कर पाना अविश्वसनीय है। मैं गर्व महसूस कर रहा हूं, मैं खुश हूं।'

एक अन्य प्रीमियर लीग मैच में न्यूकैसल यूनाइटेड और टॉटनहैम हॉटस्पर के बीच 2-2 का रोमांचक ड्रॉ देखने को मिला। न्यूकैसल ने मैच के ज्यादातर हिस्से में नियंत्रण रखा और 71वें मिनट में ब्रूनो गिमारेस के गोल से बढ़त बनाई। एंथनी गॉर्डन ने 86वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर न्यूकैसल को 2-1 की बढ़त दिलाई।

टॉटनहैम की ओर से क्रिस्टियन रोमेरो ने शानदार प्रदर्शन किया और दोनों गोल दागे। पहले उन्होंने डाइविंग हेडर से बराबरी का गोल किया और फिर इंजरी टाइम में शानदार साइकिल किक लगाकर टीम को एक अंक दिलाया। रोमेरो के इन गोलों की बदौलत टॉटनहैम मैच में वापसी कर पाया, जबकि न्यूकैसल ने पहले तक मैच पर मजबूत पकड़ बनाए रखी थी। अब टॉटनहैम 19 अंकों के साथ तालिका में 11वें स्थान पर है, वहीं न्यूकैसल भी 19 अंकों के साथ 13वें स्थान पर है, लेकिन गोल अंतर में पीछे रहने के कारण नीचे है।

पूर्व इंग्लिश बैटर रॉबिन स्मिथ का निधन

एम्ब्रोस-वॉल्श और मार्शल जैसे बॉलर्स को दिलेरी से खेला; इंडिया के खिलाफ 5 शतक लगाए थे

लंदन, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। तेज गेंदबाजों का डटकर सामना करने वाले इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन स्मिथ का मंगलवार दो दिसंबर 2025 को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ स्थित उनके घर पर निधन हो गया। वह 62 वर्ष के थे। रॉबिन स्मिथ को 80 और 90 के दशक में कर्टली एम्ब्रोस, कर्टनी वॉल्श, मैल्कम मार्शल और पैट्रिक पैटरसन जैसे वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों का दिलेरी से सामना करने के लिए जाना जाता है।

उस दौर में टीम के उनके साथी बल्लेबाज अक्सर इस गेंदबाजी आक्रमण के सामने विफल हो जाते थे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 1988 से 1996 के बीच 62 टेस्ट मैचों में 43.67 के औसत से 4236 रन बनाए। उस दौर में इंग्लैंड के क्रिकेट पर उनका प्रभाव उनके आंकड़ों से कहीं अधिक था।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने कहा, 'रॉबिन स्मिथ एक ऐसे खिलाड़ी थे जो दुनिया के कुछ सबसे तेज गेंदबाजों का आत्मविश्वास से सामना करते थे। उनकी बल्लेबाजी पर इंग्लैंड के प्रशंसकों को बहुत गर्व हुआ।'उन्होंने कहा, 'वह अपने समय से आगे के बल्लेबाज थे, जिसकी बानगी 1993 में एजबेस्टन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए एकदिवसीय मैच में 163 गेंदों पर नाबाद 167 रनों की उनकी अविस्मरणीय पारी में देखने को मिली थी।'

रॉबिन स्मिथ का जन्म 1963 में डरबन में हुआ था। वह साथी दक्षिण अफ्रीकी बैरी रिचर्ड्स और माइक प्रोक्टर के प्रभाव में हैम्पशायर (इंग्लैंड) चले गए। उन्होंने 1988 में हेडिंग्ले में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और दक्षिण अफ्रीकी मूल के साथी क्रिकेटर एलन लैम्ब के साथ लंबे समय तक इंग्लैंड के मध्यक्रम के अहम बल्लेबाज रहे।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को रेवंत रेड्डी ने दिया ग्लोबल समिट का विशेष निमंत्रण

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी से मुलाकात कर उन्हें तेलंगाना राइज़िंग ग्लोबल समिट में शामिल होने के लिए विशेष तौर पर आमंत्रित किया। यह समिट हैदराबाद में आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान तेलंगाना रायज़िंग 2047 विज़न डॉक्यूमेंट के बारे में विस्तार से बताया, जिसका उद्देश्य भविष्य में तेलंगाना के समग्र विकास और राज्य की आय में वृद्धि करना है। उन्होंने दोनों नेताओं को औपचारिक निमंत्रण पत्र भी सौंपा। बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, सांसद और एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन भी मौजूद रहीं।

सीएम ने कुत्ते के हमले में घायल बच्चे की चिकित्सा के निर्देश दिए

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हयातनगर में मंगलवार को हुई उस दर्दनाक घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की, जिसमें गूंगे बच्चे प्रेम चंद पर आवारा कुत्तों ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने तुरंत प्रतिक्रिया दी, विस्तृत रिपोर्ट मांगी और अधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्चे को बिना किसी वित्तीय बाधा के सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को सीएमओ और जीएचएमसी अधिकारियों से प्रेम चंद की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जीएचएमसी अधिकारियों को बच्चे की स्वास्थ्य प्रगति की लगातार निगरानी करने, परिवार से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी जरूरतों का आकलन करने और सरकार की ओर से पूर्ण सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। रेवंत रेड्डी ने बच्चे के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। इसी बीच जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अतिरिक्त आयुक्त रघु प्रसाद, चीफ मेडिकल ऑफिसर पद्मजा और चीफ वेटरनरी ऑफिसर वकील के साथ बैठक कर घायल बच्चे प्रेम चंद की स्वास्थ्य स्थिति की समीक्षा की। कर्णन ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं बच्चे की स्थिति पर नजर रख रहे हैं और उन्होंने सर्वोत्तम इलाज उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उपचार की कड़ी निगरानी की जाए और हर आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में आवारा कुत्तों की रोकथाम के लिए चल रहे विशेष अभियान को और तेज किया जाएगा

सैकड़ों अग्निवीर हुए सशस्त्र बलों में शामिल परिवार के सदस्य भी बने अद्भुत क्षण के साक्षी

1 ईएमई सेंटर, एओसी व आर्टिलरी सेंटर हैदराबाद में हुई पासिंग परेड

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पासिंग परेड में शामिल होने के बाद सैकड़ों सैकड़ों अग्निवीर हुए सशस्त्र बलों में शामिल हो गए। इस अद्भुत अवसर के साक्षी अग्निवीरों के परिवार के सदस्य भी हुए। 1 ईएमई सेंटर, सिकंदराबाद में अग्निवीर बैच-06/25 का भव्य पासिंग आउट परेड पारंपरिक सैन्य गरिमा के साथ आयोजित किया गया। कुल 1531 अग्निवीरों ने कठोर बुनियादी एवं उन्नत सैन्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद आज सेना में शामिल होने की राह में महत्वपूर्ण कदम रखा। परेड की समीक्षा ब्रिगेडियर प्रशांत बाजपेयी, कमांडेंट, 1 ईएमई सेंटर ने की। उन्होंने अग्निवीरों की कड़ी मेहनत, सैन्य एवं तकनीकी प्रशिक्षण में उनकी सफलता की प्रशंसा की। परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्निवीरों को कमांडेंट द्वारा पदकों से सम्मानित किया गया। एवी प्रांशु पाल को ड्रिल/परेड कमांडर में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। एवी फिरोज़ खान को ओवरऑल बेस्ट अग्निवीर का सम्मान मिला।

इसी तरह अग्निवीर बैच 06/25 का पासिंग आउट परेड बुधवार को सिकंदराबाद स्थित आर्मी ऑर्डिनेंस कॉर्प्स (एओसी) सेंटर में आयोजित किया गया। कुल 478 अग्निवीरों ने 31 सप्ताह का बुनियादी एवं उन्नत सैन्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया, जो 1 मई से शुरू हुआ था। यह प्रशिक्षण रक्षा मंत्रालय द्वारा जून 2022 में शुरू की गई अग्निपथ योजना के तहत आयोजित किया गया। आरयू परेड ग्राउंड में हुए इस समारोह में अग्निवीरों ने अनुशासित मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया और शपथ लेकर आधिकारिक रूप से आर्मी ऑर्डिनेंस कॉर्प्स में शामिल हुए। एओसी सेंटर के कार्यवाहक कमांडेंट कर्नल के. शाजी ने परेड की समीक्षा की। उन्होंने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर अग्निवीरों को बधाई दी और कहा कि वे सेना में अपने करियर की शुरुआत साहस और सेवा की भावना के साथ करें। इसी क्रम में आर्टिलरी सेंटर हैदराबाद में अग्निवीर बैच 06/2025 का पासिंग आउट परेड समारोह आयोजित हुआ। कई महीनों की कठिन प्रशिक्षण यात्रा के समापन पर, आर्टिलरी सेंटर, हैदराबाद ने 03 दिसंबर 2025 को अग्निवीर बैच 06/2025 का पासिंग आउट परेड आयोजित किया। दिन की शुरुआत आर्टिलरी सेंटर, हैदराबाद के युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई, जहाँ अग्निवीर, प्रशिक्षक और वरिष्ठ अधिकारी वीर शहीदों को सम्मान देने के लिए एकत्र हुए।

शांति और श्रद्धा के साथ संपन्न हुई पुष्पांजलि समारोह ने सैनिकों के साहस, कर्तव्य और देशभक्ति की विरासत को याद दिलाया। पालानी परेड ग्राउंड में आयोजित पासिंग आउट परेड की समीक्षा लेफ्टिनेंट जनरल आदोश कुमार, पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, डायरेक्टर जनरल ऑफ आर्टिलरी और सीनियर कर्नल कमांडेंट ने की। डायरेक्टर जनरल ऑफ आर्टिलरी ने अग्निवीरों की प्रतिबद्धता, धैर्य और कठिन परिश्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये युवा सैनिक राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने और सशस्त्र बलों के मूल्यों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पासिंग आउट परेड की तैयारियाँ एक दिन पूर्व, 2 दिसंबर से शुरू हुईं, जब अभिभावक आगमन करने लगे। मखान सिंह स्टेडियम में अग्निवीरों ने मलखंब, कॉम्बैट मार्शल आर्ट्स और टॉर्च प्रदर्शन के माध्यम से अपने युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया। इसके बाद सैनिक बैंड सिम्फनी प्रस्तुत की गई। इस अवसर कई अग्निवीरों के माता-पिता और अभिभावक भावुक भी हो गए। यह उनके लिए खुशी और यादगार पल रहा।

पुलिस कार्रवाई अनैतिक और अमानवीय : रामचंद्र राव

बीजेपी ने प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई की निंदा की

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने बुधवार को बीजेपी, बीजेवाईएम और महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा की गई कथित अनावश्यक आक्रामकता की कड़ी निंदा की। ये कार्यकर्ता मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के हिंदू देवी-देवताओं पर किए गए कथित आपत्तिजनक बयान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। बीजेपी राज्य कार्यालय के पास आयोजित शांतिपूर्ण प्रदर्शन को पुलिस ने दोनों ओर बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया और कार्यकर्ताओं को हटाने के लिए कथित रूप से बल प्रयोग किया। कई कार्यकर्ताओं, जिनमें महिलाएँ भी शामिल थीं, को धक्का दिया गया और हिरासत में लिया गया। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एम. शिल्पा रेड्डी के पैर में चोट आई, जबकि बीजेवाईएम प्रदेश अध्यक्ष गणेश झड़प के दौरान बेहोश हो गए, ऐसा बीजेपी नेताओं का आरोप है। पुलिस कार्रवाई को अनैतिक और अमानवीय बताते हुए राव ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पुलिस मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की और मुख्यमंत्री से हिंदू देवी-देवताओं पर अपमानजनक टिप्पणी के लिए माफी माँगने को कहा। राव ने चेतावनी दी कि बीजेपी अवैध गिरफ्तारियों से डरने वाली नहीं है और हिंदुओं के सम्मान व लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी। इससे पहले बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया।

हत्या के मामले का खुलासा, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर की यूस्मानिया यूनिवर्सिटी पुलिस और ईस्ट ज़ोन टास्क फोर्स ने हत्या के मामले को सुलझा लिया। बीते एक दिसंबर को मागु सिंह, निवासी धूलपेट, हैदराबाद की तरनाका, येर्राकुंटा कट्टा में कथित रूप से हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में शेख़ गौस , सैयद शोएब, एम.डी. इलियास को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जांच में सामने आया कि शेख़ गौस को संदेह था कि मृतक उनके परिवार के खिलाफ काला जादू कर रहा था, जिसके कारण उनके पारिवारिक और व्यवसायिक परेशानियां हो रही थीं। इस विश्वास के चलते के साथ मिलकर मागु सिंह को बुलाया और उसे चोट पहुँचाने के बाद तरनाका में उसकी गर्दन काटकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए और हथियार अपने घर के पास छुपा दिए। यूस्मानिया यूनिवर्सिटी पुलिस और टास्क फोर्स ईस्ट ज़ोन की टीम ने दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार और वाहन जब्त कर लिया। जांच में यह भी पता चला कि शेख गौस का पिछला आपराधिक रिकॉर्ड है, जिसमें चोरी और हत्या के प्रयास का मामला शामिल हैं।

पुलिस ने सार्वजनिक रूप से अनुरोध किया जाता है कि वे काला जादू या तांत्रिक उपायों पर विश्वास न करें। काला जादू अवैध है और इसके जरिए लोगों को धोखा देने वालों के खिलाफ पुलिस को सूचना दें।

हैदराबाद सिटी पुलिस का ओजीएमआईएस प्रशिक्षण संपन्न

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी. सी. सज्जनार की दूरदर्शी पहल के तहत, हैदराबाद सिटी पुलिस के सभी रैंकों के लिए ओका गोप्पा मार्पुकु इदे श्रीराम (ओ जीएमआईएस) नामक एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नॉर्थ ज़ोन, ट्रैफिक-1 के कर्मियों के लिए प्रशिक्षण 24 नवंबर को प्रारंभ हुआ और 3 दिसंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का संचालन जोएल डेविस , सयुक्त पुलिस आयुक्त, ट्रैफिक ब्रांच, हैदराबाद, राहुल हेडगे , उप पुलिस आयुक्त, ट्रैफिक-1, नॉर्थ जिला, सी. वेनु गोपाल, अतिरिक्त उप पुलिस आयुक्त, ट्रैफिक-1, नॉर्थ जिला के निकट पर्यवेक्षण में किया गया। नौ दिनों के प्रशिक्षण में कुल 452 कर्मियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, जिसे पुलिस कमिश्नर द्वारा विशेष रूप से तैयार किया गया था, अनुभवी और कुशल प्रशिक्षकों द्वारा प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। सभी सत्रों का संचालन सुचारू रूप से हुआ, साथ ही प्रतिभागियों को स्वच्छ और पौष्टिक भोजन और रिफ्रेशमेंट की सुविधा भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मानित और पुरस्कारित किया गया।

ग्रेस कैंसर फाउंडेशन आज मनाएगा 12वीं वर्षगांठ

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कैंसर जागरूकता और शुरुआती पहचान पर काम करने वाली स्वैच्छिक संस्था ग्रेस कैंसर फाउंडेशन (जीसीएफ) 4 दिसंबर को अपनी 12वीं वर्षगांठ मनाने जा रही है। फाउंडेशन के संस्थापक और वरिष्ठ रोबोटिक ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. चिन्नाबाबू सुंकवल्ली ने बताया कि इस अवसर पर मेघालय और त्रिपुरा सरकारों के साथ एक समझौता किया जाएगा, जिसके तहत फरवरी 2026 से कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

पिछले 12 वर्षों में जीसीएफ ने 130 देशों में करीब 1.4 करोड़ लोगों तक पहुँच बनाकर अपना वैश्विक प्रभाव बढ़ाया है। अकेले वर्ष 2024 में, फाउंडेशन ने 61,000 से अधिक लोगों की कैंसर जांच की, जिनमें 1,000 से अधिक मामलों की शुरुआती पहचान हो सकी। फाउंडेशन का लक्ष्य 2025 तक मुफ्त मोबाइल स्क्रीनिंग के जरिए कैंसर, मधुमेह, ब्लड प्रेशर और हृदय संबंधी बीमारियों की जांच कर एक लाख लोगों तक पहुँचना है।

ग्लोबल समिट की सुरक्षा इंतजामों का एड़ीजी महेश भगवत ने जायजा लिया

अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के कंदुकूर मण्डल स्थित फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाले ग्लोबल समिट के लिए सुरक्षा व्यवस्था और बंदोबस्त की समीक्षा करने के लिए आज अतिरिक्त डीजीपी महेश भगवत ने विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ फ्यूचर सिटी में एक समीक्षा बैठक की। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू , आईजीपी रमेश रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महेश भगवत ने समिट स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया और सुरक्षा व व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक के दौरान महेश भगवत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही न हो और सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें।

उन्होंने कहा कि चूंकि यह समिट तेलंगाना के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, इसलिए, कानून व्यवस्था बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस, स्पेशल ब्रांच, इंटेलिजेंस, ऑक्टोपस, ग्रेहाउंड्स, डॉग स्क्वाड और बम स्क्वाड के माध्यम से कड़े बंदोबस्त किए जाएंगे। बैठक में समिट के लिए आवश्यक आवास, मेस, किचन और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि समिट में लगभग 600 प्रतिनिधि शामिल होंगे, जिनमें अंतरराष्ट्रीय निवेश संस्थाओं के प्रतिनिधि, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रमुख, देशी उद्योगपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। वीआईपी प्रतिनिधियों के चारों ओर तीन परत सुरक्षा व्यवस्था होगी। समिट स्थल पर निगरानी के लिए लगभग 100 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जो सेंट्रल पुलिस कंट्रोल रूम से जुड़े होंगे। ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लगभग 1000 ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। रोड डायवर्जन, बैरिकेड्स और पार्किंग मैनेजमेंट के लिए ट्रैफिक मार्शल्स नियुक्त किए जाएंगे। जनता और वाहन चालकों के लिए समिट के दौरान दो दिनों तक मार्ग परिवर्तनों के साथ पुख्ता पुलिस बंदोबस्त रहेगा।

पिता-पुत्र दोनों सरपंच पद के लिए चुनावी मैदान में

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के रामायमपेट मंडल के झांसी लिंगापुर गाँव में एक असामान्य चुनावी मुकाबला देखने को मिला। इस गाँव के सरपंच पद के लिए पिता और उसका बेटा दोनों ही चुनाव में शामिल हैं। पूर्व सरपंच मानेगला कृष्णैया और उनके बेटे वेंकटेशम ने नामांकन दाखिल किया है।

कृष्णैया 2013 और 2019 में बीआरएस के समर्थन से गाँव के सरपंच चुने गए थे और 2019 में उन्हें सर्वसम्मति से चुना गया था। हाल ही में वे कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं। नामांकन के समय आम सहमति न बन पाने के कारण उनके बेटे वेंकटेशम ने अपना नामांकन दाखिल किया। परिवार और कांग्रेस पार्टी के नेता उन्हें समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनमें से कोई एक चुनाव से हट जाए। इस चर्चा ने गाँव में सभी के बीच दिलचस्पी पैदा कर दी है। झांसी लिंगापुर में कुल 10 वार्ड हैं और 1,563 मतदाता हैं, जो इस चुनाव में वोटिंग करेंगे।

सतुपल्ली में सड़क हादसा

दो युवकों और एक नाबालिग की मौत, दो घायल

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के सथुपल्ली मंडल में बुधवार सुबह किष्टाराम के पास हुए सड़क हादसे में दो युवकों और एक नाबालिग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज़ रफ़्तार कार डिवाइडर से टकरा गई, क्योंकि चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा था। आशंका है कि कम दृश्यता और कोहरे के कारण दुर्घटना हुई।

मृतकों में सिद्देसी जय (18), मर्सकाटला शशि (11) और साजिद (25) शामिल हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि कार पूरी तरह टूटकर मलबे में बदल गई। घायल अजय और इमरान को पुलिस ने तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधिकारी वसुंधरा यादव ने बताया कि हादसे की जांच चल रही है। पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सुबह के समय घना कोहरा रहता है, जिससे सड़क पर दिखना मुश्किल हो जाता है और हादसों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने तेज रफ्तार, ओवरटेक और मोबाइल फोन इस्तेमाल से बचने व यात्रा से पहले वाहन की जांच करने की अपील की।

कांग्रेस सरकार ने दो वर्षों में ढह चुके राजस्व तंत्र को पुनर्जीवित किया: पोंगुलेटी

दिसंबर से अतिरिक्त 3,000 लाइसेंसधारी सर्वेयरों की सेवाएँ उपलब्ध होगी

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस सरकार ने जनता की सुविधा बढ़ाने के लिए राजस्व, सर्वे और रजिस्ट्रेशन विभागों में महत्वपूर्ण सुधार लागू किए हैं और पिछले प्रशासन के समय कमजोर पड़े तंत्र को दो वर्षों में पुनर्जीवित किया है।

सचिवालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार, अगले जनवरी तक राजस्व, सर्वे और रजिस्ट्रेशन विभागों की जानकारी को एकीकृत करने वाला संपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया जाएगा। इसके साथ ही धरनी पोर्टल से जुड़ा पुराना एप्लिकेशन पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। इस पहल पर एनसीए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। मंत्री ने बताया कि तेलंगाना में वर्तमान में 413 गांव ऐसे हैं जिनमें मानचित्र नहीं हैं। सरकार ने इनमें से पांच गांवों को पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना है, जहां सीमाओं के निर्धारण और भूदर नंबर आवंटन जैसी सुविधाएँ लागू की जाएंगी। इन पांच गांवों के लिए भूधर कार्ड तैयार कर वितरण किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों को छोड़कर शेष 408 गांवों में से 373 गांवों में दूसरे चरण में सर्वे कराया जाएगा। तीसरे चरण में सभी जिलों से 70 गांवों को चयनित कर लाभार्थियों के लिए भूदर कार्ड जारी किए जाएंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में भूमि से संबंधित सभी पात्र आवेदनों का निपटान जनवरी के अंत तक कर दिया जाएगा, जिसके बाद संबंधित ट्रिब्यूनल स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में हुई अनियमितताओं की पहचान के लिए दो जिलों में फॉरेंसिक ऑडिट चल रहा है। ऑडिट रिपोर्ट आने के बाद पूरे राज्य में सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों में राजस्व सेवाओं को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि हम राजस्व ढांचे में सुधार कर रहे हैं ताकि हर नागरिक को लाभ मिले, भूमि अधिकारों से लेकर पंजीकरण तक के मुद्दों को सुलझाया जा सके। धरनी प्रणाली के माध्यम से आवेदन करने वालों को राहत प्रदान की गई है। जब हम पद संभाले, तब 2.45 लाख धरनी आवेदन लंबित थे और उसके बाद 4 लाख और आवेदन आए। हमने सभी का निपटान कर लिया है, जो जनता की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री ने यह भी बताया कि आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था के साथ-साथ रिक्त सर्वेयर पदों को भरा गया है और लाइसेंसधारी सर्वेयरों की सेवाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा, प्रत्येक मंडल के लिए भूमि क्षेत्र के आधार पर 4 से 6 लाइसेंसधारी सर्वेयर नियुक्त किए जा रहे हैं। लगभग 4,000 लोगों को पहले ही प्रशिक्षण और लाइसेंस प्रदान किया जा चुका है। दिसंबर से अतिरिक्त 3,000 लाइसेंसधारी सर्वेयरों की सेवाएँ उपलब्ध होंगी।

तेलंगाना आंदोलन के शहीद श्रीकांत चारी को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में लोगों ने बुधवार को शहीद के. श्रीकांत चारी को श्रद्धांजलि दी, जिनकी आत्मदाह की घटना ने तेलंगाना राज्य आंदोलन को निर्णायक मोड़ दिया था। 3 दिसंबर 2009 को 24 वर्षीय श्रीकांत चारी ने खुद को आग लगा ली, जिससे आंदोलन में जनसैलाब उमड़ा और अंततः तेलंगाना राज्य का गठन हुआ।

नलगोंडा ज़िले के पोडिचेडु गाँव में जन्मे श्रीकांत चारी फिजियोथेरेपी के छात्र थे और टीआरएस युवा शाखा से जुड़े थे। 2009 में आंदोलन तेज था और 29 नवंबर को पुलिस द्वारा के. चंद्रशेखर राव को हिरासत में लेने के बाद पूरे राज्य में विरोध शुरू हो गया। एलबी नगर में धरने के बीच श्रीकांत चारी ने आंबेडकर की प्रतिमा पर चढ़कर मिट्टी का तेल छिड़क कर आग लगा ली। गंभीर रूप से जलने के कारण 3 दिसंबर की रात उनका निधन हो गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.